हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 12.03.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 224 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दिल्ली ब्लास्ट मामला : तुफैल और जमीर की कस्टडी 5 दिन बढ़ी

नयी दिल्ली : पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने नवंबर 2025 में हुए दिल्ली बम धमाका मामले में गिरफ्तार दो आरोपित तुफैल अहमद भट और जमीर अहमद अहंगर की एनआईए कस्टडी पांच दिन के लिए बढ़ा दी है। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि मामले की जांच के दौरान कई नए सुराग सामने आए हैं और संदिग्ध नेटवर्क के बारे में अहम जानकारियां जुटानी बाकी हैं। एनआईए का कहना है कि इन सुरागों की पुष्टि और साजिश में शामिल अन्य लोगों तक पहुंचने के लिए आरोपितों से विस्तृत पूछताछ जरूरी है। अदालत ने एजेंसी की दलीलों को स्वीकार करते हुए दोनों को पांच दिन की अतिरिक्त हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने दलील दी कि जांच में यह भी सामने आया है कि इस मामले के तार दिल्ली के अलावा लखनऊ और श्रीनगर से भी जुड़े हुए हैं। एनआईए सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दिल्ली बम धमाके से जुड़े संभावित नेटवर्क, साजिश की योजना और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका की जांच की जाएगी। इस मामले में अब तक 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपित की आत्मघाती हमले में मौत हो चुकी है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी 28 मार्च को एसआरएच के खिलाफ करेगा टूर्नामेंट की शुरूआत

नयी दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले फेज का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 28 मार्च को बेंगलुरु में आईपीएल 2026 के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। बीसीसीआई ने यह घोषणा वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष की वजह से खिलाड़ियों के ट्रैवल अरेंजमेंट को लेकर चिंताओं के बीच की है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले सभी मैच कर्नाटक सरकार द्वारा नियुक्त एक्सपर्ट कमेटी से मंजूरी मिलने पर निर्भर हैं, जो पिछले सीजन में स्टेडियम में हुई जानलेवा भगदड़ के बाद वेन्यू की तैयारियों का आकलन करने के लिए 13 मार्च को मीटिंग करेगी। बीसीसीआई ने बुधवार को पहले 20 मैचों का शेड्यूल घोषित किया और तीन राज्यों – तमिलनाडु, असम और वेस्ट बंगाल – में चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद पूरा शेड्यूल जारी करेगी।

लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव खारिज

दोनों सदन आज सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का उन्हें पद से हटाए जाने का प्रस्ताव बुधवार को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष के हंगामे के बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ। प्रस्ताव कांग्रेस के सदस्य मोहम्मद जावेद ने पेश किया था। इस दौरान अध्यक्षीय चेयर पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल मौजूद थे। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव खारिज होने के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के दौरान ही विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर हंगामा करने लगे। इसी बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ और ध्वनि मत से प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रस्ताव अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया था लेकिन कई सदस्यों ने अपने वक्तव्य में उनसे हटकर सरकार की आलोचना की है।

लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, संविधान ने स्पीकर को मध्यस्थ की भूमिका दी है। आप उसी मध्यस्थ पर शक कर रहे हैं। 75 वर्षों में दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। विपक्ष ने उस गहरी नींव की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़ा किया है।

लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, संविधान ने स्पीकर को मध्यस्थ की भूमिका दी है। आप उसी मध्यस्थ पर शक कर रहे हैं। 75 वर्षों में दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। विपक्ष ने उस गहरी नींव की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़ा किया है।

'सदन कोई मेला नहीं, नियमों के अनुसार चलना पड़ेगा' : शाह

शाह ने कहा, मैं बताना चाहता हूं कि 75 साल से इन दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। लेकिन आज विपक्ष ने इस साख पर एक प्रकार से सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए सदन के जो स्पीकर होते हैं, वह संरक्षक होते हैं। इसलिए नियम बनाए गए हैं। यह सदन कोई मेला नहीं है; यहां नियमों के अनुसार चलना पड़ता है। जिन बातों को सदन अनुमति नहीं देता है, उस तरह से बोलने का किसी को अधिकार नहीं है, चाहे वह कोई भी हो।

उन्होंने कहा, विपक्ष जब स्पीकर की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है, तो मान्यवर यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है। यह हमारी परंपरा, उच्च परंपराओं का निर्वहन करने के लिए बहुत अफसोसजनक घटना है।

अपने संबोधन में गृह मंत्री शाह ने कहा-

- गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। यह संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए अफसोसजनक घटना है, क्योंकि अध्यक्ष किसी दल के नहीं, सदन के होते हैं।
- उन्होंने आगे कहा कि स्थापित परंपरा के अनुसार इस सदन की कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर होती है। स्पीकर एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में काम करते हैं, जो सरकार और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- शाह ने कहा कि लोकसभा के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं, जिनके अनुसार स्पीकर को सत्र चलाना चाहिए। यह सदन कोई बाजार नहीं है।सदस्यों से उम्मीद की जाती है कि वे इसके नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार बोलें और भाग लें।
- उन्होंने कहा, मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि वर्तमान स्पीकर की नियुक्ति जब हुई, तब दोनों दलों के नेताओं ने एक साथ उन्हें आसन पर बैठाने का काम किया। इसका मतलब है कि स्पीकर को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने एक प्रकार से मुक्त माहौल भी देना है और दायित्वों के निर्वहन के लिए उनका समर्थन भी करना है।
- केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि स्पीकर के निर्णय पर कोई असहमति तो व्यक्त हो सकती है, लेकिन लोकसभा के नियमों में स्पीकर के निर्णयों को अंतिम माना गया है। इसके विपरित विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया।

विधानसभा में मंत्री इरफान अंसारी ने की घोषणा

राज्य में खुलेंगे 8 नए मेडिकल कॉलेज रिम्स-2 बनेगा एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन विभाग की अनुदान मांगों पर जवाब देते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और आने वाले वर्षों में झारखंड स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करेगा। मंत्री ने बताया कि पिछले 25 वर्षों में राज्य में केवल 9 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन अब सरकार एक वर्ष के भीतर 8 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। पहले चरण में जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद और खूंटी में मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में गोड्डा, साहिबगंज और सरायकेला में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि रांची के ब्राम्बे में एक मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी ताकि डॉक्टरों की कमी दूर की जा सके और मेडिकल शिक्षा को बेहतर बनाया जा सके। इसके अलावा इटकी में रिम्स-2 बनाने की योजना है, जिसे एशिया के सबसे बड़े अस्पतालों में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में इसमें 1400 बेड होंगे, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 2600 बेड तक किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में मेडिको सिटी स्थापित करने की भी योजना है, जिस पर लगभग 3871 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इससे मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 तक झारखंड को थैलेसीमिया मुक्त बनाना है। इसके लिए कई अस्पतालों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू की जाएगी और सभी मेडिकल कॉलेजों में पेट स्कैन मशीन लगाने की योजना है। इसके साथ ही एमजीएम जमशेदपुर, धनबाद और रांची सदर अस्पताल में कैथ लैब भी शुरू की जाएगी।

राज्य में सभी मेडिकल कॉलेजों और सदर अस्पतालों में एमआरआई और सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इसके अलावा पूरे राज्य में 25 हाईटेक ट्रॉमा सेंटर स्थापित किए जाएंगे, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती होगी। महिलाओं के लिए विशेष सुविधा देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य की सभी गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड की सुविधा मुफ्त दी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले चरण में 750 अबुआ दवा स्टोर खोले जाएंगे, जहां लोगों को सस्ती दवाएं और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिलेगी।

108 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 3.61 करोड़ कैश और एक किलो सोना मिला

एजेंसी

बस्तर : बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बुधवार को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 108 नक्सली कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 44 महिला और 64 पुरुष नक्सली शामिल हैं, जिन पर 3.29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। यह आत्मसमर्पण पुणे मारगेम पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के तहत हुआ। कार्यक्रम राज्य के डीजीपी अरुण देव गौतम और एडीजी विवेकानंद सिन्हा की मौजूदगी में हुआ। बस्तर आईजी सुंदरराज पी सहित सीआरपीएफ, बीएसएफ और जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जमा किए गए हथियारों और अन्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। अधिकारियों ने 101 घातक हथियार बरामद होने की जानकारी दी।

इन हथियारों में एके 47, इंसास, एलएमजी और बीजीएल शामिल थे। नक्सल इतिहास में पहली बार 3.61 करोड़ रुपये नकद और 1.64 करोड़ रुपये मूल्य का एक किलो सोना बरामद किया गया। इसे अब तक के नक्सल विरोधी अभियानों में सबसे बड़ी डंप बरामदगी माना जा रहा है। यह सभी सामग्री बस्तर रेंज के विभिन्न जिलों से बरामद की गई थी। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर जिले शामिल हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज पर हमला गुजरात के कांडला बंदरगाह आ रहा था 'मायुरी नारी'

एजेंसी

नयी दिल्ली : ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध बुधवार को 12वें दिन में प्रवेश कर गया। रात भर पूरे पश्चिम एशिया में हवाई हमले के सायरन, मिसाइल लॉन्च और नए हमलों की खबरें सामने आईं। इजरायल और अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों पर हमले जारी रखे, जबकि ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सहयोगी देशों को निशाना बनाया। हालांकि अब इन हमलों से ज्यादा बड़ा मुद्दा स्ट्रैट ऑफ हॉर्मुज बना हुआ है, जिसने बंद होने से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा हुआ है। इसी बीच अमेरिका ने

इजरायल को कहा है कि वो ईरान तेल-गैस सेंटर्स पर हमले करना बंद करे।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने अपने सैन्य अभियान की 35वीं लहर शुरू कर दी है। इसमें मध्य-पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इजरायल के मध्य हिस्सों को निशाना बनाया गया। वहीं इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने तेहरान में ईरानी सरकार से जुड़े कई ठिकानों पर एक और बड़ा हमला किया है। उधर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का ईरान के लोगों को सीधा संदेश यह आपके लिए जीवन में एक बार मिलने वाला ऐसा अवसर है जिससे आप अयातुल्लाहशासन को हटाकर अपनी स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं। अयातुल्ला अब इस दुनिया में नहीं हैं और मैं जानता हूं कि आप नहीं चाहते कि उनकी जगह कोई दूसरा तानाशाह आ जाए। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के 16 नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया, जिनमें बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाज भी शामिल थे। हॉर्मुज दुनिया का सबसे अहम समुद्री मार्ग माना जाता है क्योंकि यहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की सप्लाई गुजरती है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान इस जलमार्ग में बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रहा था।

खाड़ी के देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा में जुटी सरकार, कांग्रेस कर रही राजनीति : पीएम मोदी

एजेंसी

कोच्चि : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने त्रिशूर लोकसभा सीट और तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में भाजपा की जीत का जिक्र किया। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा की यह सफलता अब पूरे केरल में फैलेगी। पीएम ने कहा कि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी शासन करने के पुराने तरीके को बदलना अब बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अगले पांच साल एनडीए को सेवा का मौका देने की अपील की। उन्होंने जनता को 'मोदी की गारंटी' का भरोसा दिया। पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर तीखा

हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राजकुमार केरल और भारत के युवाओं की सोच को नहीं समझते। उन्होंने केरल के भविष्य के लिए अपनी योजना साझा की। उन्होंने कहा कि हम केरल को एआई (एआई) और भविष्य की नई तकनीक का बड़ा केंद्र बनाने के लिए काम करेंगे। प्रधानमंत्री ने विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत अपने नागरिकों को कहीं भी मुसीबत में अकेला नहीं छोड़ता। पीएम मोदी ने कहा, वेस्ट एशिया में जो कुछ हो रहा है, उससे आप सभी का चिंतित होना बहुत स्वाभाविक है। हमारे लाखों भाई-बहन वहां काम करते हैं। जब भी हमारा कोई देशवासी संकट में पड़ता है तो हमारी सरकार उसे सुरक्षित बचाने के लिए पूरी ताकत लगा देती है। आज का भारत अपने नागरिकों को संकट में अकेला नहीं छोड़ता है। आज भी हमारा प्रयास है कि युद्ध की हालत में फंसे भारतीयों को सुरक्षा मिले, हरसंभव सुविधा मिले।

इसके साथ ही पीएम ने खाड़ी देशों का भी आभार जताया जो विषम परिस्थिति में फंसे लोगों की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे संतोष है कि गल्फ के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें भी हमारे देश के नागरिकों का पूरा ध्यान रख रही हैं। मैं उन सभी सरकारों का आभारी हूं। वहां हर देश में हमारे जो दूतावास हैं, हमारे मिशन हैं, वे 24/7 उनकी मदद कर रहे हैं। किसी को भी खाना-पीना चाहिए, मेडिकल हेल्प चाहिए, रहने की जगह चाहिए या कानूनी मदद चाहिए, तो इसे सुनिश्चित किया जा रहा है। लेकिन यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि कांग्रेस इतने बड़े वैश्विक संकट में भी राजनीति ढूंढ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की महत्ता भी समझाई। उन्होंने आगे कहा, गल्फ में चल रहे युद्ध ने हमें आत्मनिर्भरता का महत्व फिर से समझाया है। एनर्जी हो या अन्य सेक्टर भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रहा है।

तेल आयात बाधित नहीं, बुकिंग के ढाई दिन के अंदर मिलेगा घरेलू गैस सिलेंडर : केंद्र सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली : केन्द्र सरकार का कहना है कि देश में कच्चे तेल का आयात बाधित नहीं है और विविध स्त्रोतों से आवश्यकता के अनुरुप आयात सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, घरेलू गैस की सप्लाई कुछ हद तक बाधित होने के कारण सरकार प्राथमिकता के आधार पर सप्लाई सुनिश्चित कर रही है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बुकिंग के ढाई दिन के अंदर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए क्यूआर कोड के जरिए बुकिंग की व्यवस्था की गई है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच ईरान के करीब जलमार्ग होरमुज जलडमरूमध्य से जहाजों

की आवाजाही बाधित है। इस कारण इस मार्ग से विभिन्न देशों को होने वाला आयात प्रभावित है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। इसे देखते हुए आज सरकार ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में विभिन्न मंत्रालयों की ओर से संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि एलपीजी बुकिंग को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। देश की वर्तमान में प्राकृतिक गैस की दैनिक खपत लगभग 189 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन है। इसमें से लगभग 97.5 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन का उत्पादन घरेलू स्तर पर होता है और शेष आयात किया जाता है। आयात से लगभग 47.4 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर की आपूर्ति अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुई है।

एक नजर

रामनवमी पूजा को लेकर ग्रामीणों की बैठक संपन्न

चंदौल : रामनवमी पूजा मनाने को लेकर चंदौल में महावीर मंदिर रामनवमी महासमिति पदाधिकारी का सर्वसमिति से चुनाव किया गया। जिसमें हिंदू मुस्लिम मिलकर रामनवमी मनाने का निर्णय लिया है ।जिसकी अध्यक्षता विनोद यादव ने किया। बिनोद यादव को अध्यक्ष,सचिव जागरनाथ यादव, कोषाध्यक्ष विक्की सिंह चुने गए। वही पूजा को बेहतर ढंग से संचालन के लिए 11 लोगों को कार्यकारिणी सदस्य एवं संरक्षक बनया गया। हिंदू के साथ मुस्लिम लोगों को भी पदाधिकारी के रूप में जगह दी गई है । जिसमें चंदौल पंचायत के उप मुखिया मोहम्मद शमशेर अंसारी, सर्वजातीय समाज के सचिव मोहम्मद नौशाद आलम, रामचंद्रगंझू, अवधेश सिंह, सागर यादव, दिनेश्वर पासवन, महेंद्र यादव को संरक्षक बनाया गया।

माता जी के पुण्य तिथि पर सामूहिक भोज का आयोजन

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के हजारीबाग के जिला उपाध्यक्ष रमेश कुमार सिंहा जी के दिवंगत माता जी की पुण्य तिथि अर्श कन्या गुरुकुल में मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की जिला इकाई की ओर से अर्श कन्या गुरुकुल के बच्चों को सामूहिक तौर पर भोजन कराया गया। साथ दिवंगत माता के चित्र पर पुष्प अर्चन कर श्रद्धासुमन अर्पित की गई। मौके पर प्रदेश महासचिव मंजू सिंह, प्रदेश कार्यक्रम सचिव रेखा देवी, हजारीबाग जिला महासचिव दुर्गेश कुमार वर्मा, हजारीबाग नगर अध्यक्ष सुजाता लाल, रमेश कुमार सिन्हा जी की धर्म पत्नी, पप्पू जी, राजु केशरी आदि शामिल रहे।

रामनवमी पर डीजे पाबंदियों को लेकर भाजपा विधायक ने सरकार को घेरा

झारखंड सरकार एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए डीजे पर पाबंदी लगाया है : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : महारामनवमी के अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों में डीजे पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर बड़कागांव भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। विधानसभा परिसर के बाहर तख्तियां के साथ धरने में बैठने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान विधायक श्री चौधरी ने ह्यजय श्री रामह्व के नारे भी लगाए और कहा कि सरकार की यह दमनकारी नीति अधिक दिनों तक नहीं चलने वाली है। आगे उन्होंने सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार एक विशेष समुदाय को खुश करने के लिए हिंदू त्योहारों पर अनावश्यक पाबंदियां लगा रही है, जो एक लोकतांत्रिक देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व पर इस तरह की रोक-टोक लोगों की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को ठेस पहुंचाने वाली है। ऐसी सख्ती और अव्यवस्था केवल हिंदू त्योहारों के समय ही क्यों देखने को मिलती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मोहर्रम के दौरान इस तरह की पाबंदियां नहीं लगाई जातीं, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। आगे श्री चौधरी ने हजारीबाग, बड़कागांव में निकाली जाने वाली रामनवमी पर डीजे बजाने पर पाबंदी लगाने की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हजारीबाग और बड़कागांव की रामनवमी का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है, लेकिन जिस तरह से लोगों को अपने धार्मिक त्योहार मनाने से रोका जा रहा है, वह उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। विरोध करने वालों में हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, मांडू के विधायक निर्मल उर्फ तिवारी महतो, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो शामिल थे।

बरही में धूमधाम से निकला पहला मंगला जुलूस, पुलिस रही मुस्तैद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रामनवमी महापर्व के पावन अवसर पर बरही एवं बरही थाना क्षेत्र के लगभग सभी गांवों पहला मंगला जुलूस धूमधाम से निकाला गया। बरही की ऐतिहासिक रामनवमी के उपलक्ष में चैत्र महीने के हर मंगलवार को यह जुलूस निकालने की परंपरा है। बरही के कई अखाड़ों ने मंगला जुलूस निकालकर इस परंपरा का पालन किया। होली के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार से रामनवमी तक चलने वाला मंगला जुलूस कई दशकों पुरानी परंपरा है। इसमें विभिन्न अखाड़ों के राम भक्त पारंपरिक शास्त्रों तलवार, लाठी के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बरही के दर्जनों अखाड़ा अपने - अपने क्षेत्र में भाग लेते है। राम भक्त पारंपरिक वेशभूषा में तलवारबाजी और लाठी चलाने जैसा युद्ध का कला प्रदर्शन करते है। अखाड़ों में महावीरी झंडा स्थापित किया जाता है और जय बजरंगबली के घोष के साथ जुलूस निकाला जाता है। बीते मंगलवार देर शाम को जुलूस निकालने की शुरूआत हुई। लोग श्रद्धा भाव के साथ जुलूस में शामिल हुए और शस्त्र परिचालन के साथ चलता रहा। बरही की सड़कों लाफ रामभक्तों की भीड़ दिखी, जय श्रीराम वीर के उद्घोष से पूरा बरही गूंजता रहा। इधर

मंगला जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर एसडीओ जोहन टुड्डू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल एवं थाना प्रभारी विनोद कुमार समेत दर्जनों सशस्त्र बल मौजूद रहे।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान का बरही से 49वाँ जत्था रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

65 श्रद्धालु करेंगे अयोध्या में प्रभु श्रीराम का दर्शन

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा बुजुर्गों को तीर्थाटन कराने के उद्देश्य से संचालित सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत बुधवार को बरही से 49वाँ जत्था श्रद्धापूर्वक अयोध्या के लिए रवाना हुआ। बरही पश्चिमी मंडल अंतर्गत पूर्वी पंचायत से रवाना हुए इस जत्थे में कुल 65 श्रद्धालु शामिल हैं, जो अयोध्या में भगवान प्रभु श्रीराम का दर्शन करेंगे। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, बरही विधानसभा सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद सह प्रतिनिधि रंजीत चंद्रवंशी, मणिलाल यादव, सांसद प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, भगवान केशरी तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने श्रद्धालुओं का पैर पूजन किया और उन्हें माननीय सांसद के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए बैग प्रदान किया। जिसके बाद भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर से बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बरही प्रखण्ड मैदान स्थित मनोकामनेश्वर मंदिर से तीर्थ यात्रियों का पैर पूजन किया। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता भुनेश्वर साहू, राजकुमार केशरी, आलोक बर्णवाल, पंकज बर्णवाल, बिनोद यादव, वार्ड सदस्य संतोष ठाकुर, सुभाष बर्णवाल, पिंटू चंद्रवंशी, जितेंद्र केशरी, शिवम कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय शिवाडीह में वार्षिक उत्सव संपन्न

बड़कागांव : प्रखंड के सांढ़ पंचायत अंतर्गत पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय शिवाडीह में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम काफी धूमधाम से विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शंभू सोनी की अध्यक्षता में मनाया गया ।संचालन प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार राम के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख फुलवा देवी एवं विशिष्ट अतिथि जितेंद्र कुमार मंडल व सम्मानित अतिथि जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी , सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार, सांसद प्रतिनिधि पूनम साव , पंसस प्रभु राम , पूर्व मुखिया भिखन महतो , पूर्व पंसस बासमती कुमारी, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए ।सर्वप्रथम विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा ढोल - नगाड़े बजाकर, झारखंड की सांस्कृतिक नागपुरी गीत गाकर व नृत्य कर एवं फूल बरसाकर अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया ।तत्पश्चात अतिथियों ने अपनी उपस्थित मंच पर दर्ज कर फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।इस दरमियान बच्चों के द्वारा एक से एक से बढ़कर एक संस्कृतिक नृत्य वह गीत संगीत एवं नाटक प्रस्तुत किया गया ।साथ ही साथ बच्चों ने एक कार्यक्रम के तहत यह बताया की किसी भी शर्त में नशा-पान नहीं करना है ।ना ही एक दूसरे को प्रेरित करना है,बल्कि नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाना है।

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग में महिला दिवस पर तैयार दीवार पत्रिका का अनावरण

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग में महिला दिवस पखवाड़ा के अवसर पर एक विस्तृत दीवार पत्रिका (वॉल मैगजीन) का अनावरण बुधवार को किया गया। खास बात यह रही कि इसका अनावरण प्रथम समसत्र में अब तक सर्वाधिक उपस्थिति धारक दो विद्यार्थी राहुल कुमार तथा अंजू कुमारी के द्वारा फीता खोलकर किया गया। ज्ञात हो कि नैक द्वारा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को अच्छे कार्यों के लिए पुरस्कृत तथा स्वीकृत करने की परिपाटी विकसित करने संबंधी दिशा निर्देश उसके सर्वे प्रपत्र के बिंदु 48 में दशार्या गया है। यह दीवार पत्रिका विभाग के प्रथम समसत्र में नव नामांकित विद्यार्थियों के द्वारा तैयार किया गया। इस कार्य में विद्यार्थी राहुल कुमार, पूजा मेहता, संदीप कुमार, बबली कुमारी, प्रज्ञा आर्या तथा विक्रम मेहता मुख्य भूमिका में रहे। विभाग के तीन महिला शोधार्थी श्वेता कुमारी, चंचल कुमारी तथा संजना मासूम ने इन विद्यार्थियों को दीवार पत्रिका तैयार करने के विभिन्न पहलुओं से प्रशिक्षित किया।

रमजान पर पूरा कुरान पठन पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि ने किया सम्मानित

बरही : बरही प्रखंड में रमजान का पर्व श्रद्धा एवं अकीदत के साथ जारी है। कोनरा पंचायत के शादी मुहल्ला के मदीना मस्जिद में कुरान का आगाज बहुत ही उम्दा तरीके से हाफिज सईद साहब के द्वारा सुनाया गया । उन्होंने मात्र 18 दिनों में कुल 30 पारा के साथ 1000 पेज का पठन पूरे ही अकीदत के साथ मुकम्मल किया । कुरान की पूरी आयते कंप्लीट होने पर कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद वारिस अंसारी ने बुके एवं शॉल देकर खैरमकदम एवं स्वागत किया । इनके साथ जामा मस्जिद के इमाम मौलाना हाजी मुशर्रफ उल कादरी साहब, मदीना मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद महमूद रिजवी साहब, मक्का मस्जिद के इमाम हफीजुरकारी अब्दुल कयूम साहब, मस्जिद अक्सा के इमाम मौलाना रिजवान साहब, मस्जिद क्यूबा के इमाम हाफिज अलहाज कलीमुद्दीन रिजवी साहब भी शामिल रहे। इस मौके पर मदीना मस्जिद में मिलाद को लेकर कमेटियों ने सभी मस्जिदों के इमाम एवं मोमिन एवं मस्जिदों के सदर सेक्रेटरी को आने के लिए दावत दिए। मदीना मस्जिद के सदस्यों ने सम्मानजनक तौफे के रूप में नजरानाए अकीदत पेश किया।

मंगला शोभा यात्रा निकाली गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जय श्री राम की जय घोष से गूंजा बड़कागांव

बड़कागांव : प्रखंड में रामनवमी की प्रथम मंगला जुलूस शोभा यात्रा काफी धूमधाम के साथ निकाली गई। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने गांव में बजरंगबली की मंदिरों में पूजा पाठ कर एवं लोगों के बीच प्रसाद वितरण पश्चात शोभा यात्रा निकाली। श्रद्धालुओं ने लाइसेंस के अनुसार निर्धारित हर गली मोहल्ले में शोभा यात्रा निकाली एवं जय श्री राम की जय घोष के साथ देर रात तक भ्रमण किया। बड़कागांव , हरली, साँढ़,मोहगांई कला, सीकरी, बरवाडीह गांव में प्रथम मंगला जुलूस शोभा यात्रा शांतिपूर्वक निकाली गई। अखाड़ों द्वारा निकाली गई सभी जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर एसडीपीओ पवन कुमार ,थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता एवं सीकरी ओपी थाना प्रभारी रामकुमार राम क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। सशस्त्र पुलिस बल लगाए गए थे तथा विशेष तत्परता देखी गई । ताकि किसी प्रकार की कोई लड़ाई झगड़ा ना हो। मंगला शोभा यात्रा जुलूस में मुख्य रूप से बड़कागांव मंगला जुलूस अध्यक्ष सत्यजीत विद्या अलंकार, सचिव इंग्लेश सोनी, उपाध्यक्ष राकेश कुमार , जिससे ग्रामीणों को काफी शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता पिंटू गुप्ता ,किशोर कुमार ,ललन कुमार सोनी , हरली पूजा समिति के अध्यक्ष महेंद्र महतो, सचिव उमेश कुमार ,कोषाध्यक्ष धनेश्वर महतो के अलावा कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

धार्मिक स्थल निमीछत्तर का सुंदरीकरण शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव मध्य पंचायत अंतर्गत सरकारी टोला स्थित पुराना द सेंट्रल स्कूल के समीप निमीछत्तर गवांट जो लगभग 30 वर्षों से भी अधिक समय से कूड़ा - करकट के ढेर में दबे हुए थे। जिससे धार्मिक भावना की क्षति हो रही थी। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत बड़कागांव मध्य पंसस रितेश ठाकुर से की। जिसपर रितेश ठाकुर ने संज्ञान लेते हुए अपने मद से निमीछत्तर गवांट धार्मिक स्थल की साफ - सफाई और सुंदरीकरण की स्वीकृति दी। जिसमें बुधवार को ग्रामीणों की देखरेख में साफ सफाई का कार्य शुरू कर दी गई। जिसमें मुख्य रूप से समाजसेवी जोगन राम , वार्ड सदस्य गणेश राम, कृष्ण राणा, सूरज कुमार, अमित कुमार, राजू कुमार, पप्पू राम एवं अन्य मौजूद थे।

बुजुर्ग महिला ने सौतेले बेटे पर मृत घोषित कर संपत्ति हड़पने और मारपीट का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

थाने में दिया आवेदन

एसडीपीओ से लगाई गुहार, कहां मै जिंदा हूं और मुझे मृत बताया जा रहा है

बरही : थाना क्षेत्र अंतर्गत करियातपुर निवासी उर्मिला देवी पति स्व. सरयू भगत ने अपने सौतेले बेटे पर मृत घोषित कर संपत्ति हड़पने को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए बरही थाना एवं एसडीपीओ को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता उर्मिला देवी ने कहा है कि पति की मृत्यु के बाद वह अपने घर में शांति पूर्वक रह रही थीं। इसी दौरान सौतेला बेटा गोविंद भगत पिता स्व सरयू भगत एवं उसकी पत्नी अनीता देवी संपत्ति हड़पने के नियत से बराबर मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे। महिला का आरोप है कि दोनों उसके साथ मारपीट गाली गलौज करते हुए घर से जबरन निकाल दिया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया गया है कि पति द्वारा खरीदी गई जमीन और अन्य संपत्ति को हड़पने के उद्देश्य से उनके द्वारा उन्हें मृत घोषित करने की कोशिश की जा रही है। जब भी वह इसका विरोध करती है तो उसके साथ उनका सौतेला बेटा और उनके पुत्रगण गाली- गलौज मारपीट करने लगते हैं। इस संबंध में उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला पिछले कई वर्षों से अपने बच्चों के साथ हजारीबाग में रहकर काम करती है। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं, वहीं पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। गौरतलब हो कि स्थानीय मुखिया मनोज कुमार एवं जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव द्वारा वंशावली बनाकर यह प्रमाणित किया है कि उर्मिला देवी स्व सरयू भगत की पत्नी है। इसके बाद भी विपक्षी लोग उसे सरयू भगत की पत्नी मानने से ही इनकार कर रहे हैं। इधर एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने कहा कि मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग बच्चों को बाइक देने वाले अभिभावकों पर भी होनी चाहिए कानूनी कार्रवाई: एनएचआरए

स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सिलेबस में यातायात नियमों की शिक्षा को शामिल किया जाए : कमल शंकर पंडित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही एवं बरही के आस पास आए दिन लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिसमें कई लोग काल के गाल में समा रहे हैं। इस राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने गहरी चिंता जाहिर की है। साथ ही घटना का मुख्य कारण यातयात नियमों की जानकारी नहीं होना है। इसलिए राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि पढ़ाई के दौरान उनके सिलेबस में यातायात नियमों को शामिल किया जाय। ताकि पढ़ाई के समय ही उन्हें यातायात नियमों की जानकारी हो जाय। जिससे दुर्घटना की संभावना कम हो जाय। क्योंकि सड़क दुर्घटना की शिकार अधिकांश युवा हो रहे हैं , जिसकी उम्र मात्र 10 से 22 वर्ष होते हैं। बहुत से ऐसे मनबढ़ु बाइक चालक युवक होते हैं, जो अपना जान जोखिम के साथ दूसरों का जान के साथ खिलवाड़ करते हुए बाइक को स्टंट मारते हुए चलाते हैं।बाइक सड़क दुर्घटना ऐसी घटना है जो धन-दौलत के साथ साथ जन का भी नुकसान होता है जिसके कारण परिवार को आर्थिक के साथ मानसिक नुकसान सहना पड़ता है।आज के युवा वर्ग में यातायात नियमों की जानकारी नहीं होने के कारण ऐसी घटनाएं घटती है।नियम संगत व संयम से बाइक नहीं चलाने के कारण हृदय विदारक घटनाएं घटती है, जो अपनो के साथ साथ अन्य लोगों का दिल झकझोर देता है। ज्यादातर सड़क दुर्घटना के मामले में नाबालिग बच्चे शामिल होते हैं। ऐसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा कि वर्तमान समय के युवा वर्ग काफी तेज गति से स्टंट करते हुए बाइक चलाते हैं।जिसके कारण बाइक सड़क दुर्घटना में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने बाइक नियंत्रित गति में चलाने की अपील किया।उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा समय-समय पर वाहन चेकिंगअभियान चला कर लोगों को जागरूक करने का काम करती है। पुलिस प्रशासन हमेशा युवाओं को संयम में यातायात नियमों का पालन करते हुए बाईक चलाने की अपील करती है फिर बिना डर-भय के तेज गति में बाइक चलाते नजर आते हैं। वहीं राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित ने कहा कि बाइक सड़क दुर्घटना में नाबालिक युवाओं के चलाने के कारण सड़क दुर्घटनाएं होती है।इस घटना में घायल एवं जान गंवाने में अभिभावकों का भी योगदान रहता है जो बिना सोचे-समझे व बताए बच्चों को बाइक चलाने की इजाजत देते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से कडी से कडी कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया। उन्होंने कहा कि अगर नाबालिग बाइक चलाने में सड़क दुर्घटना में घायल या मौत होती है तो वैसे अभिभावकों पर भी विधि सम्मत कर्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने बाइक चालकों से हमेशा हेलमेट लगाकर बाइक चलाने की अपील किया।

धार्मिक मंदिर का पुनर्स्थापन, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई लकुरा में पंचमुखी मंदिर स्थापित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनटीपीसी पकरी बरवाडीह की कोल खनन परियोजना के कारण प्रभावित गांव सिंदवारी से पंचमुखी मंदिर को स्थानांतरित कर लकुरा गांव में विधि-विधान के साथ स्थापित किया गया। यह मंदिर सिंदवारी गांव के ग्रामीणों की आस्था का केंद्र रहा है। जिसे खनन कार्य के कारण सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करना पड़ा। जानकारी के अनुसार सिंदवारी गांव पकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना के प्रभावित क्षेत्र में आता है। खनन कार्य के विस्तार के कारण गांव के कई घरों के साथ धार्मिक स्थलों को भी दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को पंचमुखी मंदिर को भी सिंदवारी से लकुरा गांव में पुनर्स्थापित किया गया। मंदिर स्थापना के अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान की प्रतिमा को नए मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। ग्रामीणों ने बताया कि पंचमुखी मंदिर सिंदवारी गांव में नियमित रूप से पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते थे। मंदिर के स्थानांतरण से ग्रामीणों में भावनात्मक जुड़ाव भी देखा गया। नई जगह पर इसके पुनर्स्थापन से लोगों को फिर से पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। ग्रामीणों ने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ लोगों की आस्था और धार्मिक स्थलों की गरिमा को बनाए रखना भी आवश्यक है। इसलिए मंदिर को पूरे सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ लकुरा गांव में स्थापित किया गया।

एक नजर

निजी अस्पतालों में परिजनों को थमाया जाता है मोटा बिल : जनार्दन

रांची : विधानसभा के बजट सत्र के दौरान चतरा के विधायक जनार्दन पासवान ने बुधवार को कहा कि राज्य के कई निजी अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने के बाद उनके परिजनों को बाहर कर दिया जाता है और बाद में परिजनों को भारी-भरकम बिल थमा दिया जाता है। यह बेहद गंभीर समस्या है। सरकार ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे मरीज के परिजनों को अस्पतालों के इस तरह की मनमानी का सामना न करना पडे। पासवान सदन में स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन विभाग के बजट पर चर्चा के दौरान सदन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीब मरीजों को दो से तीन लाख रुपये तक का बिल चुकाने में भारी परेशानी होती है। उन्होंने सरकार से मांग किया कि निजी अस्पतालों के लिए सख्त नियम बनाए जाए और मरीज के साथ कम से कम एक अटेंडेंट को अस्पताल के अंदर रहने की अनुमति दी जाए। इसके अलावे उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था और किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। पासवान ने कहा कि जिला अस्पतालों की स्थिति पर भी चिंता जताते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि कई जिला अस्पतालों में डायलिसिस मशीनें तो उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें संचालित करने के लिए ऑपरेटर और डॉक्टर नहीं हैं। मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना पर कई जगहों पर मरीजों को इलाज के लिए दो से तीन महीने तक इंतजार करना पड़ता है।

राज्य के सभी अस्पताल चकाचक, विपक्ष को आता है सिर्फ रोना : सुरेश

रांची : विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राजद विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि झारखंड में बाबूलाल मरांडी राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन उन्होंने गरीबों के लिए कोई योजना नहीं बनाई। अब सिर्फ रोना रोते हैं। लेकिन आज राज्यभर के सभी अस्पताल चकाचक हैं। मरीजों को कई तरह की मूलभूत सुविधाएं मिल रही है। एक आदिवासी मुख्यमंत्री और अल्पसंख्यक मंत्री स्वास्थ्य सुविधाओं को दुरूस्त करने में जुटे हैं तो विपक्ष सवाल उठा रहा है। पासवान सदन में बुधवार को स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति और आपदा प्रबंधन विभाग के बजट पर चर्चा के दौरान सदन में कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले अस्पतालों में एक्स-रे मशीनें तक नहीं थी। आज पूरे राज्य में अस्पताल साफ सुथरे हालत में हैं, लेकिन दोषारोपण करने और रोने-गाने से कुछ नहीं मिलने वाला है। पासवान ने कहा कि विपक्ष हमेशा विरोध में ही बोलता है। उनका आरोप था कि पूर्व की सरकार ने सिर्फ पूंजीपतियों के लिए योजनाएं बनाई। उनका काम सिर्फ नाम मात्र का होता था। भाजपा शासनकाल में डोभा का निर्माण कराया गया, जिसमें 112 लोग गिरकर मर गए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे कहीं भी इलाज नहीं हो रहा है। उन्होंने देवघर में डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम पर मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग की।

मारवाड़ी युवा मंच का निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर 15 को

रांची : समर्पण शाखा 15 मार्च को कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन करेगी। यह शिविर श्री भगवान महावीर दिव्यांवग सहायता समिति के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन रिम्स, पल्स डाइग्नॉस्टिक सेंटर के पास तेतरटोली बरियातु रोड रांची में सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में कटे हाथ पैर, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र, बैशाखी माप के अनुरूप जांच के बाद दिए जाएंगे। शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, कृत्रिम अंग पूरी तरह नि:शुल्क लगाए जाएंगे।

एलपीजी पर देश को गुमराह कर रही है मोदी सरकार : सुप्रियो भट्टाचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर भारत में भी दिखने लगा है, खास तौर पर एलपीजी को लेकर लोगों के मन में कई सवाल हैं। वहीं अब इस मामले को लेकर देश में विपक्षी दलों ने भी केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी ने एलपीजी का विकल्प बताया था और आज भारत की जनता को उसी टेक्नोलॉजी की जरूरत है, जिसमे गंदी नाली के बगल में किचन बनाएं और एलपीजी के विकल्प के रूप में लिक्विड नाली गैस एलएनजी अपनाएं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश बहुत गंभीर स्थिति से गुजर रहा है और ऊर्जा का संकट भयावह रूप ले रहा है। संसद का सत्र चल रहा है लेकिन भारत सरकार के मंत्री संसद के माध्यम से देश को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सुबह में बोलते हैं एलपीजी की कोई कमी नही है, लेकिन शाम में दाम बढ़ जाता है। वहीं उन्होंने केंद्रीय पट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर तंज कसते हुए कहा कि कुख्यात एपस्टिन के जानकर हरदीप सिंह पुरी का बयान आता है, कि किसी भी तरह के ऊर्जा का संकट नही है लेकिन एलपीजी को गाइडलाइन जारी किया जाता है की डोमेस्टिक सिलेंडर 25 दिनों के अंतराल में बुक की जा सकती है। रमजान का महीना और शादी विवाह का समय चल रहा है ऐसे समय में ये संकट उभर कर आया है, जिसका मुख्य कारण है कि पीएम ने विदेश नीति को व्यक्तिगत नीति बनाया है। इसी के कारण संकट उत्पन्न हुआ है, अमेरिका के सामने घुटने टेक कर पारंपरिक मित्र देश रूस के साथ संबंध खराब कर लेना। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की सुनी लेकिन हमारा पारंपरिक रिश्ता ईरान के साथ रहा है। आज ईरान भी हमें मदद करने को तैयार नही है, महानगरों में खाद्य पदार्थ मिलना मुश्किल हो गया है। रांची में 25% मेस बंद हो गए हैं चौक - चौराहों पर खाने- पीने की दुकान लगाना बंद हो गया है। वहीं आगे सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इस संकट के लिए देश तैयार नही था लेकिन देश की बड़बोली सरकार सबकी निवाला छीन रही है। कोरोना को हमने ताली और थाली बजा के भगाया था उसी तरह लिक्विड नाली गैस एलएनजी का वितरण मोदी जी और हरदीप पुरी करें। देश के लोग आपके आतंक को सह नही सकते। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इस संकट से निजात पा सकता है इस सवाल पर उन्होंने कहा कि एलपीजी, सीएनजी और पेट्रोलियम राज्य सरकार के हाथ मंक नही है, यह महासंकट केंद्र सरकार के कारण है।

विभाग के समय पर जवाब न देने पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विभागों की ओर से समय पर जवाब उपलब्ध नहीं कराए जाने का मामला सदन में उठा। इस पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रवीन्द्र नाथ महतो ने नाराजगी जताते हुए इसे गंभीर विषय बताया। अध्यक्ष ने कहा कि कई बार विभागों की ओर से समय पर सभा सचिवालय को सदस्यों के सवालों का जवाब नहीं भेजा जाता, जिसके कारण सदन में जवाब उपलब्ध नहीं हो पाता। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर को निर्देश देते हुए कहा कि इस त्रुटि को जल्द से जल्द दूर किया जाए, ताकि सदस्यों को समय पर उनके सवालों के जवाब मिल सके। दरअसल, सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक प्रदीप यादव सहित कई विधायकों ने इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि कई सवालों के जवाब समय पर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इससे सदन की कार्यवाही प्रभावित हो रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष ने सरकार से इस व्यवस्था में सुधार करने और विभागों को समय पर जवाब भेजने के निर्देश दिए।

ईडी बनाम रांची पुलिस : उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच का दिया आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो अधिकारियों की ओर से दायर याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय ने बुधवार को फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एसके द्विवेदी की अदालत ने मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया है। अदालत ने सीबीआई में प्राथमिकी दर्ज कर और उसका अनुसंधान करने का भी निर्देश दिया है। मामले में अदालत ने 24 फरवरी को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। ईडी की ओर से एसजीआई एसवी राजू, अधिवक्ता एके दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा था। वहीं राज्य सरकार की ओर से उच्चतम न्यायालय के वरीय अधिवक्ता एस नागामुथु, महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता दीपांकर ने दलील पेश की थी। सूचक की ओर से अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा था। यह मामला एयरपोर्ट थाना कांड संख्या 05/2026 से संबंधित है, जिसमें संतोष कुमार ने ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। ईडी ने अदालत में याचिका दायर कर प्राथमिकी को रद्द करने और मामले की सीबीआई जांच कराने का आग्रह किया था। साथ ही शिकायतकर्ता संतोष कुमार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी। उल्लेखनीय है कि संतोष कुमार पर लगभग 23 करोड़ रुपये के सरकारी धन के गबन का आरोप है, जो कथित पेयजल घोटाले से जुड़ा है। ईडी ने इस मामले में उनके खिलाफ इसीआईआर दर्ज किया है। ईडी के अनुसार, संतोष कुमार 12 जनवरी 2026 को खुद ईडी कार्यालय पहुंचे थे। पूछताछ के दौरान वे अचानक उत्तेजित हो गए और खुद ही जग उठाकर अपने सिर पर मार लिया, जिससे उन्हें मामूली चोट आई। इसके बाद संतोष कुमार ने ईडी अधिकारियों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए एयरपोर्ट थाना में मामला दर्ज कराया। मामले को लेकर रांची पुलिस ईडी कार्यालय भी जांच करने गई थी और ईडी अधिकारियो से पूछताछ भी की थी।

झारखंड विस में जयराम महतो ने उठाया डॉक्टरों की कमी और महंगे इलाज का मुद्दा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 11 वें दिन बुधवार को डुमरी विधायक जयराम महतो ने डॉक्टरों की कमी और महंगे इलाज का मुद्दा उठाया। विधायक ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवार कल्याण और खाद्य सार्वजनिक वितरण विभागों के अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति अभी भी चिंताजनक है और इसे सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। सदन में बोलते हुए जयराम महतो ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 47 का हवाला देते हुए राज्य में एनुअल हेल्थ चेकअप एक्ट लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जांच आज इतनी महंगी हो गई है कि मध्यम और गरीब वर्ग के लोग नियमित जांच नही करा पाते। कई युवाओं को बीमारी का पता तब चलता है, जब हालत गंभीर हो जाती है। समय पर जांच की व्यवस्था होने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। विधायक ने राज्य में डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार, एक हजार लोगों पर एक डॉक्टर होना चाहिए, लेकिन झारखंड में लगभग 3500 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की स्थिति और भी खराब है। उन्होंने बताया कि राज्य में नर्सों के 5872 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से करीब 3333 पद अभी भी खाली हैं। इसके अलावा आबादी के हिसाब से 6500 उप स्वास्थ्य केंद्र होने चाहिए, लेकिन करीब 3900 ही संचालित हो रहे हैं। जयराम महतो ने कहा कि राज्य का स्वास्थ्य बजट करीब 8000 करोड़ रुपये है, जबकि निजी स्वास्थ्य सेवाओं का बाजार लगभग 12000 करोड़ रुपये का हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था मजबूत नहीं होने के कारण आम लोगों को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराने को मजबूर होना पड़ता है। कई परिवारों को इलाज के लिए अपनी जमीन और गहने तक बेचने पड़ते हैं। झारखंड में सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं और उसमें होने वाली मौतों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश में जहां 100 सड़क दुर्घटनाओं में औसतन 33 लोगों की मौत होती है, वहीं झारखंड में यह आंकड़ा करीब 72 तक पहुंच जाता है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में लगभग 19 हजार युवाओं की सड़क दुर्घटनाओं में जान गई है।

रांची सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी के बाद अलर्ट, सिटी एसपी ने लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राजधानी रांची के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की खबर के बाद राज्य भर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी के मद्देनजर जमशेदपुर में भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। बुधवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जमशेदपुर सिविल कोर्ट परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान डीएसपी मनोज ठाकुर, भोला प्रसाद,सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा समेत अन्य पुलिस अधिकारी और जवान भी मौजूद थे। पुलिस टीम ने कोर्ट परिसर के गेट संख्या-1 से लेकर गेट संख्या-3 तक सभी प्रवेश और निकास द्वारों की जांच की और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों की जांच प्रक्रिया सही तरीके से हो रही है या नहीं। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें सतर्क रहने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि कोर्ट परिसर जैसे संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को निर्देश दिया कि परिसर में आने वाले हर व्यक्ति की जांच की जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु दिखने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी जाए। पुलिस टीम ने कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। साथ ही मेटल डिटेक्टर और बैग जांच की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया।

आदिवासी जमीन बचाने के लिए यदि असमाजिक तत्व भी बनना पडे तो हूं तैयार : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा बजट सत्र के दौरान बुधवार को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने सत्ता पक्ष की ओर से स्वास्थ्य विभाग, खाद्ध, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग और गृह विभाग के कटौती प्रस्ताव के पक्ष में चर्चा के दौरान अपनी बातें रखी। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि रिम्स-टू हॉस्पीटल को सरकार की ओर से नगड़ी की जिस प्रस्तावित जमीन पर बनाया जाना है। वह खेती करने योग्य आदिवासियों की जमीन है। इसे बचाने के लिए यदि उन्हें असामाजिक तत्व भी बनना पड़े तो वे बनने को तैयार हैं। इससे पहले हेमलाल मुर्मू ने सदन में कहा कि सरकार राज्यहित में लगातार बेहतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में नगडी में रिम्स-टू बनाने जा रहा है। लेकिन वहां कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से विरोध के कारण कार्य धीमा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वे हमेशा राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल करने के पक्ष में हैं। लेकिन सरकार को चाहिए की वे रिम्सझ्रटू को नगडी में आदिवासियों की जमीन से दूर खाली पडी बंजर भूमि पर बनाएं। उन्होंने कहा कि रिम्स-टू को नगडी से 10 किलोमीटर की दूरी में भी बनाया जा सकता है। वहीं बजट पर बाबूलाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि वित्तमंत्री और वित्त विभाग के बीच समन्वय का अभाव है और इस वर्ष का बजट पिछले बजट की कॉपी-पेस्ट जैसा है। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण एक पिता को अपने बच्चे के शव को डिब्बे में लेकर जाना पड़ा, जो बेहद शर्मनाक है। इसकी तस्वीर अखबारों की पन्नों की सुर्खियां बन चुकी हैं। इसपर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि अखबारों में छपवाने का यह काम विपक्ष का ही है। बाबूलाल ने कहा कि यही हाल चाईबासा में थैलिसिमिया पीडित बच्चों के साथ हुआ जब उन्हें एचआईवी ग्रसित संक्रमित रक्त चढा दिया गया। बाबूलाल ने कहा कि किसी भी बल्ड को जांच करने के बाद चढाया जाता है लेकिन यहां हुई लापरवाही कई सवाल खडे करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 11 हजार से अधिक थैलेसिमिया के मरीज हैं जो चिंता का विषय है। इसपर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने 28 अप्रैल 2023 को शुरू की गई एयर एंबुलेंस सेवा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार बताए कि इससे अब तक कितने लोगों को लाभ मिला है। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में भारी कमी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार झारखंड में 67.5 प्रतिशत बच्चे और 65.3 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं, जबकि डॉक्टरों के 45 प्रतिशत और ए-ग्रेड नर्सों के 38.9 प्रतिशत पद रिक्त हैं। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना, दवा खरीद और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई निजी अस्पतालों में लोगों को इलाज के अभाव में दर-दर भटकते देखा जा सकता है। मरांडी ने खाद्ध आपूर्ति विभाग पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के कारण कम से राज्य में लोगों को पांच किलो अनाज मिल रहा है। उन्होंने राज्य में दाल नमक आठ-आठ माह से नहीं मिलने पर चिंता प्रकट की।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में गिरा तापमान, 17 तक बारिश की संभावना

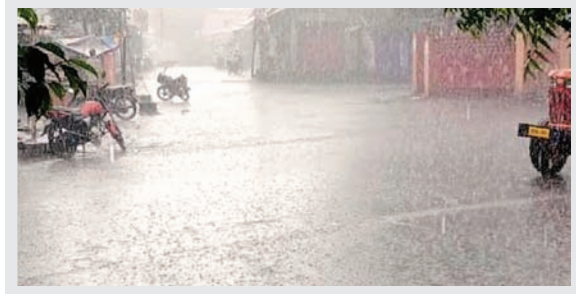

रांची : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मंगलवार को हुई बारिश के कारण अधिकतम तापमान में 02 से 04 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। राज्य भर में 17 मार्च तक विभिन्न जिलों में गर्जन, वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है। इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार 12 मार्च को राज्य के उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। 13 और 14 मार्च को मौसम साफ रहेगा, जबकि 15 मार्च को राज्य की उत्तर पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात हो सकती है। वही 16 मार्च को राज्य के कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसके अलावा 17 मार्च को राज्य के उत्तर पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष भागों में गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डालटेनगंज में 34.4 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 17.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह में मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। साथ ही मध्यम दर्जे की हवा भी चली। वहीं, बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री और न्यूनतम 19.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार जमशेदपुर में अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 22 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 32.1 डिग्री और न्यूनतम 21.5 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल, ग्रामीणों को घरेलू सुरक्षा की दी गई जानकारी

रांची : उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से आसपास के गांवों के जनप्रतिनिधियों, मुखिया एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए घरेलू सुरक्षा (होम सेफ्टी) विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को दैनिक जीवन में होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन उषा मार्टिन के सेफ्टी डिपार्टमेंट के हेड अरमान सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को किचन सुरक्षा, ऊंचाई पर काम करते समय सावधानी, सड़क सुरक्षा तथा बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि घर में बच्चों को इन खतरनाक जगहों और उपकरणों से कैसे दूर रखा जाए तथा संभावित दुर्घटनाओं से किस प्रकार बचाव किया जा सकता है। इस प्रशिक्षण में चतरा के प्रखंड प्रमुख क्रिस्टो कुजूर, टाटी के पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी शैलेश मिश्रा, टाटी की पूर्व उपप्रमुख माधुरी देवी, जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, लुपुंग की मुखिया शांति देवी, सलहन पंचायत की मुखिया सरिता तिर्की तथा टाटी के उपमुखिया अजय सिंह सहित स्वयं सहायता समूह की कई महिलाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से बरुण कुमार, मोनित भूटकुमार और मेवालाल महतो ने सहयोग किया। प्रशिक्षण में शामिल लोगों ने इसे उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से गांवों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।

रामनवमी में डीजे प्रतिबंध पर सदन में जोरदार हंगामा, भाजपा विधायक तख्तियां लेकर वेल में उतरे

रांची : झारखंड विधानसभा बजट सत्र के 11 वें दिन बुधवार को भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने हजारीबाग में रामनवमी पर डीजे बजाने पर लगाए गए प्रतिबंध का मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने सरकार पर सवाल खड़े किए। नवीन जायसवाल के समर्थन में भाजपा के कई विधायक अपनी-अपनी सीट से खड़े हो गए और विरोध जताने लगे। इस दौरान कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप शोर-शराबे के बीच सदन के वेल में पहुंच गए। भाजपा विधायक के हाथों में तख्तियां थीं, जिस पर लिखा था कि कोयला, बालू और जमीन की लूट नहीं चलेगी। हंगामे के बीच मार्शलों ने विधायकों के हाथों से तख्तियां ले लीं। इस बीच विधायक प्रदीप यादव ने अपनी बात पूरी नहीं होने पर नाराजगी जताई। इसके बाद एक बार फिर भाजपा विधायक वेल में पहुंच गए और काफी देर तक नारेबाजी करते रहे। बाद में संसदीय कार्य मंत्री के हस्तक्षेप के बाद विधायक वेल से वापस अपनी सीटों पर लौटे। सदन में स्थिति सामान्य होने पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रवीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि पहली बार बिना व्यवधान के सदन की कार्यवाही चली है और सभी सदस्यों से अपील की कि वे विधानसभा की कार्यवाही को बाधित न करें। वहीं डीजे बजाने के मुद्दे पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि डीजे बजाने के मामले का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि रात 10 बजे के बाद किसी भी स्थिति में डीजे नहीं बजाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश में हिंदू नहीं, बल्कि हिंदुस्तानी खतरे में नहीं हैं। विधायक हेमलाल मुर्मू ने अबुआ आवास योजना पर सवाल उठाया सदन में लिट्टीपाड़ा के विधायक हेमलाल मुर्मू ने राज्य की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने योजना के तहत लाभुकों को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया और सरकार की तैयारी के बारे में जानकारी मांगी। इस पर जवाब देते हुए मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में गरीबों को आवास उपलब्ध कराना शामिल है। उन्होंने बताया कि बजट में आवास के लिए करीब 4400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि से जहां 6 लाख आवासों को पूरा किया जाएगा। वहीं नए आवास भी स्वीकृत किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार से कई बार बातचीत और पत्राचार किया गया। लेकिन केंद्र की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसके बावजूद झारखंड सरकार अबुआ आवास योजना के माध्यम से बेघर लोगों को घर उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास कर रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने 5 साल के कार्यकाल में, जिन लोगों को आवास की जरूरत है, उन्हें आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सही लाभुकों की पहचान के लिए सर्वेक्षण कराया जा रहा है। अब तक करीब डेढ़ लाख लोगों की जांच की जा चुकी है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही योजना का लाभ मिल सके।

आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो में स्वास्थ्य, पोषण, कृषि एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो के विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने हेतु विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं का विस्तृत निरीक्षण राहुल यादव, निदेशक, मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा रवि पांडे, डिप्टी सेक्रेटरी, मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस द्वारा किया गया। इस दौरान आकांक्षी प्रखंड के अंतर्गत संचालित विभिन्न इंडिकेटर्स जैसे स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सामाजिक विकास, वित्तीय समावेशन तथा कृषि एवं पशुपालन से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। दूसरे दिन भी दोनों अधिकारी आकांक्षी प्रखंड मरकच्चो पहुंचे और स्वास्थ्य एवं पोषण, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों, ग्रामीण आवास, पेयजल तथा आधारभूत संरचना से संबंधित योजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस क्रम में नवाडीह पंचायत के दरदाही स्थित सक्षम मॉडल आंगनबाड़ी सह प्री-नर्सरी स्कूल का निरीक्षण किया गया। यहां महिलाओं एवं बच्चों को दिए जा रहे पूरक पोषण आहार, बच्चों के मापन की दक्षता तथा "पोषण भी, पढ़ाई भी" अभियान के तहत संचालित प्रोजेक्ट किलकारी की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यशील शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का भी अवलोकन किया गया। इसके उपरांत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, योगीडीह का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को दी जा रही शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। विद्यालय परिसर में विकसित पोषक वाटिका को देखकर अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा वहां पौधारोपण भी किया। कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के अंतर्गत मरकच्चो महिला किसान उत्पादक संगठन के कार्यों का अवलोकन किया गया। इस दौरान प्रखंड में स्वीकृत एफपीओ के विरुद्ध गठित संगठनों की स्थिति, "वन ब्लॉक वन प्रोडक्ट" के तहत मिलेट की खेती तथा उससे जुड़े बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकज की जानकारी ली गई। ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत तेलोडीह पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान लाभुकों से संवाद कर आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन , जल जीवन मिशन तथा मनरेगा के माध्यम से किए जा रहे अभिसरण कार्यों की जानकारी ली गई। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर कार्यशील नल जल कनेक्शन की स्थिति का भी अवलोकन किया गया। साथ ही खँ१ खअछ अस्त्रस्त्र के माध्यम से निगरानी एवं मूल्यांकन तथा पानी समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त तेलोडीह बहुग्रामीण जलापूर्ति योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा इस योजना से लाभान्वित होने वाले गांवों के बारे में भी जानकारी ली गई। इसी क्रम में विश्व प्लंबर दिवस के अवसर पर प्लंबरों को प्रशस्ति पत्र एवं किट प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

एक नजर

जमीन सौदे में धोखाधड़ी का आरोप, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी की दी गई आवेदन

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र में जमीन सौदे के नाम पर धोखाधड़ी और पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने बुधवार को 4 बजे आया है। इस संबंध में भादोडीह वार्ड संख्या 17 निवासी अलाउद्दीन वारसी ने तिलैया थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, पीड़ित की पैतृक जमीन तिलैया के चेच क्षेत्र में स्थित है। आरोप है कि मोहल्ले के ही रहने वाले सुनुवर वारसी ने बहला-फुसलाकर 19 फरवरी को कोडरमा न्यायालय के माध्यम से 10 डिसमिल जमीन का इकरारनामा कराया। जमीन की कीमत 1 करोड़ 15 लाख रुपये तय हुई थी, जिसमें एडवांस के तौर पर केवल 1 लाख रुपये दिए गए। पीड़ित का आरोप है कि पूरी राशि दिए बिना ही आरोपी ने जमीन पर बाउंड्री कर कब्जा करने की कोशिश की।

भेलवाटांड़ में फाइलेरिया के 56 मरीज, क्षेत्र संवेदनशील घोषित

कोडरमा : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत भेलवाटांड़ गांव में फाइलेरिया के 56 मरीज मिलने के बाद क्षेत्र को संवेदनशील घोषित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में लगातार सर्वे कर रही है और घर-घर जाकर दवा का वितरण किया जा रहा है। जानकारी अनुसार अब तक फाइलेरिया के करीब 954 मरीज चिन्हित किए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से दवा लेने और समय-समय पर जांच कराने की अपील की है।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय राम कथा का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जय सियाराम सत्संग समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय राम कथा का शुभारंभ बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्टेशन रोड स्थित हनुमान मंदिर से हुई, जहां पंडित विकास पांडेय द्वारा कलश एवं रामायण ग्रंथ का विधिवत पूजन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं की विशाल कलश यात्रा शहर में भ्रमण के लिए निकाली गई। कलश यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर झंडा चौक होते हुए अड्डी बांग्ला तक पहुंची और पुनः व्यास पीठ स्थल पर समाप्त हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान राम और हनुमान जी के जयकारों के साथ पूरे शहर को भक्तिमय माहौल में सराबोर कर रहे थे। व्यास पीठ के समीप कलशों को स्थापित करने के बाद सामूहिक आरती की गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन कथा वाचक पंडित रामकरण सहल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कलश यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था की दृष्टि से तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार अपने दलबल के साथ शोभा यात्रा और पंडाल क्षेत्र का लगातार निरीक्षण करते रहे। साथ ही एनसीसी के विद्यार्थियों ने भी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने में सराहनीय योगदान दिया। इस अवसर पर मुख्य जजमान के रूप में अरुण मोदी और आशा बर्णवाल ने भाग लिया। शोभा यात्रा में मोहन आधारशिला स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत राम, लक्ष्मण और सीता की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

दिव्यांगता की शुरूआती पहचान व रोकथाम पर स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा में बुधवार को जन विकास समिति वाराणसी और कोडरमा फ्रांसिस्कन क्लैरिस्ट सिस्ट 'सोसाइटी , कोडरमा के द्वारा संयुक्त रूप से संचालित आई.डी.सी.वाई.डी. प्रोजेक्ट के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां के सभागार में ट्रेनिंग ऑन अर्ली आइडेंटीफिकेशन एंड प्रिवेंशन ऑफ डिसेबिलिटी फॉर सी. एच. ओ., आशा & ए. एन. एम. कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुरूआत प्रभारी चिकित्सा सुरेन्द्र राम जी, बीपीएम श्रीमान मनोज राम जी को संस्था की ओर से सिस्टर सालोमि के द्वारा फूल गुच्छ देकर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। जहां प्रशिक्षणकर्ता संस्था होली फैमिली हॉस्पिटल के नर्सिंग ट्रेनर सिस्टर सालोमी के द्वारा दिव्यांगता की शुरूआती दौर की पहचान एवं उसकी रोकथाम पर विस्तार पूर्वक उपस्थित आशा दीदी, ए.एन.एम को प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अपने पोषक क्षेत्र में पाई जाने वाली गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को होने वाले बच्चे को दिव्यांगता से किस प्रकार सुरक्षा प्रदान किया जा सके एवं जो बच्चे दिव्यांग हो गए है उनमें बचाव, सुधार व रोकथाम पर चर्चा किया गया। जहां उनके द्वारा दिव्यांगता की शुरूआती पहचान गर्भावस्था के दौरान या प्रसव पूर्व गर्भवती महिलाओं के रखरखाव एवं धात्री महिलाओं की देखभाल के बारे में विस्तार पूर्वक बताने का कार्य किया गया।

संक्षिप्त खबरें

नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश हर्षधर उपाध्यक्ष मनोहर राम व पार्षदों ने ली शपथ

कोडरमा : झुमरी तिलैया नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने बुधवार को कोडरमा प्रखंड सभागार में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें उपायुक्त ऋतुराज ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान नगर परिषद के सभी नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ली। झुमरी तिलैया के वार्ड संख्या 21 से नवनिर्वाचित पार्षद मनोहर राम उर्फ बाबू राम को नगर परिषद का निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया। वे पहली बार वार्ड पार्षद बने हैं और पहली ही बार में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। उन्हें नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने शपथ दिलाई। इस मौके पर अपर समाहर्ता पूनम कुजूर ने वार्ड पार्षद पद पर निर्वाचित सभी प्रत्याशियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों की उपस्थिति रही। शपथ लेने वाले वार्ड पार्षदों में रेणु देवी, संजय कुमार यादव, सोनू कुमार, नीलम पासवान, महेश यादव, नूरी परवीन, घनश्याम तुरी, सीमा कुमारी, नीरज कुमार, पिंकी जैन, मनप्रीत कौर, चन्दा शर्मा, उदय शंकर सिंह, राजेश कुमार, विशाल सिंह, सफिया प्रवीन, मोशमीम आलम, मधुलिका सिंह, पार्वती कुमारी, मनोज कुमार, मनोहर कुमार राम, सरिता पाण्डेय, सरिता देवी, ज्योति शुक्ला, मुकेश कुमार, मनीष चौधरी, गन्दौरी रजक और पूजा कुमारी शामिल हैं। समारोह के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र के विकास, स्वच्छता, जल निकासी, सड़क और जन सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी तथा सभी पार्षदों के सहयोग से शहर के समग्र विकास के लिए कार्य किया जाएगा।

बरनवाल वैश्य महासभा ने यूपीएससी सफलता पर श्रुति मोदी को किया सम्मानित

कोडरमा : झारखंड प्रदेश बरनवाल वैश्य महासभा महिला समिति की प्रदेश अध्यक्षा सह योगाचार्या सुषमा सुमन ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाली समाज की बेटी श्रुति मोदी से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। दिल्ली से कोडरमा पहुंचने पर श्रुति मोदी का उनके ननिहाल में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुषमा सुमन ने श्रुति मोदी को अंगवस्त्र शाल भेंट कर और आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, श्श्रुति ने न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे बरनवाल समाज और राष्ट्र का मान बढ़ाया है। हजारीबाग के चलकुशा प्रखंड के छोटे से गांव जमसोती से निकलकर यूपीएससी तक का सफर तय करना यह साबित करता है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे आर्थिक परेशानियां भी छोटी पड़ जाती हैं। श्रुति आज हमारे समाज के बेटे-बेटियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गई हैं। समाज का स्नेह पाकर गदगद हुईं श्रुति श्रुति मोदी ने महिला समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्षा सुषमा सुमन दीदी का घर आकर आशीर्वाद देना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में अपनी प्रशासनिक सेवा के दौरान वे समाज और जनहित के कार्यों में सदैव तत्पर रहेंगी। मौके पर मौजूद प्रदीप कुमार सुमन ने कहा कि ऐसी उपलब्धियों से आने वाली पीढ़ी को नई ऊर्जा और शक्ति मिलती है। इस दौरान श्रुति के माता-पिता सीताराम मोदी एवं सुषमा मोदी के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में श्रुति के नाना गोपी कृष्ण मोदी, नानी गीता देवी समेत परिवार के सदस्य फूल कुमारी, शिवानी कृष्णा, जितेंद्र कृष्णा व अन्य उपस्थित थे।

भाजपा रामगढ़ जिला इकाई की संगठनात्मक बैठक, मंडल कार्यसमिति गठन पर चर्चा

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी की रामगढ़ जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक बुधवार को हाथीमारा स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने और मंडल स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को पूर्ण करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सुबह 11:30 बजे शुरू हुई इस बैठक में जिले के सभी नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मंडल स्तर पर कार्यसमिति का गठन और संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाना था। इसी क्रम में सभी मंडल अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की नवगठित कार्यसमिति की सूची जिला अध्यक्ष को सौंप दी।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। मंडल अध्यक्षों द्वारा सौंपी गई कार्यसमिति की सूची उन कार्यकताओं का प्रतिनिधित्व करती है, जो पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और पार्टी की नीतियों को पहुंचाना है।

अवैध बालू ढुलाई पर प्रशासन की सख्ती, बिना चालान 100 सीएफटी बालू ले जा रहा ट्रैक्टर जब्त

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में अवैध खनन और बालू के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार सुबह औचक जांच के दौरान बिना वैध चालान के बालू ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इस मामले में वाहन मालिक, चालक और अन्य संलिप्त लोगों के खिलाफ रामगढ़ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित अधिकारियों को नियमित जांच और कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में 11 मार्च 2026 की सुबह करीब 5:30 बजे खान निरीक्षक ने औचक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान थाना चौक के पास मुख्य मार्ग पर नईसराय की ओर से आ रहा एक ट्रैक्टर संदिग्ध अवस्था में पाया गया। ट्रैक्टर (महिंद्रा इ275 उ्क्र) के डाला में करीब 100 सीएफटी बालू लदा हुआ था। जांच के दौरान चालक से बालू के परिवहन से संबंधित वैध चालान और अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

मतकमा चौक भदानीनगर में 'गरीब समाज सेवा' का नया कार्यालय शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भदानीनगर क्षेत्र के मतकमा चौक के समीप सामाजिक संगठन 'गरीब समाज सेवा' के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष मनोज कुमार राम ने फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और संगठन के सदस्य मौजूद रहे। उद्घाटन के दौरान मनोज कुमार राम ने कहा कि लंबे समय से संगठन के स्थायी कार्यालय की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। कई बैठकों और चचाओं के बाद आखिरकार मतकमा चौक स्थित स्थान पर ह्यगरीब समाज सेवाह्ल का कार्यालय शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले भी इसी स्थान से सामाजिक गतिविधियां संचालित की जाती थीं, लेकिन अब इसे औपचारिक रूप से संगठन के कार्यालय के रूप में शुरू किया गया है। मनोज कुमार राम ने कहा कि इस कार्यालय के खुलने से क्षेत्र के गरीब, जरूरतमंद और वंचित लोगों को अपनी समस्याएं रखने के लिए एक निश्चित जगह मिल सकेगी। यहां आने वाले लोग अपनी परेशानी खुलकर रख सकेंगे और संगठन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना और उन्हें उचित मार्गदर्शन देना है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संगठन की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि यह कार्यालय क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए मदद का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कार्यों को मजबूती देने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। इस मौके पर दिनकर कुमार सिंह, विनोद साव, सुभाष करमाली, ननका महतो, पप्पु सिंह,रेणुका दास, सुधा तिवारी, निरंजनी देवी, श्रावणी विश्वास, पिंकी सागर, सबिता देवी, सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई।

कोठार में 8 घंटे के भीतर दो सड़क हादसे

ट्रेलर पलटने से चालक की मौत, सुबह उसी जगह दूध से लदी वैन भी पलटी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले के कोठार के पास सड़क के एक ही हिस्से में महज आठ घंटे के भीतर दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं होने से इलाके में दहशत और चिंता का माहौल बन गया। पहली घटना देर रात हुई, जिसमें एक ट्रेलर के पलट जाने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बुधवार तड़के करीब चार बजे उसी स्थान पर दूध से भरी एक वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दूसरी दुर्घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन बड़ी मात्रा में दूध सड़क पर फैल जाने से भारी नुकसान हुआ। मिली जानकारी के अनुसार बोकारो से रामगढ़ की ओर आ रहा एक ट्रेलर देर रात कोठार के पास अचानक चालक का नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि ट्रेलर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बैजू कुमार (लगभग 27 वर्ष), पिता शिवालक यादव, निवासी ग्राम नरारी, थाना थरथरी नरारी, जिला नालंदा के रूप में हुई है। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। इस दर्दनाक घटना के कुछ ही घंटे बाद बुधवार सुबह लगभग चार बजे उसी स्थान पर एक और सड़क दुर्घटना हो गई। बोकारो से रामगढ़ की ओर आ रही दूध से भरी एक मिल्क वैन (संख्या JH24D-6205) अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गई। वैन पलटते ही उसमें लदा दूध सड़क पर फैल गया, जिससे बड़ी मात्रा में दूध बर्बाद हो गया। हालांकि इस दुर्घटना में चालक सहित अन्य लोगों को कोई गंभीर चोट नहीं आई।

10 वर्षीय छात्र विकास कुमार ने कराटे में जीते कई पदक, स्कूल में मेडल-ट्रॉफी किया गया देकर सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भुरकुंडा स्थित राजकीय मध्य विद्यालय बाजार टांड़ के कक्षा 6 के छात्र विकास कुमार को कराटे में शानदार उपलब्धियों के लिए विद्यालय में सम्मानित किया गया। महज 10 वर्ष की उम्र में राज्य और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन करने पर विद्यालय के प्राचार्य संजय शर्मा ने विकास कुमार को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य संजय शर्मा ने कहा कि विकास कुमार पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उसकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि विकास ने वर्ष 2024 में रांची के खेल गांव में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में काता और फाइट दोनों स्पधाओं में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। इसके बाद भी उसने कई प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन जारी रखा। संजय शर्मा ने बताया कि 19 दिसंबर 2025 को टंडवा में आयोजित ब्लैक बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में विकास कुमार को सर्वश्रेष्ठ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं 14 दिसंबर 2025 को आयोजित जिला कराटे चैंपियनशिप में उसने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

विधायक ने हाई स्कूलों को प्लस टू में उत्क्रमित करने की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : झारखंड विधानसभा के चालू सत्र में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी ने अपने क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को लेकर अहम मुद्दा उठाया। उन्होंने पतरातू और केरेडारी प्रखंड के कई हाई स्कूलों को अब तक प्लस टू (10+2) में उत्क्रमित नहीं किए जाने पर चिंता जताते हुए सरकार से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। सदन में बोलते हुए रोशन लाल चौधरी ने कहा कि पतरातू प्रखंड के भुरकुंडा हाई स्कूल, पीएमश्री स्कूल पाली, एस.एन. हाई स्कूल बरकाकाना, यूएचएस बलकुदरा, यूएचएस डाडीडीह और यूएचएस बिचा समेत कई प्रमुख विद्यालय केवल दसवीं कक्षा तक ही संचालित हो रहे हैं। इसी प्रकार केरेडारी प्रखंड का यूएचएस बुंडू भी अभी तक हाई स्कूल स्तर तक ही सीमित है। इन विद्यालयों के आसपास 10 से 15 किलोमीटर के दायरे में कोई भी प्लस टू विद्यालय उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मैट्रिक के बाद आगे की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों या कस्बों में जाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण परिवारों के लिए यह स्थिति काफी कठिन साबित होती है। कई परिवार बच्चों को दूर भेजने में असमर्थ रहते हैं, जिसके कारण कई छात्र-छात्राओं की पढ़ाई दसवीं के बाद ही रुक जाती है। विधायक ने विशेष रूप से छात्राओं की शिक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि परिवहन की कमी, लंबी दूरी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बड़ी संख्या में छात्राएं मैट्रिक के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। इससे क्षेत्र में शिक्षा का स्तर प्रभावित होता है और कई प्रतिभाशाली छात्राएं आगे बढ़ने का अवसर खो देती हैं। रोशन लाल चौधरी ने सरकार से मांग की कि क्षेत्र के इन हाई स्कूलों को जल्द से जल्द प्लस टू विद्यालय में उत्क्रमित किया जाए। उनका कहना था कि यदि इन स्कूलों को 10+2 का दर्जा मिल जाता है तो स्थानीय छात्रों को अपने ही क्षेत्र में उच्च माध्यमिक शिक्षा की सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों के उच्चीकरण से न केवल ड्रॉपआउट की समस्या कम होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर भी बेहतर होगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

एक नजर

संदिग्ध हालत में युवक की हत्या, अधजला शव हुआ बरामद

जलडेगा : थाना क्षेत्र के मामाभगिना के टिकरा पथ पर एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां अज्ञात लोगों ने एक युवक की हत्या कर उसके शव को जला दिया, घटना कल रात की बताई जा रही है, घटनास्थल से युवक का हेडफोन, चश्मा, माचिस, चप्पल और बोतल का ढक्कन आदि बरामद किया गया है, वहीं आसपास पड़े पत्थरों पर खून के धब्बे भी पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है, कि पहले युवक की बेरहमी से हत्या की गई और बाद में सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया गया, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बुधवार को मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है, आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल से मिले सामान के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है, फि लहाल शव की पहचान नहीं हो पाया है, इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों से काम कराने के आरोप, जांच की मांग तेज

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में इंसानियत को झकझोर देने वाली एक गंभीर बात सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कुछ लाइन होटलों और आसपास के स्थानों पर मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को अपने पास रखकर उनसे दिनभर काम करवाए जाने की बात कही जा रही है। आरोप है कि ऐसे लोगों से बर्तन साफ कराने, सफाई करवाने और अन्य छोटे-मोटे काम लिए जाते हैं, लेकिन बदले में उन्हें न तो उचित भोजन दिया जाता है और न ही रहने की समुचित व्यवस्था की जाती है।बताया जा रहा है कि कई बार इन मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार भी किया जाता है। एक सज्जन व्यक्ति द्वारा भेजी गई कुछ तस्वीरों के आधार पर इस तरह की स्थिति की जानकारी सामने आई है। तस्वीरों को देखने के बाद स्थानीय लोगों में चिंता और नाराजगी दोनों देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि इन मामलों की गंभीरता से जांच की जाए तो कई और चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार चौपारण क्षेत्र के कई लाइन होटलों के आसपास ऐसे मानसिक रूप से अस्वस्थ या बेसहारा लोग दिखाई देते हैं, जिनसे दिनभर काम कराया जाता है। लेकिन उन्हें बदले में सम्मानजनक व्यवहार तक नहीं मिलता। यह स्थिति मानवता के लिए बेहद शर्मनाक मानी जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति समाज की जिम्मेदारी होते हैं और उनके साथ सहानुभूति तथा मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए। उनसे जबरन काम लेना या उनके साथ मारपीट करना कानूनन भी गलत है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

महिला दिवस पर कांग्रेस महिला जिलाध्यक्ष ने सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

परिवार और काम की दोहरी जिम्मेदारी निभा रहीं महिला सफाई कर्मी प्रेरणादायक : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कांग्रेस महिला कमेटी द्वारा मोर्चा की जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा की अध्यक्षता में नगर परिषद की महिला सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम महिला कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं प्रदेश अध्यक्ष रामा खलखो के निर्देश पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला सफाई कर्मियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके कार्यों के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर महिला कर्मियों के लिए नाश्ते की भी विशेष व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोसिमा खाखा ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रतिदिन सुबह से ही वे अपने कार्य में जुट जाते हैं और शहर को स्वच्छ रखने के लिए लगातार मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से महिला सफाई कर्मी परिवार और काम की दोहरी जिम्मेदारी निभाते हुए समाज के लिए प्रेरणा का काम कर रही हैं। ऐसे कर्मियों को सम्मानित कर समाज उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि महिला दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, यह दिन महिलाओं के योगदान को सम्मान देने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर भी है। जोसिमा ने सभी महिला सफाई कर्मियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान नगर परिषद के अन्य कर्मचारियों को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद की सिटी मैनेजर आर्पण इंदवार, डेयूएनएलएम की मिशन प्रबंधक सुनीता कुमारी आदि उपस्थित थे। मौके पर जिप सदस्य प्रेमा बाड़ा, जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह, जिला विधायक प्रतिनिधि एजाज अहमद, कांग्रेस प्रवक्ता रणधीर रंजन, नगर अध्यक्ष अक्षण खान, प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, समीर किंडो, रीता कीड़ो, विनीता स्वर्णलता आइंद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नन्ही परी फाउंडेशन की पहल, महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का किया गया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : बीरू निवासी प्रेम कुमार बीरू आंबा टोली के किशरियो व महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए उनके बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया। प्रेम कुमार कपिल शर्मा सर के फैन है उनसे प्रेरणा ले लोगों में खुशियां लाने की कोशिश करते है। उनोने बताया कि अक्षय कुमार की पेडमैन फिल्म देखकर महिलाओं को पैड देने की प्रेरणा मिली और आज तक हजारों लोगों तक पेड़ पहुंचा चुका है। कार्यक्रम में प्रेम ने बताया कि नन्ही परी फाउंडेशन हमेशा गरीब जरूरत मंद लोगो कि मदद करती है और ग्रामीण क्षेत्रों में पैड के प्रति जागरूकता लाना जरूरी है जानकारी के अभाव में लोग गंदे कपड़े का प्रयोग करती है जिससे बीमारी का खतरा होता है। गांव की महीला पेड पाकर काफी खुश हुए और और प्रेम को धन्यवाद कहा।

बाल श्रम मुक्त बनाने को प्रशासन सक्रिय शहर में चलाया गया विशेष अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले में बाल एवं किशोर श्रम पर रोक लगाने के उद्देश्य से बुधवार को सिमडेगा शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। यह अभियान झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, श्रम अधीक्षक कार्यालय और बाल कल्याण समिति की संयुक्त टीम द्वारा संचालित किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने शहर के कई दुकानों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर बाल श्रम की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही प्रतिष्ठान संचालकों को बाल श्रम निषेध से जुड़े कानूनों की जानकारी देते हुए उन्हें इसके प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य कराना कानूनन अपराध है और ऐसा पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान टीम को किसी भी प्रतिष्ठान में बाल श्रम करते हुए बच्चे नहीं मिले, जिसे अधिकारियों ने संतोषजनक स्थिति बताया। हालांकि टीम ने संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि बाल श्रम की शिकायत मिलती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम ने कहा कि बच्चों का स्थान विद्यालय में है, न कि कार्यस्थल पर। बाल श्रम समाज के विकास में बाधा है,इसलिए इसे समाप्त करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी बाल श्रम की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें,ताकि बच्चों को सुरक्षित भविष्य और शिक्षा से जोड़ा जा सके। चीफ एलएडीसीएस सुकोमल के नेतृत्व में चले निरीक्षण अभियान में श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति के अधिकारी तथा पारा लीगल वोलेंटियर सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

वाटर प्यूरीफायर लगने से बिरहोर टोला के ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के बिरहोर समुदाय बहुल क्षेत्र जमुनियातरी स्थित बिरहोर टोला में शुद्ध पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। प्रशासन की ओर से यहां वाटर प्यूरीफायर स्थापित कराया गया है, जिससे अब स्थानीय ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, पूर्व में क्षेत्र भ्रमण के दौरान उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के संज्ञान में बिरहोर टोला के ग्रामीणों की विभिन्न मूलभूत समस्याएं आई थीं। इस दौरान ग्रामीणों ने विशेष रूप से शुद्ध पेयजल की कमी को लेकर अपनी परेशानी साझा की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया था कि पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द यहां शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त के निर्देश के अनुपालन में त्वरित कार्रवाई करते हुए सीएसआर मद से जमुनियातरी बिरहोर टोला में वाटर प्यूरीफायर स्थापित किया गया। इसके साथ ही क्षेत्र के विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में भी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए वाटर प्यूरीफायर लगाया गया है। इससे बच्चों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकेगा। इससे जलजनित बीमारियों के खतरे में भी कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है। वाटर प्यूरीफायर लगने से ग्रामीणों में काफी खुशी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले उन्हें स्वच्छ पेयजल के लिए दूर तक जाना पड़ता था या असुरक्षित पानी का उपयोग करना पड़ता था, जिससे बीमारियों का खतरा बना रहता था। अब इस व्यवस्था से उनकी बड़ी समस्या दूर हो गई है। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे बिरहोर समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार आएगा। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि बिरहोर समुदाय सहित जिले के दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दिव्यांग बच्चों ने किया हेरिटेज सेंटर-सह-म्यूजियम का भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा समावेशी शिक्षा कार्यक्रम के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए जिला स्तरीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रखंड के दिव्यांग बच्चों, अभिभावक एवं RT/PT ने कार्यक्रम में भाग लिया। बच्चों ने सिमडेगा स्थित हेरिटेज सेंटर-सह-म्यूजियम का भ्रमण किया। अभिभावकों द्वारा बताया गया कि म्यूजियम इतिहास, कला और संस्कृति के जीवंत केंद्र हैं, जो पुरानी धरोहरों को संरक्षित कर हमें एक अलग युग का अनुभव कराते हैं। यह बच्चों की कल्पना और जिज्ञासा को बढ़ाता है, उन्हें वास्तविक वस्तुओं के माध्यम से सीखने का व्यावहारिक अनुभव देता है। यह सिर्फ एक घूमने की जगह नहीं, बल्कि एक सुरक्षित वातावरण में मनोरंजन के साथ ज्ञान प्राप्त करने का एक शानदार तरीका है₹। म्यूजियम भ्रमण में अभिभावक एवं बच्चों में काफी हर्षोल्लास था। कार्यक्रम में सभी 17 रिसोर्स टीचर एवं थैरेपिस्ट, 30 अभिभावक एवं 80 बच्चे उपस्थित हुए।

संक्षिप्त खबरें

जलडेगा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, महिलाओं को सशक्त बनने का दिया संदेश

जलडेगा : प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल परिसर में संचालित मुख्यमंत्री सारथी योजना के सेंटर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका, उनके अधिकारों और समाज में उनके योगदान पर चर्चा की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य रोजालिया कंडुलना उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मना रही हैं। जरूरत है कि समाज उन्हें आगे बढ़ने का पूरा अवसर दे और महिलाएं भी शिक्षा व आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाएं। कार्यक्रम में प्रमुख जुसाफ लुगुन, प्रमिला देवी, अख्तरी खातून, तबियत खातून, जयंती देवी तथा मालावती देवी भी उपस्थित रहीं। सभी वक्ताओं ने महिलाओं के अधिकार, शिक्षा और सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे तथा महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन सुमन बारला के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का संकल्प लिया।

अखाड़ा अध्यक्षों की पहल, जल्द बनेगी रामनवमी प्रबंधन समिति सभी समाजों के साथ निकलेगा जुलूस

सिमडेगा: जिले में रामनवमी पर्व को लेकर इस बार अखाड़ों के अध्यक्षों ने एक नई पहल की है। समाज और अखाड़ों को उचित महत्व नहीं मिलने की भावना के कारण विभिन्न अखाड़ों के अध्यक्षों ने मिलकर एक अलग रामनवमी प्रबंधन समिति बनाने का निर्णय लिया है। हालांकि अभी समिति का औपचारिक गठन नहीं हुआ है, लेकिन बताया जा रहा है कि दो-तीन दिनों के अंदर इसका गठन कर लिया जाएगा। अखाड़ा अध्यक्षों ने कहा कि इस बार रामनवमी का आयोजन पूरी एकता और हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा। जुलूस में छोटे से बड़े सभी टोले-टप्पे के समाज के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों को शामिल करने की योजना है, ताकि हर समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। अखाड़ा अध्यक्षों का मानना है कि रामनवमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का अवसर भी है। इसलिए इस बार सभी समाजों और अखाड़ों को साथ लेकर एक भव्य और अनुशासित रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा। जानकारी के अनुसार जुलूस के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और जल्द ही प्रबंधन समिति के गठन के बाद कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी जारी की जाएगी। आयोजकों ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस पावन पर्व में शामिल होकर एकता, भाईचारे और श्रद्धा का संदेश दें।

चौपारण में 65 वर्षीय बुजुर्ग लापता, परिजनों ने थाना में दर्ज कराया सनहा

चौपारण : थाना क्षेत्र के चतरा मोड़ स्थित केबीएसएस हाई स्कूल के पीछे रहने वाले 65 वर्षीय बुजुर्ग के अचानक लापता हो जाने से परिवार में चिंता और बेचैनी का माहौल है। इस संबंध में उनके पुत्र ने चौपारण थाना में आवेदन देकर गुमशुदगी का सनहा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार चतरा मोड़ निवासी आशीष कुमार शर्मा ने थाना में दिए आवेदन में बताया है कि उनके पिता गांगों शर्मा (लगभग 65 वर्ष) 10 मार्च की संध्या करीब 6 बजे घर से बाजार जाने के लिए निकले थे। वे बिना किसी को कुछ बताए घर से बाहर गए थे, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने आसपास के इलाकों में उनकी खोजबीन शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार गांगों शर्मा की मानसिक स्थिति पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी। उनका रंग सांवला, कद लगभग 5 फीट 3 इंच है। घर से निकलते समय उन्होंने पैजामा और शर्ट पहन रखी थी। बुजुर्ग के लापता होने से परिवार के सदस्य काफी परेशान हैं और लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए हैं। परिजन आसपास के गांवों के अलावा रिश्तेदारों व परिचितों के यहां भी जानकारी ले रहे हैं। साथ ही बाजार और मुख्य सड़कों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Ranchi Smart City Corporation Limited
2nd Floor, JUPMI Building, Dhurwa, Ranchi- 834004
E-mail: ranchismartcity@gmail.com | Phone: +91 651 244 6666

Very- Short Notice Inviting Tender

NITNo.:RSCCL/O&M(SUDA Office)/375/2026/02 Date: 11.03.2026

1.	Name of the work	"Renovation of Existing Office Building at JUPMI Building 1st Floor."
2.	Mode of Bid Submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3.	Estimated Cost(Rs.)	Rs.49,71,529.00 (Rupees Forty-nine lakh seventy-one thousand five hundred twenty-nine only)
4.	Tender Fee and Earnest money	Tender document fee:Rs 5,900/-(including 18% GST)(Rupees Five Thousand nine hundred only) Non-Refundable. Earnest Money: Rs1,00,000.00 (Rupees One Lakh Only)
5.	Time of Completion	4 months
6.	Date/Time of Publication of Tender on Website	12.03.2026; 10.00 hrs.
7.	Date/Time of Start of Submission of Bids	12.03.2026; 10.00 hrs.
8.	Last Date /Time of Bid Submission	19.03.2026; 15.00 hrs.
9.	Last Date /Time of Submission of Tender Fee & EMD	19.03.2026:15.00 hrs.
10.	Date / Time of Bid Opening	20.03.2026; 15.30 hrs.
11.	Name and Address of office inviting Tender.	Ranchi Smart City Corporation Limited 2nd Floor, JUPMI Building, Dhurwa, Ranchi- 834004
12.	Helpline No. of e-Procurement Cell	ranchismartcity@gmail.com, 0651-2446666

Note: Only e-tenders will be accepted.
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
General Manager(Tech.)
PR 374733 (Urban Development) 25-26 (D) RSCCL.

लाखों की जलमीनार बनी शोपीस, ग्रामीण परेशान जिला उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम ने उठाई आवाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के झापा पंचायत अंतर्गत बेंदुवारा नावापर भुइयां टोली में गर्मी की आहट के साथ ही पेयजल संकट गहराने लगा है। गांव में सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना के तहत लाखों रुपये की लागत से सोलर जलमीनार का निर्माण तो करा दिया गया, लेकिन ग्रामीणों को आज तक उससे एक बूंद भी पानी नसीब नहीं हो पाया है। नतीजतन भीषण गर्मी शुरू होते ही गांव के लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और घर-घर पानी पहुंचाने के उद्देश्य से इस जलमीनार का निर्माण कराया गया था। योजना के तहत प्रत्येक घर तक पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचाने का दावा किया गया था, लेकिन निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह योजना धरातल पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलमीनार के नाम पर लोहे के एंगल पर प्लास्टिक का टैंक रखकर किसी तरह संरचना खड़ी कर दी गई और लाखों रुपये खर्च होने का दावा किया गया। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक इससे पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। वर्तमान में जलमीनार केवल शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। पानी की किल्लत के कारण गांव की महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज के चापाकलों और कुओं से पानी लाना पड़ रहा है। इससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की योजनाएं कागजों पर तो पूरी दिखा दी जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पाता। इस संबंध में झामुमो के अल्पसंख्यक मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम ने कहा कि क्षेत्र में पेयजल समस्या गंभीर होती जा रही है। प्रशासन को अविलंब इस मामले में हस्तक्षेप कर जलमीनार को चालू कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। पेयजल समस्या को लेकर अनिता देवी, मालती देवी, राधिका देवी, सुनीता देवी, सरगुन देवी, जवतरी देवी, रेणु देवी, रूपा देवी, बबिता देवी, धनोखी भुइयां और शिवा कुमार सहित 15 से अधिक परिवारों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि शीघ्र ही जलमीनार को चालू नहीं कराया गया तो आने वाले दिनों में गांव में पेयजल संकट और गंभीर हो सकता है।

e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Ramgarh.

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं०– **BCD/EE/RAMGARH/ 38 /2025-26** दिनांकः– **11.03.2026**

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	छावनी परिषद् क्षेत्र अन्तर्गत दामोदर नदी के तट पर छठ घाट कॉरिडोर निर्माण।	63,67,000/-	6 (Six) Months
2	सदर अस्पताल, रामगढत्र के मुख्य प्रवेश द्वार के बायें ओर सुव्यस्थित अस्पताल कैंटीन का निर्माण।	65,50,500/-	6 (Six) Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	18-03-2026	
ii	वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि एवं समय	25-03-2026 को अपराहन 3.00 बजे	
iii	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	27-03-2026 को अपराहन 3.00 बजे	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	e-Procurement Cell Office of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Ramgarh.	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	8789037009	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9340378587	

- किसी भी प्रकार का बदलाव *http:// Jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- अन्य किसी भी प्रकार की सूचना *http:// Jharkhandtenders.gov.in* पर देखा जा सकता है।

note: UCAN Registration is mandatory for the bidders.

Nodal Officer
e- Procurement Cell
Office of The Executive Engineer,
Building Construction Department,Building Division, Ramgarh.
PR 374779 Building(25-26).D

दिल्ली की राजनीति में आए तूफान का मतलब

शराब घोटाले की आंच से झुलसी आम आदमी पार्टी (आआपा) को निचली अदालत से मिली राहत स्थाई नहीं दिख रही है। सीबीआई की याचिका पर हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी लोगों को जवाब देने के लिए नोटिस दिया है। दस साल से ज्यादा दिल्ली की सत्ता में रही आआपा पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा से पराजित होकर सत्ता से बाहर हो गई। एक तो चुनाव में आआपा पराजित हुई, दूसरा चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बना-शराब घोटाला। अपने को कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाली आआपा और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में पराजित हुए। इसके चलते दिल्ली में मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद आआपा हाशिए पर जाती दिखती थी। पंजाब में सरकार होने के बावजूद आआपा नेताओं में पहले वाले तेवर नहीं दिख रहे थे। लेकिन 27 फरवरी को दिल्ली की राउज एवेन्यू विशेष न्यायालय के न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह की अदालत ने साफ कहा किया शराब घोटाले के आरोपों को साबित करने के लिए ठोस साक्ष्य नहीं दिए गए हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को न केवल आरोप मुक्त किया बल्कि सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दिया। इसे आधार बनाकर केजरीवाल और आआपा ने दिल्ली में हंगामा खड़ा कर हारी हुई बाजी पलटने की कोशिश की। वे सालों बाद वापस जंतर-मंतर गए जहां से उनकी राजनीति शुरू हुई थी। जिन दावों के बल पर आआपा दिल्ली जीती और देशभर में राजनीति कर अखिल भारतीय पार्टी बनी, उसी बुनियाद पर नया महल बनाने की प्रयास करने लगी। आआपा की राजनीति की यूएसपी (मूल तत्व) ही अपने को कट्टर ईमानदार साबित करने और सरकारी धन से मुफ्त की रेवड़ियां बांटना था। वैसे तो 49 दिन की पहली अल्पमत सरकार के जाने के बाद 2015 में प्रचंड बहुमत की सरकार बनते ही आआपा नेताओं का चाल, चरित्र और चेहरा सामने आने लगा लेकिन प्रचंड बहुमत की दूसरी सरकार में खुलकर भ्रष्टाचार दिखने लगा। शराब घोटाले ने उसे उजागर कर दिया। किसी भी राज्य सरकार का अधिकार है कि वह आबकारी (शराब) नीति बनाए लेकिन खुद बना कर और हड़बड़ी में वापस लेकर इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सबूत दे दिए। 17 नवंबर, 2021 को नई शराब नीति लागू की गई। इसके तहत 32 जोन बनाए गए। हर जोन में अधिकतम 27 दुकानें खुलनी थी। पहले 60 फीसदी दुकान सरकारी और 40 फीसदी निजी होती थी। इस बार 3500 करोड़ लाभ होने के नाम पर सभी दुकानें निजी कारोबारी को दी गई। जनता और सरकार दोनों को नुकसान होने के आरोप लगने पर आनन-फानन में 30 जुलाई, 2022 को नई आबकारी नीति को वापस लेकर पुरानी को बहाल कर दी गई। आरोप है कि इससे निजी कारोबारियों को करोड़ों का फायदा हुआ और सरकार के राजस्व का सीएजी के मुताबिक करीब दो हजार (2002.68) करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसमें सौ करोड़ रुपए की रिश्वत का आरोप है। शराब नीति में भ्रष्टाचार होने की शिकायत मिलने पर 8 जुलाई, 2022 को मुख्य सचिव ने उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को अपनी रिपोर्ट दी। 22 जुलाई, 2022 को नियमों के उल्लंघन पर सीबीआई जांच की सिफारिश की। 19 अगस्त को सीबीआई ने उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत तीन लोगों के घरों पर छापे मारे। 22 अगस्त, 2022 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब नीति पर मनीलांड्रिंग का मामला दर्ज किया। सितंबर, 2022 में सीबीआई ने आआपा के संचार प्रमुख विजय नायर को गिरफ्तार किया। मार्च, 2023 में मनीष सिसोदिया और अक्तूबर में सांसद संजय सिंह को ईडी ने गिरफ्तार किया। तभी केजरीवाल को ईडी ने पहला सम्मन भेजा। 16 मार्च, 2023 को भारत राष्ट्र समिति की नेता कविता गिरफ्तार हुईं। नौवीं बार सम्मन पर न आने के बाद 21 मार्च को ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया। 10 मई, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत दी। 02 जून, 2024 को उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर किया। 13 सितंबर, 2024 को उन्हें जमानत मिली।

सूडोकु नवताल- 7731

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7730 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला जीवन गरिमा और कानून के बीच गहरी बहस

अजय कुमार

भारत में जीवन के अधिकार को संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह बहस भी तेज हुई है कि क्या किसी व्यक्ति को गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी होना चाहिए। गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दिए जाने के बाद यह सवाल एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में आ गया है। यह फैसला केवल एक व्यक्ति के जीवन का निर्णय नहीं है, बल्कि यह उस जटिल स्थिति को भी सामने लाता है जिसमें आधुनिक चिकित्सा, कानून और मानवीय संवेदनाएं आपस में टकराती दिखाई देती हैं। हरीश राणा का मामला एक लंबे और पीड़ादायक संघर्ष की कहानी है। वर्ष 2013 में वह चंडीगढ़ में पढ़ाई कर रहे थे। उसी दौरान हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी। इस दुर्घटना के बाद उनका मस्तिष्क बुरी तरह प्रभावित हो गया और वह स्थायी रूप से कोमा जैसी अवस्था में चले गए। डॉक्टरों के अनुसार उनका ब्रेन डैमेज इतना गंभीर था कि उनके होश में आने की संभावना बेहद कम थी। पिछले लगभग 13 वर्षों से वह अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े थे और उनका जीवन केवल कृत्रिम पोषण, दवाओं और जीवन रक्षक चिकित्सा प्रणाली पर निर्भर था।लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके शरीर में कई तरह की जटिलताएं पैदा हो गई थीं। चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार लगातार लेटे रहने से उनके शरीर में बेड सोर यानी गंभीर घाव हो गए थे। डॉक्टरों की राय थी कि उनकी चेतना लौटने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति में उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने एम्स की मेडिकल रिपोर्ट, विशेषज्ञों की राय और कानूनी प्रावधानों पर विचार करने के बाद पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। अदालत ने माना कि जब कोई व्यक्ति वर्षों तक ऐसी स्थिति में रहता है जहां उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं होती और जीवन केवल मशीनों या कृत्रिम साधनों पर निर्भर होता है, तब गरिमा के साथ मृत्यु का अधिकार भी एक मानवीय प्रश्न बन जाता है।

दरअसल इच्छामृत्यु का विषय चिकित्सा नैतिकता और कानून के सबसे जटिल मुद्दों में से एक है। इच्छा मृत्यु का अर्थ है किसी ऐसे व्यक्ति को मृत्यु की अनुमति देना जो असाध्य बीमारी, असहनीय दर्द या स्थायी अचेत अवस्था में हो और जिसके ठीक होने की संभावना न हो। आम तौर पर इच्छामृत्यु दो प्रकार की मानी जाती है एक्टिव इच्छामृत्यु और पैसिव इच्छामृत्यु।एक्टिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर मरीज को ऐसी दवा या इंजेक्शन देते हैं जिससे उसकी तुरंत मृत्यु हो जाती है। भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में इसे अवैध माना जाता है क्योंकि इसे सीधे तौर पर किसी व्यक्ति की हत्या के समान माना जाता है। भारतीय न्याय संहिता 2023 के अनुसार जानबूझकर किसी व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनना एक गंभीर अपराध है। दूसरी ओर पैसिव इच्छामृत्यु में डॉक्टर सीधे मृत्यु का कारण नहीं बनते, बल्कि जीवन रक्षक उपचार को हटा दिया जाता है। इसमें वेंटिलेटर हटाना, कृत्रिम भोजन बंद करना या इलाज रोक देना शामिल होता है। इसके बाद मरीज की मृत्यु स्वाभाविक रूप से होती है। भारत में सीमित परिस्थितियों में इसी प्रकार की इच्छा मृत्यु को कानूनी मान्यता दी गई है। भारत में इच्छामृत्यु की कानूनी बहस का इतिहास लगभग पांच दशकों पुराना है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से समझने की शुरूआत 2011 के अरुणा शॉनबाग मामले से हुई। अरुणा शॉनबाग मुंबई के केईएम अस्पताल में नर्स थीं। 27 नवंबर 1973 की रात एक वार्ड बॉय ने उन पर हमला किया। हमले के दौरान उनके गले को लोहे की चेन से कस दिया गया, जिससे उनके मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई और उनका दिमाग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

इस घटना के बाद अरुणा शॉनबाग स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में चली गईं। वह लगभग 42 वर्षों तक अस्पताल के बिस्तर पर रहीं। चिकित्सा विज्ञान में इसे परमानेंट वेजिटेटिव स्टेट कहा जाता है, जिसमें शरीर जीवित रहता है लेकिन चेतना लगभग समाप्त हो जाती है। 2009 में पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने सुप्रीम कोर्ट में अरुणा के लिए इच्छामृत्यु की याचिका दायर की। उनका तर्क था कि अरुणा दशकों से ऐसी स्थिति में जीवन जी रही हैं जो मानवीय गरिमा के खिलाफ है। हालांकि केईएम अस्पताल की नर्सों ने इसका विरोध किया और कहा कि वे अरुणा की देखभाल कर रही हैं।सुप्रीम कोर्ट ने 7 मार्च 2011 को इस याचिका को खारिज कर दिया, लेकिन अपने फैसले में पहली बार पैसिव इच्छा मृत्यु को कुछ शर्तों के साथ अनुमति देने का रास्ता खोल दिया। यही फैसला आगे चलकर भारत में इच्छामृत्यु के कानून की आधारशिला बना। इसके बाद 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 'कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' मामले में एक और ऐतिहासिक फैसला सुनाया। संविधान पीठ ने कहा कि गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा है। अदालत ने 'लिविंग विल' को भी कानूनी मान्यता दी। इसका अर्थ यह है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखित रूप में यह तय कर सकता है कि गंभीर बीमारी की स्थिति में उसे किस प्रकार का इलाज दिया जाए या नहीं दिया जाए।

विश्व स्तर पर भी इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस होती रही है। वर्तमान समय में लगभग 10 से अधिक देशों में किसी न किसी रूप में इच्छामृत्यु या असिस्टेड सुसाइड को कानूनी मान्यता दी गई है। नीदरलैंड दुनिया का पहला देश था जिसने वर्ष 2002 में एक्टिव इच्छामृत्यु को कानूनी रूप से मान्यता दी। बेल्जियम ने भी 2002 में इसे वैध किया और 2014 में नाबालिग मरीजों के लिए भी सीमित परिस्थितियों में इसकी अनुमति दे दी।कनाडा ने वर्ष 2016 में मेडिकल असिस्टेंट डाइंग कानून लागू किया। कनाडा की सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 2022 में वहां लगभग 13 हजार लोगों ने मेडिकल असिस्टेंट डाइंग के माध्यम से जीवन समाप्त किया, जो देश की कुल मौतों का लगभग 4 प्रतिशत था। अमेरिका के कई राज्यों जैसे कैलिफोर्निया, ओरेगन और वाशिंगटन में भी सख्त शर्तों के साथ असिस्टेड सुसाइड की अनुमति है। भारत में हालांकि स्थिति अलग है। यहां एक्टिव इच्छामृत्यु पूरी तरह अवैध है और केवल पैसिव इच्छामृत्यु को सीमित परिस्थितियों में अनुमति दी गई है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपने दिशा-निर्देशों में संशोधन किया। नए नियमों के अनुसार इच्छा मृत्यु से जुड़े मामलों में अस्पताल को दो मेडिकल बोर्ड बनाने होते हैं। दोनों बोर्ड मरीज की स्थिति का मूल्यांकन करते हैं और 48 घंटे के भीतर अपनी राय देते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हर साल हजारों ऐसे मरीज होते हैं जो लंबे समय तक वेजिटेटिव स्टेट में रहते हैं। इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार भारत के बड़े अस्पतालों में आईसीयू में भर्ती लगभग 10 से 20 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं जिनकी स्थिति बेहद गंभीर और लंबे समय तक जीवन रक्षक उपकरणों पर निर्भर होती है।

यही कारण है कि इच्छामृत्यु का मुद्दा केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक सवाल भी बन जाता है। कई परिवार वर्षों तक अपने प्रियजनों के इलाज पर भारी खर्च करते हैं, जबकि सुधार की कोई संभावना नहीं होती। ऐसे में परिवारों के सामने भावनात्मक और आर्थिक दोनों तरह की चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। हरीश राणा का मामला इसी जटिल वास्तविकता को सामने लाता है। यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आधुनिक चिकित्सा के युग में जीवन को केवल तकनीकी साधनों से बनाए रखना ही पर्याप्त नहीं है। जीवन की गुणवत्ता, मानवीय गरिमा और पीड़ा से मुक्ति जैसे प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इसीलिए इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केवल एक कानूनी आदेश नहीं है। यह उस कठिन संतुलन की तलाश है जिसमें मानव गरिमा, परिवार की पीड़ा और कानून की मयार्दा तीनों को साथ-साथ समझा जा सके। आने वाले समय में यह बहस और गहरी हो सकती है और संभव है कि भारत को इस विषय पर एक स्पष्ट और व्यापक कानून बनाने की दिशा में भी कदम उठाने पड़ें।

वैश्विक संघर्ष के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था: ये संकट नहीं, सावधानी और अवसर का समय

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पश्चिम एशिया के खाड़ी क्षेत्र में बढ़ता सैन्य तनाव इस समय विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा विषय बन गया है। इजरायल, ईरान और अमेरिका से जुड़े सैन्य ठिकानों के इर्द-गिर्द बनती युद्ध जैसी स्थिति ने विश्व के वित्तीय बाजारों, ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियों को अस्थिर कर दिया है। हर बार देखने में यही आया है कि जब भी खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है, उसका सीधा प्रभाव वैश्विक तेल बाजार, महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है।

स्वाभाविक रूप से भारत जैसे बड़े आयातक देश को लेकर भी कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, किन्तु इन आशंकाओं के बीच एक सशक्त और आश्वस्त करने वाली सच्चाई भी सामने आ रही है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत, संतुलित और तैयार स्थिति में है। यदि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष लंबा भी चलता है तब भी भारत पर उसका प्रभाव सीमित रहेगा। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत की आर्थिक नीतियां, संस्थागत ढांचा और बाजार की मजबूती अब वैश्विक संकटों का सामना करने में सक्षम हो चुकी है।

सावधानी, तैयारी और नीति-निमार्ताओं की सक्रियताखाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए भारतीय नीति-निमार्ता पहले ही सक्रिय हो चुके हैं। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय बाजारों में स्थिरता बनाए रखने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। आरबीआई ने सरकारी बॉन्ड यानी जी-सेक की यील्ड को संतुलित रखने के लिए बाजार में हस्तक्षेप किया है, जिससे वित्तीय प्रणाली में घबराहट पैदा न हो। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करके रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित किया गया है और उसे 92 के स्तर से नीचे बनाए रखने में सफलता हासिल की गई है।

वस्तुतः यह कदम बता रहा है कि भारत की केंद्रीय बैंकिंग व्यवस्था वैश्विक संकटों को समझते हुए समय पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। आज भारत के पास लगभग 600 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो किसी भी बाहरी आर्थिक झटके को सहने की क्षमता प्रदान करता है। इसके अलावा सोने का भंडार भी लगातार बढ़ाया जा रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार में इसका हिस्सा लगभग 17.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह भी एक तरह की आर्थिक सुरक्षा ढाल है।

तेल संकट की चुनौती और भारत की रणनीतिखाड़ी क्षेत्र का सबसे बड़ा महत्व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ा हुआ है। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का व्यापार होता है। यदि यहां कोई बाधा उत्पन्न होती है तो तेल की कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। वर्तमान स्थिति में ब्रेंट क्रूड लगभग 91 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई लगभग 89 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच चुका है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार यदि तेल की कीमत में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि होती है तब जरूर भारत के चालू खाते के घाटे पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन यहां यह समझना भी जरूरी है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी ऊर्जा रणनीति को काफी विविधतापूर्ण बना लिया है। रूस से कच्चे तेल की खरीद, दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंध और रणनीतिक तेल भंडार जैसी व्यवस्थाएं भारत को अचानक आने वाले संकटों से काफी हद तक बचाती हैं।

वैश्विक विकास का नया केंद्र बन रहा भारतअंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्ट इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य एशिया, विशेष रूप से भारत और चीन के हाथों में है। आईएमएफ के अनुसार वर्ष 2026 में वैश्विक वास्तविक जीडीपी वृद्धि में भारत का योगदान लगभग 17 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। यह आंकड़ा उस आर्थिक परिवर्तन का संकेत है जो पिछले एक दशक में भारत में हुआ है।

आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। आईएमएफ ने 2025 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अगले वित्त वर्ष के लिए भी 6.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। इसके मुकाबले अमेरिका का योगदान लगभग 9.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जबकि कई यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि से जूझ रही हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

जनसंख्या दबाव नहीं, विकास का अवसरभारत की अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते समय अक्सर जनसंख्या को एक चुनौती के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह सही है कि भारत की जनसंख्या बहुत बड़ी है, किंतु यह भी उतना ही सच है कि यही जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति भी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा कार्यबल रखने वाला देश है। यह युवा आबादी उत्पादन, उपभोग और नवाचार तीनों क्षेत्रों में नई ऊर्जा प्रदान करती है।

भारत में हर वर्ष लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। स्टार्ट-अप संस्कृति, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण क्षेत्र में निवेश और सेवा क्षेत्र की तेजी से बढ़ती गतिविधियां रोजगार सृजन के नए रास्ते खोल रही हैं। वैश्विक कंपनियां भी चीन के बाद अब भारत को अपने नए उत्पादन केंद्र के रूप में देख रही हैं। "चीन प्लस वन" रणनीति के तहत कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में निवेश बढ़ा रही हैं।

वैश्विक बाजार में भारत की स्थिर छविवैश्विक संकट के दौर में निवेशक हमेशा ऐसे देशों की तलाश करते हैं जहां आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता हो। भारत इस समय उसी श्रेणी में खड़ा दिखाई देता है। विश्व की कई रेटिंग एजेंसियां और आर्थिक संस्थान लगातार इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि भारत की आर्थिक नींव मजबूत है। बुनियादी ढांचे में तेजी से निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बैंकिंग क्षेत्र का सुधार और कर प्रणाली की पारदर्शिता ने भारत को एक भरोसेमंद निवेश गंतव्य बना दिया है।

यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद विदेशी निवेश भारत की ओर आकर्षित हो रहा है। हालांकि यह कहना भी गलत होगा कि खाड़ी क्षेत्र का संघर्ष भारत को बिल्कुल प्रभावित नहीं करेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और वित्तीय बाजारों में अस्थिरता जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं लेकिन भारत की आर्थिक संस्थाएं इन चुनौतियों को समझते हुए पहले से तैयारी कर रही हैं। आरबीआई की सतर्क नीति, सरकार की ऊर्जा रणनीति और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार भारत को इन परिस्थितियों में संतुलित बनाए रखते हैं। यह वही परिपक्वता है जो किसी अर्थव्यवस्था को वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिर बनाए रखती है।

आज भले खाड़ी क्षेत्र में चल रहा संघर्ष निश्चित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। तेल बाजार की अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव दुनिया के कई देशों के लिए आर्थिक संकट पैदा कर रहे हैं। पर भारत के संदर्भ में स्थिति अलग है। मजबूत नीतियां, सक्रिय केंद्रीय बैंक, विविध ऊर्जा स्रोत, विशाल घरेलू बाजार और युवा कार्यबल ये सभी कारक भारत को वैश्विक संकटों के बीच भी आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं इसलिए यह समय घबराने का न होकर सावधानी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहने का है।

जहां से सिंथेटिक ड्रग्स की शुरूआत, वहीं से मुकाबला

चार्वी अरोड़ा

सिंथेटिक ड्रग्स की शुरूआत सड़कों पर नहीं होती। उनकी शुरूआत उससे कहीं पहले, कारखानों, गोदामों और उन शिपिंग कंटेनरों में होती है जो हर दिन रसायनों को सीमाओं के पार ले जाते हैं। इनमें से कई रसायन कानूनी हैं और फार्मास्यूटिकल तथा अन्य उद्योगों में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं। लेकिन जब तस्कर इन्हें दूसरे रास्ते ले जाते हैं, तो यही पदार्थ उन सिंथेटिक ड्रग्स के निर्माण की नींव बन जाते हैं जो समुदायों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाते हैं। ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) में सहायक विशेष एजेंट-इन-चार्ज केटी डोराइस बताती हैं कि प्रीकर्सर रसायनों को नियंत्रित करना अमेरिकी सरकार की प्राथमिकता क्यों है। डीईए, एक फेडेरल कानून प्रवर्तन एजेंसी है जो तस्करों को इन रसायनों को हानिकारक नशीले पदार्थों में बदलने से रोकने के लिए काम करती है।

प्रीकर्सर क्या होते हैं? डोराइस कहती हैं, 'प्रीकर्सर रसायन वे आवश्यक घटक होते हैं जिनका उपयोग मेथामफेटामीन और फेनेटाइल जैसे नियंत्रित पदार्थों का अवैध रूप से निर्माण करने में किया जाता है।' वे यह भी जोड़ती हैं कि इनमें से कई रसायनों के वैध उपयोग भी होते हैं। समस्या का पैमाना अत्यंत विशाल है। वह कहती हैं, '2024 में, डीईए ने फेनेटाइल -मिश्रित 6 करोड़ से अधिक नकली गोलियाँ और लगभग 8,000 पाउंड फेनेटाइल पाउडर जब्त किया। ये जब्तियाँ फेनेटाइल की 38 करोड़ से अधिक घातक खुराकों के बराबर हैं।' ये आँकड़े दशार्ते हैं कि अमेरिकी सरकार प्रीकर्सर नियंत्रण को केवल नियामक मुद्दा नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा का प्रश्न क्यों मानती है।

2025 के अंत में, डीईए ने फेंटानिल फ्री अमेरिका नामक एक अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य फेनेटाइल की आपूर्ति और मांग दोनों को कम करना है। डोराइस कहती हैं, 'डीईए अमेरिकी जीवन और समुदायों को फेनेटाइल के विनाशकारी प्रभावों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। फेंटानिल फ्री अमेरिका का अर्थ रोकथाम, शिक्षा और साझेदारी है।'

इन रसायनों के वैध उपयोग भी होते हैं, तस्कर अक्सर सबकी नजरों के सामने छिपे रहते हैं। डोराइस एक सामान्य तरीके की ओर इशारा करती हैं जिसे ट्रांसशिपमेंट कहा जाता है। वह कहती हैं, 'इस प्रणाली में आयात/निर्यात से जुड़े ऐसे छिद्र हैं जिनसे निपटना कठिन है।' आपराधिक समूह कमजोर निगरानी वाले बंदरगाहों के माध्यम से रसायनों को स्थानांतरित करते हैं और फिर उन्हें आगे भेज देते हैं। वह जोड़ती हैं, ह्लयह प्रक्रिया प्रारंभिक निर्यातक देश के लिए कागजी रिकॉर्ड को साफ-सुथरा दिखाती है।' डीईए के लिए इस चरण पर दुरुपयोग को रोकना अत्यंत महत्वपूर्ण है। डोराइस कहती हैं, 'डीईए प्रीकर्सर रसायनों के नियंत्रण को प्राथमिकता देता है, जिससे ड्रग तस्करों के लिए नशीले पदार्थ बनाने हेतु कच्चा माल प्राप्त करना कठिन हो जाता है।'

एक और सामान्य तरीका, गलत घोषणा (मिस-डिक्लेरेशन), किसी शिपमेंट की वास्तविक प्रकृति या गंतव्य को छिपाने से जुड़ा होता है। वह समझाती हैं, 'प्रीकर्सर रसायन ऑनलाइन खरीदे जाते हैं और आयात/निर्यात के दौरान उनकी गलत घोषणा की जाती है।' इस जोखिम से निपटने के लिए डीईए कंपनियों के साथ नो योर कस्टमर (केवाईसी) प्रथाओं पर काम करता है। डोराइस बताती हैं, 'केवाईसी का सिद्धांत यह है कि कोई रासायनिक या फार्मास्यूटिकल कंपनी ऐसी नीतियाँ लागू करे जिससे ज्ञात प्रीकर्सरों की बिक्री केवल उन ग्राहकों तक सीमित रहे जिन्हें वास्तविक माना जाता है।'

उभरते जोखिमों की पहचान में वैज्ञानिक विश्लेषण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डोराइस बताती हैं, 'अमेरिका में डीईए की प्रयोगशाला प्रणाली सिंथेटिक ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी है।' 'यह जब्त किए गए रसायनों- जैसे पाउडर, तरल और गोलियाँ- का विश्लेषण करती है। वर्षों में, डीईए ने प्रीकर्सर सिग्नेचर, संश्लेषण मार्गों, अशुद्धता प्रोफाइल और उभरते एनालॉग्स का एक विशाल डेटाबेस तैयार किया है।' तस्करों द्वारा रणनीतियाँ बदलने के साथ सरकारों को भी अनुकूलन करना पड़ता है। वह कहती हैं, 'एआई और डेटा एनालिटिक्स दूसरे रास्ते भेजे गए हुए प्रीकर्सर रसायनों का पता लगाने में शक्तिशाली उपकरण हैं।' डेटा एनालिटिक्स किसी भी एजेंसी को रसायनों की खरीद की मात्रा, शिपिंग जानकारी, आयात और निर्यात डेटा जैसी विसंगतियों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। ये उपकरण जांचकताओं को उच्च-जोखिम वाले शिपमेंट पर रियल-टाइम अलर्ट लगाने या किसी कंपनी द्वारा असामान्य गंतव्य पर बड़ी मात्रा में प्रीकर्सर रसायन बेचने की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। डीईए भारत के साथ सहयोग के महत्व पर जोर देता है। डोराइस कहती हैं, 'भारत वैध प्रीकर्सर रसायनों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, इसलिए साझेदारी आवश्यक है।' बताती हैं कि डीईए भारत की सेंट्रल रेवेन्यूज कंट्रोल लेबोरेटरी (सीआरसीएल) के साथ प्रीकर्सर रसायनों और सिंथेटिक ओपिओइड्स की पहचान पर काम कर रहा है। डीईए का नई दिल्ली कार्यालय भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स के साथ भी जानकारी साझा करने और संयुक्त जांचों के समर्थन के लिए निकटता से काम करता है। अगस्त 2025 में डीईए ने वर्जीनिया के स्टर्लिंग स्थित स्पेशल टेस्टिंग एंड रिसर्च लेबोरेटरी से दो रसायनज्ञों को भारत में समकक्षों के साथ रासायनिक विश्लेषण और सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा करने के लिए भेजा।

दैनिक पंचांग

12 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

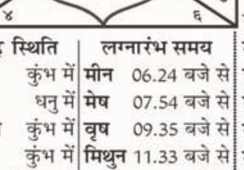

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.24 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.54 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.35 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.33 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.46 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.02 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.14 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.25 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.40 ब.से
राहुकाल		धनु	00.56 बजे से
1.30 से 3.00		मकर	03.01 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.47 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 71 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र मूल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) 09.59 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 17.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872646
जूलियन दिन 2461111.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

गुम हुआ मोबाइल पुलिस ने किया बरामद आवेदक को किया सुपुर्द

साहिबगंज : राजमहल थाना पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन को बरामद कर उसके असली मालिक को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार आवेदक मिथुन कुमार पासवान, पिता लखी पासवान, ग्राम योगिचक सरकंडा, थाना राजमहल, जिला साहिबगंज के लिखित आवेदन के आधार पर मोबाइल गुम होने की सूचना पर राजमहल थाना में सनहा संख्याझ17/26 दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा मामले की जांच करते हुए गुम हुए मोबाइल को बरामद कर लिया गया। बरामद मोबाइल बुधवार 11 मार्च 2026 को आवेदक मिथुन कुमार पासवान को विधिवत सुपुर्द कर दिया गया। मोबाइल वापस मिलने पर आवेदक ने राजमहल थाना पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल या अन्य सामान गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाना में सूचना दें, ताकि उसे जल्द बरामद किया जा सके।

20 वें रमजान के मौके पर नसीम खान के घर पर इफ्तार पार्टी का किया गया आयोजन

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र स्थित नसीम खान के घर पर 20 वें रमजान के मौके पर मंगलवार को इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इफ्तार पार्टी में बच्चे , बुजुर्ग,व नौजवान शामिल हुवे और आपसी भाईचारा के साथ रोजा ईफ्तार किया गया। इस दौरान झामुमो नेता अशरफ अंसारी ने कहा रमजान का महीना बहुत ही बरकत का महीना है रमजान का महीना त्याग, सयंम आपसी भाईचारा और इंसानियत का सन्देश देता है। इस महीना में लोग रोजा रख व कुरान की तिलावत कर अल्लाह की ईबादत करते है और जरुरतमंदो सदका खैरात कर मदद कर सामाजिक एकता को मजबूत करते है। ईफ्तार पार्टी का आयोजन से आपसी प्रेम, सोहर्द और एकजुटता को बल मिलता है ।ईफ्तार के पूर्व मौजूद रोजेदारो के साथ मिलकर अल्लाह से दुआ कर देश व दुनिया मे अमन चैन दुआएं मांगी गई ।मौके पर समाजसेवी कलीमुद्दीन अंसारी, नसीम खान,मोईन खान फुलटून खान,चिंटू खान,गल्लू खान, कलीम अंसारी, युसूफ अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के अंतर्गत नामित ग्राम पंचायत झिकरहटी पूर्वी का केंद्रीय दल ने किया भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के लिए नामित सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झिकरहटी पूर्वी में ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में केंद्रीय दल के भ्रमण, संवाद सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंचायत में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं पंचायत स्तर पर सृजित परिसंपत्तियों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार व केंद्रीय दल में शामिल पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार के सेक्शन ऑफिसर मनिकन्दन के० पी० एवं सलाहकार, एस.ओ.ई.पी.आर. संपा बासु ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय दल में शामिल पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार के सेक्शन ऑफिसर एवं सलाहकार, एस.ओ.ई.पी.आर. ने पंचायत क्षेत्र में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ संवाद कर योजनाओं के प्रभाव तथा लाभार्थियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। केंद्रीय टीम ने सर्वप्रथम पंचायत सचिवालय परिसर में लगाए गए सूचना पट्ट का अवलोकन किया, जिसमें संबंधित पदाधिकारियों, कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों के नाम तथा मोबाइल नंबर अंकित थे। इसके पश्चात टीम को प्रोजेक्ट प्राण, प्रोजेक्ट बदलाव, ग्राम पंचायत झिकरहटी पूर्वी का प्रोफाइल तथा इको-फ्रेंडली गतिविधियों से संबंधित वीडियो प्रस्तुतीकरण दिखाया गया, जिसकी टीम द्वारा सराहना की गई।

केंद्रीय टीम ने पंचायत सचिवालय की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, की सराहना

इसके उपरांत केंद्रीय टीम ने पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने हैंडवाश व्यवस्था, भष्मीकरण यंत्र, पंचायत का नक्शा, स्तनपान कक्ष, हेल्प डेस्क, मईया कक्ष, ज्ञान केंद्र, मुखिया कक्ष, जन औषधि केंद्र, वाटर फिल्टर, शौचालय, पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक कक्ष, ऊर्जा कक्ष, रोजगार सेवक कक्ष तथा प्रज्ञा केंद्र सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। केंद्रीय दल ने पंचायत सचिवालय में उपलब्ध सुविधाओं, सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं जनहित में किए जा रहे नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर इस प्रकार की व्यवस्थाएं ग्रामीणों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। टीम ने पंचायत द्वारा किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणादायक बताया। वहीं पंचायत परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का भी केंद्रीय टीम एवं उपायुक्त द्वारा जायजा लिया गया। इस दौरान जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई गई। केंद्रीय टीम एवं उपायुक्त ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र एवं कॉफी मग प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके इस सराहनीय कार्य की सराहना करते हुए अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि जिले में प्रोजेक्ट बदलाव और प्रोजेक्ट जागृति के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप इन पहलों के बीज जिले में बोए गए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगा है।

केंद्रीय टीम ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय इस्लामपुर का किया निरीक्षण

पाकुड़ : ज़िले में सदर प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, इस्लामपुर का निरीक्षण उपायुक्त मनीष कुमार तथा पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार के सेक्शन ऑफिसर एवं सलाहकार एसओईपीआर द्वारा किया गया। इस दौरान झिकरहटी पूर्वी एवं पश्चिमी में तिथि भोज सह जन्मोत्सव कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं केंद्रीय टीम ने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों से संवाद किया तथा उनसे विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ कई प्रश्नों के सही उत्तर दिए, जिस पर उपायुक्त एवं केंद्रीय टीम ने उनकी सराहना की। इस अवसर पर उपायुक्त ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस विषय में आपकी रुचि हो, उसी क्षेत्र में मेहनत और लगन से आगे बढ़ें तथा अपने ज्ञान और प्रतिभा से जिले एवं राज्य का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आप सभी देश के भविष्य हैं और आपकी मेहनत ही आने वाले समय में समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला बनेगी।

मांगों को लेकर पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक के विस्थापितों का धरना तीसरे दिन भी जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में अपनी बुनियादी मांगों को लेकर पचुवाड़ा नॉर्थ कोल ब्लॉक क्षेत्र के विस्थापित ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे ग्रामीणों और प्रशासन के बीच दिन भर कोई ठोस वार्ता नहीं हो सकी, जिससे स्थिति पूर्ववत बनी रही। ग्रामीणों के विरोध के कारण कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण सहित कोल ब्लॉक की सभी खनन गतिविधियां पूरी तरह ठप पड़ी हुई हैं। धरना दे रहे ग्रामीणों का कहना है कि कोयला परियोजना के कारण प्रभावित गांवों के लोगों को अब तक कई बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। विस्थापित परिवार लंबे समय से सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा, रोजगार तथा पुनर्वास से जुड़ी मांगों को लेकर आवाज उठाते आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी द्वारा परियोजना क्षेत्र में खनन कार्य तो तेजी से किया जा रहा है, लेकिन प्रभावित लोगों की समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। धरना स्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन के कारण कोल ब्लॉक क्षेत्र में खनन से जुड़ी गतिविधियां पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं और भारी वाहनों की आवाजाही भी बंद है।

मालदा रेल मंडल ने बरहरवा प्लेटफार्म सांख्य एक पर स्वच्छ जल केंद्र किया स्थापित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : रेलवे स्टेशनों पर अक्सर यात्रियों को विभिन्न कंपनियों के मंहगे दाम पर पीने के लिए पानी की बॉटल खरीदना पड़ता है, लेकिन अब यात्रियों को स्वच्छ और सस्ते दाम पर पीने का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में मालदा रेल मंडल के बरहरवा रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ईस्टर्न रेलवे और मालदा रेल मंडल ने प्लेटफार्म सांख्य एक पर स्वच्छ जल केंद्र स्थापित किया है, जहां यात्री सिर्फ पांच रुपए प्रति लीटर में ठंडा और स्वच्छ पानी भर सकते हैं। इससे गर्मी हो या सर्दी अब यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर पीने के पानी की किल्लत नहीं होगी। स्टेशन पर यात्रियों को आसानी से पांच रुपए में एक लीटर पीने का पानी मिलेगा। इस पहल से यात्रियों को सहूलियत होने के साथ ही पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा, साथ ही यात्रियों को कम कीमत में स्वच्छ पानी मिलेगा। यात्रियों के लिए यह सुविधाजनक और सुलभ होने के साथ-साथ गर्मी के मौसम में वरदान साबित होगी। मशीन में पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए आरओ सिस्टम और यूवी फिल्टरेशन भी लगाया गया है। यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे मालदा रेल मंडल की शानदार पहल और बरहरवा स्टेशन के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।

लखी मंदिर में आज से अखंड हरिनाम संकीर्तन महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के बासमती स्थित लखी मंदिर परिसर में 12 से 15 मार्च तक 16 प्रहर व्याप्त अखंड हरिनाम संकीर्तन सह लीला कीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर पूजा समिति की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूजा समिति के अनुसार गुरुवार 12 मार्च को गंधाधिवास और जलयात्रा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद शुक्रवार 13 मार्च से अखंड हरिनाम संकीर्तन एवं लीला कीर्तन की शुरूआत होगी। वहीं शनिवार 14 मार्च को नाम कीर्तन के साथ रास लीला और राम विवाह की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे और महोत्सव के अंतिम दिन रविवार 15 मार्च को कुंज भंग वर्णन, महंत विदाई तथा महाप्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजन में झारखंड और पश्चिम बंगाल की कई प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियां भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगी। मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष निताई चंद्र पाल ने बताया कि 12 से 15 मार्च तक इस आयोजन को सफल बनाने में सभी ग्रामवासी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

पानी के लिए प्रखंड के लोग परेशान, अधूरा पड़ा जलमीनार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड में गर्मी का मौसम शुरू होते ही राजमहल प्रखंड क्षेत्र में पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। प्रखंड के पश्चिमी जामनगर छक्कु टोला में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना के अंतर्गत सोलर आधारित लघु ग्रामीण जलापूर्ति की जलमीनार लगाई गई है, लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी इससे पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। इसके कारण गांव के लोगों को स्वच्छ पीने का पानी की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सरकार की 'हर घर जल' योजना आखिर जमीन पर कब उतरेगी, जबकि गांव के लोग आज भी पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पहले से लगे कई ट्यूबवेल भी अब सूख चुके हैं। पानी की किल्लत इतनी बढ़ गई है कि फिलहाल लोग पीने के लिए कुएं का पानी कपड़े से छानकर उपयोग करने को मजबूर हैं। इससे लोगों को बीमारियों का भी डर सता रहा है। गांव की गौरी कुमारी, दुर्गा कुमारी, अनिमा मंडल, डालिमा कुमारी, नगरदीप मंडल, दीपंकर मंडल, शशि शाह, आनंद शाह, राहुल रजक, राम रजक और लालू रजक सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यदि जलमीनार का पानी चालू हो जाता तो गांव के लोगों को काफी राहत मिलती। सभी ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार पंचायत के मुखिया को भी दी गई है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

जमीनी विवाद में चचेरे भाभी व भतीजी ने महिला की पत्थर से मारकर की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र के बांझी फुटानी हाट परिसर से पुलिस ने बुधवार को एक महिला का शव बरामद किया है। महिला कि पहचान बांझी संथाली निवासी लोंगरा हांसदा कि 40 वर्षीय पुत्री संझली हांसदा के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार महिला कि हत्या आपसी जमीनी विवाद में कि गई है।

चचेरे भाभी एवं भतीजी ने कर दी हत्या

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह मृतिका संझली हांसदा, चचेरी भाभी मंझली मुर्मू एवं भतीजी तारा हांसदा के बीच आपसी विवाद को लेकर गाली गलौज नोक-झोंक हो रही थी। इसी दौरान भाभी व भतीजी ने मिलकर संझली हांसदा के ऊपर पत्थर से वार कर दिया। जिससे संझली हांसदा कि मौके पर ही मौत हो गई।

पूर्व में भी जमीनी विवाद में हुई थी मारपीट

मृतिका के भाई मनिंदर हांसदा ने बताया कि पूर्व में भी जमीनी विवाद को लेकर दोनों परिवारों के बीच झगड़ा व मारपीट हुई है। मामला थाने में पहुंचने के बाद अंचल के द्वारा अमीन बुलाकर दोनों के जमीन की मापी कराई गई थी। लेकिन उसके बाद भी विवाद नही सुलझा।

घटना कि सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची घटनास्थल

इधर घटना कि सूचना बोरियो पुलिस को मिलते ही एसआई सिद्धार्थशंकर टोप्पो, देव नारायण साहू सहित अन्य पुलिस बल घटनास्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया।

पीएम श्री विद्यालय में 10वीं की छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग सह विदाई समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पीएम श्री उत्क्रमित राजकीय उच्च विद्यालय नगर पालिका कन्या साहिबगंज में 10वीं कक्षा की छात्राओं के लिए पीएम श्री योजना के अंतर्गत कन्वेंशन इवेंट एवं करियर काउंसलिंग सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भू-वैज्ञानिक सह मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह थे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने छात्राओं को 10वीं के बाद सही विषय चयन, करियर की संभावनाओं, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण तथा निरंतर अभ्यास और मेहनत के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। करियर काउंसलिंग सत्र के दौरान डॉ. सिंह ने छात्राओं को बताया कि 10वीं के बाद विज्ञान, वाणिज्य और कला तीनों संकायों में अनेक अवसर उपलब्ध हैं। छात्राओं को अपनी रुचि, क्षमता और भविष्य के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विषय का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ कौशल आधारित शिक्षा, तकनीकी पाठ्यक्रम और व्यावसायिक प्रशिक्षण भी करियर के नए मार्ग खोल रहे हैं। अपने वक्तव्य में डॉ. सिंह ने छात्राओं को महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि जीवन में गलतियाँ होना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे सीखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मिस्टेक नहीं करना और यदि मिस्टेक हो भी जाए तो उसे रिपीट नहीं करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने छात्राओं को हर अनुभव से सीखते हुए आगे बढ़ने और निरंतर अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से अभ्यास करने की भी सलाह दी। डॉ. सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विषय चुनने की स्वतंत्रता देती है। इसलिए छात्राओं को अपने करियर के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए और उच्च शिक्षा के माध्यम से समाज एवं देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा में छात्रों के लिए सुनहरा अवसर श्रीनाथ शिक्षा संगम 3.0 का हुआ आयोजन

पटमदा : **श्रीनाथ** यूनिवर्सिटी जमशेदपुर द्वारा छात्रों के शैक्षणिक एवं करियर विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "श्रीनाथ शिक्षा संगम 3 .0" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ऑन-स्पॉट एडमिशन सह एजुकेशन फेयर के रूप में आयोजित होगा ।जिसका उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा, करियर मार्गदर्शन और प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी संपूर्ण जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम विवरण का आयोजन 14 मार्च शनिवार को 9 बजे से टीवीएस शोरूम के सामने होगा। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं ऑन-स्पॉट एडमिशन की सुविधा ऑन-स्पॉट एडमिशन पर 50% तक स्कॉलरशिप विशेषज्ञों द्वारा करियर काउंसलिंग और मार्गदर्शन विभिन्न पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी छात्रों और अभिभावकों के लिए परामर्श सत्र पाठ्यक्रमों की जानकारी श्रीनाथ यूनिवर्सिटी में डिप्लोमा, अंडरग्रेजुएट , पोस्टग्रेजुएट और पीएचडी स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, प्रबंधन , कंप्यूटर एप्लिकेशन, कॉमर्स, आर्ट्स, फामेर्सी, शिक्षा और आईटी से जुड़े कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। वर्तमान समय की तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में न्यू-एज और इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स भी उपलब्ध हैं। इनमें प्रमुख रूप से डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल मार्केटिंग जैसे आधुनिक कोर्स शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को नई तकनीकों, डिजिटल स्किल्स और इंडस्ट्री से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय छात्रों को इंटर्नशिप, इंडस्ट्री एक्सपोजर, स्किल डेवलपमेंट और प्लेसमेंट सहायता भी उपलब्ध कराता है।

माहुरी वैश्य समाज ने कुलदेवी मां मथुराशिनी पूजनोत्सव को लेकर सरिया नगर में निकला भव्य शोभा यात्रा

सरिया : माहुरी वैश्य समाज सरिया के लिए आज एक पावन भरा दिन है, आज के दिन सिर्फ सरिया हीं नहीं संपूर्ण भारत में माहुरी वैश्य समाज के द्वारा अपने कुलदेवी मां मथुराशिनी की पूजा बड़े हीं उत्साह के साथ मनाया जाता है,इसी संदर्भ में सरिया में भी इस समाज के लोग लगभग 25 वर्षो से पूजा अर्चना कर इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं,और आज हीं के दिन सरिया में भी समाज के लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा,समाज के जानकारों ने बताया कि यह देवी मान दुर्गा की नौवीं स्वरूपा, मां सिद्धि दात्री है,और हमारा माहुरी समाज इस रूप को,अपने कुलदेवी के रूप में एक उत्साह के साथ और भव्य तरीके से लगातार मनाते आ रहे है, इसी उपलक्ष्य में आज संपूर्ण सरिया नगर में समाज के हर वर्ग के लोगों द्वारा प्रभात फेरी,शोभा यात्रा में सभी पुरुष, बच्चे,समस्त महिलाओं ने भी नगर भ्रमण में भाग लिया। इस पूजनोत्सव में माहुरी वैश्य समाज के सभी छोटे बड़े सदस्य शामिल थे,जिसमें इस आयोजन की रूप रेखा तैयार करने में मुख्य भूमिका,, समाज के अध्यक्ष,अमितेश कूटरियार, पूजा समिति अध्यक्ष, अमित कुमार तर्वे,कोषाध्यक्ष,परमानंद चरण पहाड़ी,सामाजिक मीडिया प्रभारी सन्तोष कुमार तर्वे, सक्रिय सदस्य,सचिव निलेश कुमार,एवं साथ में समाज के सभी युवा सदस्य की भूमिका रही।

बंद पड़े घर में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी की आभूषण और सामान की चोरी

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। जहां मंगलवार की रात सबडहरा फाटक के पास चोरों ने एक बंद घर को अपना निशाना बनाया और लाखों रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में असुरक्षा का माहौल है। सूने घर का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने दिया वारदात को अंजाम। जानकारी के अनुसार, सबडहरा फाटक निवासी बेंजामिन कुजूर का परिवार घर से बाहर था। इसी का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर में प्रवेश किया। चोरों ने कमरे में रखे दो बड़े बक्सों के ताले तोड़ डाले और उसमें रखे कीमती सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और अन्य जरूरी दस्तावेज लेकर फरार हो गए। जहां घटना का पता बुधवार सुबह तब चला जब आस पास के ग्रामीणों ने घर का दरवाजा खुला देखकर अनुमान लगाया कि घर में चोरी हुआ है और सामान बिखरा हुआ पाया। इतने में ग्रामीणों ने राजमहल थाना को मामला की जानकारी दिया। राजमहल थाना के एसआई रामधन उरांव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और उनका कहना है कि पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की तहकीकात के लिए हर संभावित पहलू की जांच की जा रही है। बहुत जल्द चोरों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। वर्तमान में पुलिस ने इलाके में रात की गश्त बढ़ा दी है ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

जनता दरबार में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने लोगों की सुनी समस्याएं

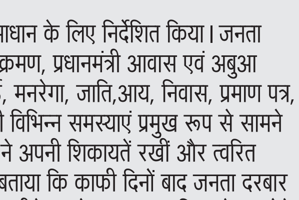

साहिबगंज : बरहरवा में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में बुधवार को बड़ी संख्या में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। जनता दरबार में विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को जल्द समाधान के लिए निर्देशित किया। जनता दरबार में जमीन विवाद, भूमि अतिक्रमण, प्रधानमंत्री आवास एवं अबुआ आवास योजना, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा, जाति,आय, निवास, प्रमाण पत्र, आधार अपडेट तथा बैंकिंग से जुड़ी विभिन्न समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। दूर-दराज से आए ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें रखीं और त्वरित कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि काफी दिनों बाद जनता दरबार लगने से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे रखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि पहले भी इस जनता दरबार के माध्यम से कई लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ है, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिली है। जानकारी के अनुसार यह जनता दरबार सामान्यत: प्रत्येक मंगलवार को आयोजित किया जाता है, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी कारणों से इस सप्ताह मंगलवार को कार्यक्रम नहीं हो सका। आमजनों के आग्रह पर बुधवार को जनता दरबार लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों से आए ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त मिलने में हो रही देरी की शिकायत की। इस पर विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर के अधिकारियों से फोन पर बातचीत की।

महंगाई भत्ता का इंतजार कर रहे कर्मचारी, सरकार कब करेगी डीए देने का ऐलान

नई दिल्ली।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इस समय जिस घोषणा का सबसे ज्यादा इंतजार है, वह है जनवरी जून 2026 के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी। आमतौर पर सरकार साल में दो बार डीए बढ़ाती है एक बार होली के आसपास और दूसरी बार दिवाली से पहले। इस बार होली बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई घोषणा नहीं हुई है। कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि आखिर सरकार कब डीए का ऐलान करेगी। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। हाल के महंगाई के आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि जनवरी 2026 से डीए में करीब 2 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो डीए बढ़कर करीब 60 फीसदी तक पहुंच जाएगा। यह अनुमान जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक के 12 महीने के औसत ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स - इंडस्ट्रियल वर्कर्स के आधार पर लगाया गया है, जो करीब 145.54 रहा है। इस गणना के मुताबिक डीए करीब 60.33 फीसदी बनता है, जिसे आमतौर पर 60 फीसदी पर राउंड ऑफ किया जाता है। इसी बीच एक और चर्चा तेजी से चल रही है कि क्या सरकार मौजूदा डीए को बेसिक सैलरी में मर्ज करने जा रही है। कई कर्मचारी संगठनों की मांग है कि जब डीए 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है, तो इसे बेसिक पे में जोड़ दिया जाना चाहिए, लेकिन सरकार का रुख इस मुद्दे पर फिलहाल साफ है।

दिसंबर 2025 में संसद में दिए गए लिखित जवाब में सरकार ने कहा था कि डीए को बेसिक वेतन में मिलाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।बता दें 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो चुका है और अब 8वां वेतन आयोग अपना काम शुरू कर चुका है, लेकिन इसकी सिफारिशों को लागू होने में अभी काफी समय लग सकता है।

आमतौर पर किसी भी वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने में करीब 18 महीने लगते हैं, जबकि उसके बाद समीक्षा, कैबिनेट मंजूरी और लागू करने की प्रक्रिया में करीब 6 महीने का समय और लगता है। ऐसे में माना जा रहा है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2027 के अंत से पहले लागू होना मुश्किल है। फिलहाल कर्मचारियों की नजर सरकार की अगली डीए घोषणा पर टिकी हैं।

अमेरिका टेक्सास के ब्राउन्सविल में नए तेल रिफाइनरी खुलेगी, 50 सालों में पहली होगी

ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया, रिलायंस को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास के ब्राउन्सविल में एक नए तेल रिफाइनरी प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका में पिछले 50 सालों में बनने वाली पहली नई तेल रिफाइनरी होगी। ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया और इस निवेश के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज को धन्यवाद दिया। ट्रंप ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा की। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिकी ऊर्जा बाजार को मजबूत करेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह प्रोजेक्ट अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' टेक्सास के ब्राउन्सविल में अमेरिका की पहली नई तेल रिफाइनरी खुल रही है, जो 50 सालों में पहली है। यह 300 अरब डॉलर का ऐतिहासिक समझौता है और अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा सौदा है। इससे अमेरिकी कामगारों, ऊर्जा क्षेत्र और दक्षिण टेक्सास के लोगों को बड़ा फायदा होगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। यह संघर्ष अब ईरान से आगे बढ़कर अन्य क्षेत्रों तक फैल गया है। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों, दूतावासों और खाड़ी देशों में ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे देश शामिल हैं। इस संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास।

ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका ने किया 300 अरब डॉलर की डील का ऐलान

यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा, हजारों नौकरियां होंगी पैदा

नई दिल्ली।

मीडिल ईस्ट में युद्ध के माहौल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 300 अरब डॉलर की मेगा डील का ऐलान किया है, जिसमें भारत की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल होगी। यह निवेश टेक्सास में बनने वाली एक विशाल ऑयल रिफाइनरी परियोजना से जुड़ा है। ट्रंप ने इसे ऐतिहासिक डील बताते हुए कहा कि यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा और हजारों नई नौकरियां पैदा करेगा।

ट्रंप ने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिका फर्स्ट रिफिनिंग द्वारा टेक्सास के ब्राउनस्विल बंदरगाह पर लगाई जाएगी। उनका कहना है कि यह पिछले करीब 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली पहली नई ऑयल रिफाइनरी हो सकती है। यह परियोजना देश की रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। हालांकि फिलहाल इस निवेश की फंडिंग और वित्तीय संरचना को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ट्रंप ने भारत के साझेदारों और खास तौर पर मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का उल्लेख करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत की इस प्रमुख ऊर्जा कंपनी का सहयोग इस परियोजना को आगे बढ़ाने में अहम रहेगा। ट्रंप ने कहा कि उनकी ÷अमेरिका फर्स्ट÷ नीति, परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और टैक्स में कमी जैसे कदमों के कारण देश में बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक आपूर्ति में संभावित बाधाओं के कारण तेल बाजार में चिंता बनी हुई है। अमेरिकी प्रशासन ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि इस नए प्रस्ताव को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज या अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका में पिछले डेढ़ दशक में शेल क्रांति के कारण तेल उत्पादन तेजी से बढ़ा है, लेकिन रिफाइनिंग क्षमता उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई। नई रिफाइनरी स्थापित करना महंगा होने के साथ-साथ जटिल परमिट प्रक्रिया और पर्यावरणीय विरोध के कारण चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

एलपीजी की कमी के चलते होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर उछले

-देशभर में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में आई तेजी

मुंबई।

मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई। बटरफलाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12ः45 पर 7.93 फीसदी की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन में शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 फीसदी की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 फीसदी की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए।

सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 फीसदी से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। उन्होंने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने की जरुरत वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार को अब एलपीजी सब्सिडी के लिए चलाए गए गिव इट अप अभियान की तर्ज पर एलपीजी उपयोग पर एक नया गिव इट अप अभियान शुरू करना चाहिए, जो उन परिवारों को टारगेट करे जिनके पास इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव हैं या जो इसे वहन कर सकते हैं। इससे घरेलू एलपीजी की मांग पर दबाव कम होगा।उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर फिर भी अडानी के शेयर भर रहे उड़ान

अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा 17फीसदी का उछाल आया

नई दिल्ली।

शेयर मार्केट में इस समय गिरावट चल रही है। सेंसेक्स 1000 से ज्यादा अंकों का गोता लगा चुका है और निफ्टी 24000 के नीचे है। इसके बावजूद अडानी ग्रुप का एक शेयर उछाल मार रहा है। दरअसल ईरान-इजराइल युद्ध के बीच गैस सप्लाई में आई रुकावट के कारण भारतीय शेयर मार्केट में गैस से जुड़े कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा करीब 17फीसदी का उछाल आया और यह 560.30 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

गुजरात गैस के शेयर में भी करीब 12फीसदी की तेजी रही और यह 420 रुपए के स्तर पर कारोबार किया। पेट्रोनेट एलएनजी, गेल इंडिया, इंद्रप्रस्थ गैस और महानगर गैस समेत अन्य गैस कंपनियों के शेयरों में भी 2फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। ईरान और इजराइल-अमेरिका गठबंधन के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर भारत के एनर्जी मार्केट पर पड़ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले गैस शिपमेंट बाधित हो गए हैं, जिससे सप्लाई पर दबाव बना है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक है, लेकिन बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर काफी हद तक निर्भर है। कई वैश्विक सप्लाईकर्ताओं ने इस बाधा के कारण गैस शिपमेंट पर फोर्स मेजर जारी कर दिया है।भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1फीसदी से

ज्यादा की गिरावट दर्ज की। तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव जारी है। हालांकि, ग्लोबल मार्केट में मजबूती देखी गई। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा कच्चे तेल के रिजर्व में बड़े पैमाने पर रिलीज के प्रस्ताव की खबर के बाद एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 1.8फीसदी की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड में बुधवार को करीब 1फीसदी की गिरावट आई, जबकि पिछले सत्र में इसमें 11फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.07 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 91.96 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी आने और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक सफलता से मिली राहत के कारण रुपया उच्च स्तर पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला, फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।वहीं मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 91.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

ट्रंप के शुल्क आदेश के रद्द होने पर भारतीय चमड़ा कारोबार में फिर बढ़ी अनिश्चितता

नई दिल्ली । करीब एक माह पहले कारोबार करार पर अमेरिका के साथ भारत के संयुक्त बयान से कोलकाता के चमड़ा उद्योग (लेदर हब) पर दबाव कुछ हद तक कम हुआ था। कारोबारी समझौते के तहत भारतीय उत्पादों के निर्यात पर अमेरिका में शुल्क 50 से कमकर 18 फीसदी करने की बात कही थी। शुल्क घटने से भारतीय चमड़ा उत्पाद दुनिया के बड़े उपभोक्ता बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में आए और नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अमेरिकी अदालत द्वारा ट्रंप प्रशासन के शुल्क आदेश को रद्द करने के बाद फिर से अनिश्चितता बढ़ी है। पूर्वी कोलकाता के बाहरी इलाके में मौजूद बांतला में क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट के कारखाने में इसके संकेत भी दिखाई देने लगे है। उत्पादन लाइन अमेरिकी बाजार के लिए हैंडबैग बनाने में व्यस्त हैं, जिनकी आपूर्ति करीब दो माह में होने वाली है। कुछ तैयार माल पहले से ही कार्टन में पैक हैं और वे अमेरिका भेजने के लिए तैयार हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के संकट ने एक नई अनिश्चितता खड़ी की है। पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे चमड़ा निर्यातकों के लिए अब नई चुनौती आ गई है। क्रिसेंट के कारखाने में ह्यूगो बॉस के वैश्विक बाजारों के लिए हैंडबैग और वॉलेट बनाते हैं। क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट से जुड़े अधिकारी ने कहा, अमेरिका जाने वाली खेप रोकी गई थी क्योंकि ऊंचे शुल्क ने यहां से निर्यात को अव्यावहारिक बनाया था। इसलिए कंपनी ने खेपों को यूरोप के गोदामों में भेज दिया, जहां से उन्हें अमेरिका भेजा जा सकता था।' उन्होंने कहा कि अब अमेरिका, कनाडा और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर आ रहे हैं। कंपनी से जुड़े अधिकारी ने कहा, 'उत्पादन जारी है और करीब दो माह में तैयार होना चाहिए। इस बीच हें उम्मीद है कि शुल्क पर स्पष्टता होगी।' अदालत द्वारा शुल्क आदेश रद्द करने के बाद व्हाइट हाउस ने 10 फीसदी का अधिभार लगाया और बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क 15 फीसदी होगा। एक अन्य कंपनी के अधिकारी ने कहा, 'इसकी ज्यादा संभावना है कि शुल्क 15 फीसदी होने वाला है। शुल्क से पहले कंपनी का करीब 30 फीसदी कारोबार अमेरिका से आता था। शुल्क पर अंतिम निर्णय का इंतजार है और अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि हाल तक चीजें ठप थीं मगर अब लोग बात करने के लिए तैयार हैं।

एयर इंडिया घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

यह शुल्क 12 मार्च से लागू होगा, समय-समय पर अधिभार की समीक्षा भी होगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ताजा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लागू करने का ऐलान कर दिया है। यह शुल्क चरणबद्ध तरीके से 12 मार्च से शुरू होगा। एयरलाइन ने बताया कि एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इस समय तेज बढ़ोतरी हुई है, जो एयरलाइन संचालन की लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा है।मीडिया रिपोर्ट में एयर इंडिया के मुताबिक मार्च की शुरुआत से एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी में आपूर्ति में व्यवधान प्रमुख कारण है। इसके अलावा दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख महानगरों में एटीएफ पर उच्च उत्पाद शुल्क और वैट लागू होने के कारण कुल ऑपरेटिंग लागत में और वृद्धि हो रही है। एयरलाइन ने बताया कि पहले चरण में, 12 मार्च से की जाने वाली नई बुकिंगों पर शुल्क लागू होगा। इसके तहत घरेलू उड़ानों और दक्षिण एशियाई देशों जैसे नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की उड़ानों पर 399 रुपए का ईंधन अधिभार लगेगा। ये मार्ग पहले किसी भी ईंधन शुल्क के दायरे में नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व की उड़ानों पर अब 10 डॉलर का नया ईंधन शुल्क लागू होगा। इन मार्गों पर पहले कोई अधिभार नहीं लगता था। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए यह शुल्क 40 डॉलर से बढ़ाकर 60 डॉलर किया जाएगा, जबकि अफ्रीका की उड़ानों पर 60 डॉलर से बढ़ाकर 90 डॉलर का अधिभार लगेगा। एयरलाइन ने कहा कि दूसरे चरण में जो 18 मार्च से शुरू होगा, लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार बढ़ाया जाएगा। यूरोप के लिए शुल्क 100 डॉलर से बढ़ाकर 125 डॉलर किया जाएगा। वहीं, उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की उड़ानों के लिए 150 से बढ़ाकर 200 डॉलर का ईंधन अधिभार लागू होगा। एयरलाइन ने बताया कि हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे फार ईस्ट मार्केट्स को कवर करने वाली तीसरी चरण की जानकारी बाद में दी जाएगी।एयर इंडिया ने साफ किया है कि जो टिकट संबंधित तारीखों से पहले जारी किए गए हैं, उन पर संशोधित अधिभार लागू नहीं होगा। हालांकि यदि यात्री अपनी यात्रा की तारीख या यात्रा योजना में बदलाव करते हैं और इसके कारण किराया पुनर्गणना होती है, तो नए अधिभार लागू होंगे।

ओला इलेक्ट्रिक का 'चैंपियन महोत्सव............इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक पर 10 हजार की छूट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है और इस खुशी में कई कंपनियां भी अपने ग्राहकों को शानदार ऑफर दे रही हैं। इसी क्रम में ओला इलेक्ट्रिक ने 'चैंपियन महोत्सव' नाम से एक सीमित अवधि का अभियान शुरु कर दिया है। इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहकों को कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक खरीदने पर आकर्षक लाभ मिल रहा है। कंपनी के अनुसार यह ऑफर केवल तीन दिनों के लिए उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मॉडल्स पर अधिकतम 10,000 रुपये तक का फायदा पा सकते हैं। यह ऑफर पूरे देश में लागू किया गया है और कंपनी की स्कूटर तथा बाइक दोनों रेंज पर उपलब्ध है। कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य क्रिकेट में मिली बड़ी जीत का जश्न ग्राहकों के साथ साझा करना और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। विशेष ऑफर में कंपनी के कई लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। इसमें ओला एस1 प्रो, ओला एस1प्लस, ओला एस1एक्स, ओला एस1एक्स प्लस और ओला रोड स्टार जैसे मॉडल शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी की जेन3 एस1 स्कूटर रेंज और रोडस्टर इलेक्ट्रिक बाइक सीरीज पर ऑफर लागू किया है। इन मॉडलों को उनके आधुनिक डिजाइन, तकनीक और बेहतर रेंज के कारण ग्राहकों के बीच अच्छी लोकप्रियता मिली है।कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की शुरुआती कीमत करीब 77,999 से शुरू होकर करीब 1.14 लाख तक जाती है। ग्राहकों को इनमें अलग-अलग बैटरी विकल्प भी दिए जाते हैं, जिसमें 2 किलोवॉट प्रतिघंटा , 3 किलोवॉटप्रति घंटा, 4 किलोवॉट प्रतिघंटा और 5.2किलोवॉटप्रतिघंटा क्षमता वाले विकल्प शामिल हैं। इससे ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1313, निफ्टी 394 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में छाये संशय के कारण आई हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के साथ ही निवेशको के बाजार से दूर होने से भी बिकवाली हावी हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1313 अंकों की गिरावट के साथ ही अंत में सेंसेक्स 1342.2776,863.71 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी करीब 394.75 अंक फिसलकर 23,866.85 के स्तर पर बंद हुआ। इससे निवेशकों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए डूब गये। आज कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स में महिन्द्र एंड महिन्द्रा , बजाज फाइनेंस , भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 2 से 4 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अडानी पोर्ट और एनटीपीसी व सन फार्मा के शेयरों में हल्की बढ़त दर्त की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑटो और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी टूटा। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी करीब 1.8 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावस फार्मा सेक्टर में हल्की तेजी रही।बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण निवेशक बाजार से दूरी बना रहे हैं जिससे बिकवाली हावी है।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 78,238 अंक पर खुला। सुबह ये 177.85 अंक फिसलकर 78,028.13 पर था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी सुबह 52.20 अंक की गिरावट के साथ 24,209 पर कामकाज करता दिखा। वहीं कच्चे तेल की कीमतें

कम होने से दुनिया भर के बाजार ऊपर आये हैं जिसका लाभ भी भारतीय बाजार को मिला। तेल की कीमतें कम होने से महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावनाएं भी कम हुई हैं।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.24 फीसदी और जापान का निक्केई 225 1.98 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे थे। एशियाई सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार में बढ़त रही। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़त पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत के फ्यूचर्स 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़े। वहीं, इससे पहले रात में अमेरिका के ज्यादातर शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। दिन के अंत में एस एंड पी 500 0.21 फीसदी और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में तेजी, केडिया ने लगा रखा है बड़ा दांव

कंपनी के शेयर बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे

नई दिल्ली।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी रही। ओम इंफ्रा के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे। घरेलू शेयर बाजार में भूचाल के बीच ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को इंट्राडे के दौरान 1000 अंक से ज्यादा टूटा। दिग्गज निवेशक विजय केडिया का ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव है। पिछले पांच साल में ओम इंफ्रा के शेयरों में 260 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

विजय केडिया ने ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव लगा रखा है। केडिया के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 2400000 शेयर हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी में केडिया की हिस्सेदारी 2.49 फीसदी है। केडिया ने क्वांट म्यूचुअल फंड का भी ओम इंफ्रा लिमिटेड पर दांव है। क्वांट म्यूचुअल फंड के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 39,12,619 शेयर हैं। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 260 फीसदी से ज्यादा उछल गए हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर 12 मार्च 2021 को 24.65 रुपए पर थे। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 11 मार्च 2026 को 90.27 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। तीन साल में

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 145 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 146.50 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 71.72 रुपए है। ओम इंफ्रा लिमिटेड का मार्केट कैप बुधवार को 851 करोड़ रुपए के पार हो गया।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। घरेलू बाजार में सोना 1,62,850 रुपये , जबकि चांदी 2,76,350 रुपये के करीब है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भी कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,54 रुपये की फिसलकर 1,63,149 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,63,303 रुपये पर रहा था। ये 1,63,849 रुपये के उच्च और 1,62,840 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 862 रुपये टूटकर 2,76,988 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,77,850 रुपये रहा था। एक समय यह अनुबंध 1,504 रुपये नीचे आकर 2,76,346 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 2,76,999 रुपये के उच्च और 2,75,930 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी आई। कॉमेक्स पर सोना 5,194 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,242.10 डॉलर प्रति औंस था।

संक्षिप्त डायरी

पूर्व राजद विधायक व परिवार पर मनी लॉन्ड्रिंग में चार्जशीट

पटना (एजेंसी) मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने राजद के पूर्व विधायक अरुण यादव, पत्नी किरण देवी, उनके दो बेटों राजेश कुमार रंजन व दीपू कुमार और उनकी कंपनी किरण दुर्गा कॉन्ट्रेक्टर्स के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दायर किया। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपितों ने अवैध बालू खनन, भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक गतिविधियों के जरिए वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच लगभग 39.31 करोड़ की चल-अचल संपत्ति अर्जित की। जबकि उनकी वैध आय करीब 2.65 करोड़ थी। ईडी ने 27 फरवरी 2024 को इनके ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। राबड़ी ने अरुण की कंपनी को बेचे थे चार फ्लैट पूर्व विधायक अरुण यादव ने फर्जी कंपनी किरण दुर्गा कॉन्ट्रैक्टर्स के माध्यम से मां मराचिया देवी कॉम्प्लेक्स में 4 फ्लैट खरीदे थे। यह 4 फ्लैट पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उनकी कंपनी को बेचे थे।

सरकारी स्कूलों में खेल मैदान नहीं, इनडोर गेम से ही काम चला रहे छात्र

पटना (एजेंसी) एजुकेशन रिपोर्टर पटना शहर के कई सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में खेल सामग्री तो उपलब्ध हैं, लेकिन खेल मैदान नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को आउटडोर खेल खेलने का मौका नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में अधिकतर स्कूलों में बच्चे इनडोर गेम खेलकर ही संतुष्ट हो रहे हैं, जबकि कई जगह खेल सामग्री उपयोग के बिना पड़ी हुई है। इस बीच जिले के सरकारी विद्यालयों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन मद से राशि जारी की गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय ने सभी विद्यालयों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत गुणवत्तापूर्ण खेल सामग्री खरीदने का निर्देश दिया है। वहीं शहर के मुख्य इलाकों में स्थित पटना कॉलेजिएट स्कूल जहां ग्राउंड में बाउंड्री वॉल नहीं होने के कारण ग्राउंड में असामाजिक तत्व घुस जाते हैं। इस वजह से बच्चों को खेलने में परेशानी होती है। स्कूल ग्राउंड की हालत ही खराब है। महीने में कभी कभार बच्चे खेलते हैं। जयादातर बच्चे इंडोर गेम खेलते हैं। दीघा स्थित इंद्र प्रसाद सिंह गंग स्थली बालिका विद्यालय के प्रिंसिपल विनय कुमार ने बताया स्कूल में प्ले ग्राउंड नहीं होने से लड़कियां कभी-कभी इंडोर गेम खेलती हैं। यहां स्पोर्ट्स टीचर हैं। बीएन कॉलेजिएट स्कूल की प्रिंसिपल विजया लक्ष्मी रानी ने बताया कि स्कूल में न ही ग्राउंड है ना ही स्पोर्ट्स टीचर हैं। दूसरे शिक्षकों के द्वारा महीने में एक दो बार गांधी मैदान में ले जाकर बच्चों को खेलाया जाता है। पटना जिले के 3386 सरकारी स्कूलों में से 2826 स्कूलों के पास अपना खेल मैदान ही नहीं है। जिन स्कूलों में मैदान है भी, उनकी स्थिति ठीक नहीं है। दूसरी ओर जिले में स्पोर्ट्स टीचरों की भी भारी कमी है।

बिहार में कमर्शियल गैस सप्लाई ठप, घरेलू सिलेंडर के लिए कोडका फेरा

पटना (एजेंसी) राज्य में गैस आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कमर्शियल गैस की सप्लाई रोक दी गई है। इससे जहां होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के चूल्हे ठंडे पड़ रहे हैं, वहीं घरेलू उपभोक्ता डिजिटल सिस्टम और वेंडरों की लूट के दोहरे जाल में फंस गए हैं। आलम यह है कि बुकिंग के बावजूद डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) नहीं आने से लोग गैस एजेंसी के दफ्तरों की खाक छान रहे हैं। गैस एजेंसियों पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां कर्मचारी उपभोक्ताओं को समझाने में जुटे हैं। हालांकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने कहा है कि राज्य में घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है। आईओसीएल ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि बुकिंग करने वाले उपभोक्ताओं के घर गैस पहुंचाएं। पटना समेत राज्य के कई जिलों में होली के बाद घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई गड़बड़ा गई है। सिलेंडर के दाम बढ़ने के बाद अब उपभोक्ताओं को नई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुकिंग 25 दिन बाद हो रही है और सर्वर बार-बार ठप होने से बुकिंग भी अटक जा रही है। स्थिति यह है कि गैस एजेंसियों में सिलेंडर की कमी के कारण डिलीवरी 5 से 6 दिन पीछे चल रही है। कई एजेंसियों में 1500 से अधिक सिलेंडरों का बैकलॉग हो गया है। घरेलू उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी समस्या डीएसी नंबर को लेकर है। जिन लोगों के घर में गैस सिलेंडर समाप्त हो चुकी है। वैसे लोग वेंडरों के मनमानी का शिकार हो रहे हैं। पालीगंज इंडेन के मन्नू कुमार ने बताया कि होली के बाद से सप्लाई पर असर है। जहां पहले हर दिन गाड़ी आती थी, तीन दिन बाद सोमवार को गाड़ी आई थी। मंगलवार को कोई गाड़ी ही नहीं आई। इसलिए सिलेंडर की डिलीवरी देने में परेशानी हो रही है। पटना के कई गैस एजेंसी संचालकों के अनुसार होली की छुट्टियों के कारण प्लांटों में रिफिलिंग का काम प्रभावित हुआ। इसके बाद अचानक मांग बढ़ने से सप्लाई व्यवस्था चरमरा गई और 4 से 5 दिन का बैकलॉग बन गया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही स्थिति है। राज्य में 2.5 लाख गैस सिलेंडर का प्रत्येक दिन सप्लाई है। इसमें 12500 गैस सिलेंडर कॉमर्शियल है, जो होटल, रेस्टोरेंट, स्कूल, हॉस्टल आदि को सप्लाई दी जाती है। वर्तमान समय में अस्थाई तौर पर कॉमर्शियल गैस की सप्लाई रोकी गई है। घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोशिश जारी है।

आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा बहाल

पटना (एजेंसी) आईजीआईएमएस में रोबोटिक सर्जरी की सुविधा बहाल हो गई है। पहली बार दो मरीजों की इस तकनीक से सर्जरी की गई। एक मरीज शिवहर की 26 वर्षीय महिला थी, जो गॉल ब्लॉडर स्टोन से तीन साल से पीड़ित थी। दूसरा सीवान का 55 वर्षीय मरीज था, जो हर्निया और गॉल ब्लॉडर से पीड़ित था। गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के हेड डॉ. मनीष मंडल की देखरेख में दोनों मरीजों की सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि आईजीआईएमएस बिहार का पहला सरकारी सेंटर बन गया है, जहां रोबोटिक पद्धति से गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में पेट की सर्जरी की सुविधा बहाल हो गई है। जीआई सर्जरी विभाग के डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि रोबोट एआई तकनीक से लैस है, जो गड़बड़ी को तुरंत पकड़ लेता है। संस्थान में पहली बार रोबोट से सफल सर्जरी पर निदेशक डॉ. बिंदे कुमार और उपनिदेशक डॉ विभूति प्रसन्न सिन्हा ने टीम को बधाई दी है। फायदा क्या : रोबोटिक सर्जरी के मुख्य फायदों में छोटे चीरे, कम दर्द, कम खून बहना और तेजी से रिकवरी शामिल है। यह तकनीक सर्जनों को 3ऊविजन और अधिक सटीक नियंत्रण प्रदान करती है, जिससे आसपास के ऊतकों को कम नुकसान होता है। इसके अलावा अस्पताल में कम समय रुकना पड़ता है और संक्रमण का जोखिम भी कम होता है। अन्य विभागों में भी होगा उपयोग संस्थान के उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने बताया कि इस तकनीक से सर्जरी सटीक और कम तकलीफदेह होती है। सर्जरी के दौरान गलतियां होने की संभावना कम हो जाती है। दोनों मरीजों की सर्जरी सफल रही। दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। आने वाले समय में हड्डी समेत अन्य विभागों में भी रोबोट से सर्जरी होगी। इसके लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यूजीसी रेगुलेशन और आरक्षण की मांग को लेकर मशाल जुलूस

पटना (एजेंसी) संयोजक सदस्य अमर आजाद पासवान ने कहा कि जब भी दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के हित में कानून बनता है, तो उस पर रोक लगा दी जाती है। यूजीसी रेगुलेशन मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च को होनी है और छात्र चाहते हैं कि इस पर लगी रोक हटे। गौतम आनंद और अंबुज पटेल ने कहा कि 17 मार्च को पटना कॉलेज में होने वाली महापंचायत में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होना चाहिए। युवाओं ने कहा जब तक मांगें पूरी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जुलूस में शशि भूषण वर्मा, अजय यादव, मनीष यादव, शांतानंद ओमकार कुमार, कौशल कुमार, दीपांकर प्रकाश, पवन कुमार और गोलू समेत कई छात्रावासों के स्टूडेंट शामिल थे।

लालू-राबड़ी राज पर हमला करते समय सीएम नीतीश कुमार की जुबान फिसली; याद दिलाया वह वक्त

पटना (एजेंसी) राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर बोलते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार फिर हमलावर हो गए। समृद्धि यात्रा के दौरान अररिया में उन्होंने बहुत कुछ कह दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का आज दूसरा दिन है। अररिया में जनसभा को संबोधित करने के उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे वह एक बार फिर से चर्चा में आ गए। उन्होंने दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनता दल को आड़े हाथों लिया। अपने संबोधन में उन्होंने बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर तंज कसते हुए कहा कि पहले के शासनकाल में महिलाओं के लिए कोई ठोस काम नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को यह अच्छी तरह याद रखना चाहिए कि पहले महिलाओं की स्थिति क्या थी। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उस समय सात साल तक सत्ता में रहने के बाद भी महिलाओं के लिए कोई विशेष पहल नहीं की गई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब पद से हटे तो अपनी हीं बेटी को आगे कर दिया, लेकिन राज्य की महिलाओं के लिए कोई ठोस काम नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए। उन्होंने बताया कि बिहार में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिससे बड़ी संख्या में महिलाएं प्रशासनिक और अन्य सेवाओं में आईं। इसके अलावा पंचायतों और स्थानीय निकायों में भी महिलाओं को व्यापक भागीदारी दी गई है। 'हमने कानून का राज स्थापित किया' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर 2005 को जब उनकी सरकार बनी थी, तब राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति काफी खराब थी और अपराध का माहौल था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कानून का राज स्थापित किया और राज्य को विकास की राह पर आगे बढ़ाया। उन्होंने दावा किया कि आज बिहार में सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। : समृद्धि यात्रा के तहत अररिया पहुंचे मुख्यमंत्री, 545 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास अररियावासियों को 545.89 करोड़ रुपये की सौगात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिले में लगभग 545.89 करोड़ रुपये की 68 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें करीब 330.60 करोड़ रुपये की छह योजनाओं का शिलान्यास तथा 157.16 करोड़ रुपये की 60 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। इन परियोजनाओं में सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, सरकारी भवनों का निर्माण, पेयजल आपूर्ति और अन्य आधारभूत ढांचा से जुड़ी योजनाएं प्रमुख हैं।

बिहार में एजुकेशन सिस्टम मॉडर्न होगा, एआई और रोबोटिक मॉडल से होगी पढ़ाई

पटना (एजेंसी) पटना बिहार के सरकारी स्कूलों और विश्वविद्यालयों में मॉडर्न एजुकेशन सिस्टम के आधार पर पढ़ाई होगी। इस दौरान स्कूलों और विश्वविद्यालयों में एआई और रोबोटिक मॉडल का इस्तेमाल किया जाएगा। स्कूल और विश्वविद्यालयों में लिखित और प्रयोगिक दोनों तरह से पढ़ाई होगी। क्लास में टीचर किसी भी विषय को पढ़ाने के साथ ही मॉडल और प्रोयोगिक करके दिखाएंगे। इससे छात्रों को विषय अधिक समय तक याद रहेगा। इसके साथ ही विषय को कक्षा 1 से पीजी तक क्लासिफाइड किया जाएगा। व्यर्थ के चीजों को पढ़ाने से टीचर परहेज करेंगे। ऐसे विषय पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसकी उपयोगिता भविष्य में भी हो। इसके साथ ही स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर संगीत, नृत्य, खेल सहित अन्य रचनात्मक कलाओं की जानकारी दी जाएगी। इससे छात्र पढ़ाई के साथ ही अन्य कौशल का विकास कर सकेंगे। स्कूलों में नंबर की जगह ग्रेडिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। मॉडर्न एजुकेशन सिस्टम का लक्ष्य 5 वर्ष निर्धारित किया गया है। इस दौरान स्कूलों में होने वाले सुधार का सर्वे होगा, उसके बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। मॉडर्न एजुकेशन सिस्टम में स्मार्ट क्लास, वर्चुअल रियलिटी, ऑनलाइन और ऑफलाइन का मिश्रण, कोडिंग, डेटा साइंस, सॉफ्ट स्किल्स, प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल का इस्तेमाल किया जाएगा। बिहार के स्कूल, कॉलेजों में पढ़ाई के स्तर को सुधारने के लिए आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इससे छात्रों को नई जानकारी मिलने के साथ ही वह हर दिन अपडेट रहेंगे। इसके लिए प्रोजेक्टर, एआई, स्मार्ट क्लास सहित अन्य तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। सुनील कुमार, शिक्षा मंत्री बिहार के सरकारी स्कूलों में वार्षिक परीक्षा के रिजल्ट के आधार पर छात्रों को 5 कैटेगरी में बांटा जाएगा। इसमें 81 से 100% तक अंक पाने वालों को अ ग्रेड दिया जाएगा। इसके साथ ही अति उत्कृष्ट श्रेणी में रखा जाएगा। 61 से 80% अंक पाने वालों को इ ग्रेड दिया जाएगा।

रेवाड़ी में कंपनी कर्मी ने कमरे पर लगाया फंदा :लोगों ने खिड़की से लटका देखा शव

पटना (एजेंसी) रेवाड़ी जिले के सुठाना गांव में मंगलवार देर शाम कंपनी कर्मी ने कमरे में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। कर्मी बिहार के भागलपुर का रहने वाला था। बावल की एक निजी कंपनी में काम करता था। अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सूचना के बाद कसौला थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम परिजनों के पहुंचने के बाद करवाया जाएगा। पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना जानकारी के अनुसार बिहार के भागलपुर के 26 वर्षीय चंद्रेश्वर बावल की आईजीएल कंपनी में काम करता था। मंगलवार शाम को जब काफी देर तक बाहर नहीं निकला, तो आसपास के लोगों ने झांककर कमरे में देखा, तो शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद एसएफएल की टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर अपने कब्जे में लिया।
परिवार के आने पर होगा पोस्टमार्टम कसौला थाना प्रभारी सतीश कुमार ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक भागलपुर बिहार का रहने वाला है। उसने यह कदम क्यों और किन परिस्थितियों में उठाया इसका पता मृतक के परिजनों के आने के बाद ही चल पाएगा। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है, उनके आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

'युवाओं के बाद बिहार से मुख्यमंत्री का भी पलायन', नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर PK का तंज

पटना (एजेंसी) नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार से अब तक सिर्फ युवाओं का पलायन हो रहा था लेकिन अब मुख्यमंत्री का भी हो रहा है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर तंज कसते हुए कहा कि पहले सिर्फ बिहार से युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब मुख्यमंत्री भी पलायन कर रहे हैं। सरकार ने चुनाव के समय अपराध पर लगाम लगाने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने एवं पलायन रोकने जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे और आज स्थिति यह है कि सब कुछ पहले से ज्यादा बढ़ गया है। '50 से ज्यादा बिहारियों की अन्य राज्यों में मौत' उन्होंने पलायन के मुद्दे पर जोर देकर कहा कि पिछले वर्ष नवंबर के बाद से बिहार के 50 से ज्यादा लोगों की अन्य राज्यों में मौत हो चुकी है। अगर लोग इसी तरह धर्म, जाति एवं पैसों के लालच में वोट देंगे, तो बिहार की स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। बता दें कि प्रशांत किशोर मंगलवार को सासाराम आगमन के दौरान एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। अपनी हार पर क्या बोले प्रशांत? प्रशांत किशोर ने पिछले विधानसभा चुनाव में मिली हार पर कहा कि उन्होंने हिंदू मुस्लिम, ऊंच नींच, जाति एवं पैसे के प्रलोभन वाली राजनीति ना करके बहुत बड़ी गलती कर दी। उन्होंने ईमानदारी से बिहार के बच्चों के नाम पर वोट देने की अपील की, लेकिन लोगों को बात समझ में नहीं आई। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक बिहार में सुधार नहीं होगा, जनसुराज पूरी ईमानदारी से प्रयास करता रहेगा। मुख्यमंत्री को लेकर कही गई बात हुई सच पीके ने कहा कि जब मैंने नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री नहीं रहने की बात कही थी, तो लोगों ने मेरा मजाक उड़ाया था। पिछले एक साल से मैं कहता आ रहा हूं कि नीतीश कुमार की मानसिक व शारीरिक हालत ऐसी नहीं है कि वे मुख्यमंत्री बने रह सकें और यह बात आज सच साबित हुई है। आज 202 विधायकों का समर्थन रहने के बावजूद भी वे मुख्यमंत्री बने रहने की स्थिति में नहीं हैं। निशांत कुमार का किया स्वागत वहीं पीके ने निशांत कुमार के राजनीति में आने के सवाल पर कहा कि हर किसी को राजनीति में आने का अधिकार है, इसलिए उनका भी पूरा स्वागत है। हालांकि उन्होंने निशांत कुमार के बहाने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि नेताओं ने अपने बच्चों के लिए राज सिंहासन की व्यवस्था कर दी है, लेकिन दुर्भाग्य है कि जनता अपने बच्चों की चिंता नहीं कर रही है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए फिर प्रयास शुरू करेगा जन सुराज प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के नवनिर्माण एवं व्यवस्था परिवर्तन के लिए आगामी छः महीने के अंदर जन सुराज एक बार फिर पूरी शिद्दत से प्रयास शुरू करेगा। हालांकि उन्होंने बिहार नवनिर्माण अभियान को शुरू करने से पहले संगठन को पुनर्गठित करने की बात कही और बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन दिनों का प्रवास कर कार्यकताओं के साथ संगठन की मजबूती के लिए चर्चा की जाएगी। ताकि कार्यकताओं के सुझावों से संगठन को एक बार फिर मजबूती से खड़ा किया जा सके।

सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण, व्यवस्था देख स्टाफ को लगाई फटकार

दरभंगा (एजेंसी)
समस्तीपुर सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का सिविल सर्जन डॉ. राजीव कुमार ने औचक निरीक्षण किया। मरीजों से मिली शिकायतों के बाद स्वास्थ्य कर्मियों को फटकार लगाई और अस्पताल की व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। समस्तीपुर सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का सिविल सर्जन डॉ राजीव कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों से इलाज और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी ली। इस दौरान कई मरीजों ने अस्पताल की व्यवस्था को लेकर शिकायत की, जिस पर सिविल सर्जन ने ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने इमरजेंसी वार्ड में तैनात गार्ड को भी सख्त निर्देश दिए कि मरीजों के अलावा कोई भी बाहरी व्यक्ति वार्ड में नहीं रहेगा। उन्होंने महिला और पुरुष वार्ड में भर्ती मरीजों से भी चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली और मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। ड्यूटी रोस्टर में बदलाव सिविल सर्जन ने ड्यूटी रोस्टर में बदलाव की बात भी कही। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर उत्कर्ष कुमार से इलाज व्यवस्था को लेकर पूछताछ करते हुए कहा कि डॉक्टरों को अपनी ड्यूटी के दौरान कम से कम तीन बार वार्ड का राउंड लगाकर मरीजों की स्थिति की जानकारी लेनी होगी। मरीजों की सुनी शिकायतें निरीक्षण के दौरान कुछ मरीजों ने ऑक्सीजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की कमी की शिकायत भी की। उन्होंने बताया कि अस्पताल में स्टाफ की कमी को भी जल्द दूर किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल इमरजेंसी वार्ड में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी से फार्मासिस्ट का काम लिया जा रहा है, लेकिन जल्द ही यहां नियमित फार्मासिस्ट की तैनाती की जाएगी ताकि मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सके। सर्जन ने की बैठक सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए डॉक्टरों, गार्ड, कमांडरों और सफाई कर्मियों के साथ बैठक भी की और सभी को आवश्यक निर्देश दिए। इसी दौरान इमरजेंसी वार्ड में भर्ती एक मरीज के परिजनों ने पुलिस पर फर्द बयान दर्ज करने के नाम पर पैसे मांगने का आरोप भी लगाया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन ने तुरंत पुलिस पदाधिकारी को फोन कर वार्ड में भर्ती महिला मरीज का फर्द बयान लेने का निर्देश दिया

आईपी गुप्ता के दावे से NDA में टेंशन, नीतीश-चिराग के विधायकों के बारे में क्या कहा

पटना (एजेंसी) आईआईपी पार्टी के प्रमुख आईपी गुप्ता ने कहा कि महागठबंधन के पास 41 नहीं 45 विधायकों का समर्थन है। उनके इस बयान से सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई। आइए जानते हैं क्या है महागठबंधन हर हाल में राज्यसभा की पांचवी सीट पर अपने उम्मीदवार अमरेंद्र धारी सिंह को विजयी बनाना चाहता है। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर महागठबंधन के सभी विधायकों को एकजुट किया। बातचीत हुई। राज्यसभा चुनाव को लेकर तेजस्वी यादव ने सारी बातें स्पष्ट कर दी। इसके बाद महागठबंधन के सहयोगी घटक दल के प्रमुख इंद्रजीत प्रसाद गुप्ता उर्फ आईपी गुप्ता ने एक ऐसा बयान दे दिया, जिसने राष्ट्रीय जनतांत्रिग गठबंधन में टेंशन बढ़ा दी। आईपी गुप्ता ने कहा कि महागठबंधन के उम्मीदवार एडी सिंह की जीत तय है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के सभी विधायकों के अलावा एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक हमारे उम्मीदवार को समर्थन दे रहे हैं। तेजस्वी यादव ने एआईएमआईएम से बातचीत कर ली है। 45 विधायक एडी सिंह को अपना समर्थन दे रहे हैं इंडियन इनक्लूसिव पार्टी के प्रमुख आईपी गुप्ता ने कहा कि राज्यसभा चुनाव केवल एक सीट का मामला नहीं है। यह बिहार की राजनीति की दिशा और दशा तय करने वाला चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन को अपेक्षा से अधिक समर्थन मिल रहा है। 45 विधायक एडी सिंह को अपना समर्थन दे रहे हैं। इसमें महागठबंधन के 35, एआईएमआईएम के पांच, बसपा के एक और बाकी जदयू और लोजपा (राम) के विधायक हैं। आईपी गुप्ता ने दावा कि एनडीए के कुछ ऐसे विधायक संपर्क में हैं, जो अंदर से महागठबंधन के उम्मीदवार को समर्थन देने के लिए तैयार हैं। महागठबंधन के विधायकों के साथ मीटिंग की तेजस्वी ने दरअसल, एक दिन पहले तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर महागठबंधन के विधायकों के साथ मीटिंग की थी। यह मीटिंग तीन घंटे तक चली गई। इसमें एआईएमआईएम और बसपा को बुलाने की भी बात सामने आई थी। लेकिन, इन दोनों पार्टी के विधायक नहीं आए। इसके बाद बसपा विधायक ने कहा कि उन्हें नहीं बुलाया गया था। इधर, राजद के दो और कांग्रेस के तीन विधायक गायब दिखे। इससे सियासी गलियारे में अटकलों का बाजार गर्म हो गया।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा बोले- हड़ताल के दिन भी गिन रही सरकार, नौकरी करनी है तो ऐसा करना पड़ेगा

पटना (एजेंसी) राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अगर नौकरी करनी है तो नियम का पालन करना होगा। आपको सेवक बनकर रहना ही होगा। मनमानी नहीं चलेगी। आप जब से हड़ताल पर गए हैं, उसकी गिनती भी हो रही है। डिप्टी सीएम और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय सिन्हा ने हड़ताल पर गए राजस्व सेवा के कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी निदेशों की अवहेलना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नौकरी करनी है तो नियमों का पालन करना होगा और कर्मचारियों को सेवक की तरह काम करना होगा। सरकार किसी भी हाल में मनमानी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि विभाग ने राजस्व कर्मचारियों को पंचायत भवन या पंचायत स्तर पर किसी अन्य जगह बैठकर काम करने का निर्देश दिया गया था। ताकि जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। लेकिन कई कर्मचारियों ने इस आदेश का पालन नहीं किया। इसके बाद सरकार ने वीडियो कॉलिंग के माध्यम से जांच की व्यवस्था शुरू की। इसके बाद कई राजस्व कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। जरूरत पड़ने पर उन्हें नौकरी से भी हटाया जा सकता है डिप्टी सीएम ने कहा कि कुछ कर्मचारियों को दिक्कतें थीं, जिसके कारण वे हड़ताल पर चले गए। पहले यह कर्मचारी खुलेआम घूमते रहते थे और इनके पीछे आम जनता को भी भटकना पड़ता था। सरकार ने व्यवस्था सुधारने के लिए पंचायत स्तर पर बैठने का निर्देश दिया था, ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि हड़ताल पर जाने वाले कर्मचारियों के हड़ताल की अवधि की भी गिनती की जा रही है। जो कर्मचारी सरकार के निदेशों का पालन करेंगे, विभाग उनका सम्मान करेगा। लेकिन, जो कर्मचारी आदेशों की अनदेखी करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें नौकरी से भी हटाया जा सकता है। दिसंबर 2027 तक हर हाल में बिहार में भूमि सर्वेक्षण काम पूर करें इधर, अंचल अधिकारियों के हड़ताल के बाद डिप्टी सीएम विजय सिंह ने भूमि एवं सुधार विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि सर्वेक्षण की गति को बढ़ाएं दिसंबर 2027 तक हर हाल में बिहार में भूमि सर्वेक्षण काम करने का लक्ष्य रखा गया है। इसीलिए ऐसी कोई गलती नहीं करें, जिससे लक्ष्य समय प्राप्त न हो। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। भूमि सर्वेक्षण पूरा होने से राज्य में भूमि अभिलेख पूरी तरह अद्यतन और पारदर्शी हो जाएंगे, जिससे आम लोगों को जमीन से जुड़े विवादों से काफी राहत मिलेगी। सर्वेक्षण के कार्य को गति प्रदान करने के उद्देश्य से ही समीक्षा बैठक बुलाई गई है। इस दौरान हरेक मुद्दे की समीक्षा कर तय समय सीमा में कार्य पूरा कराना उद्देश्य है।

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती है। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, व्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते है, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी है जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते है, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

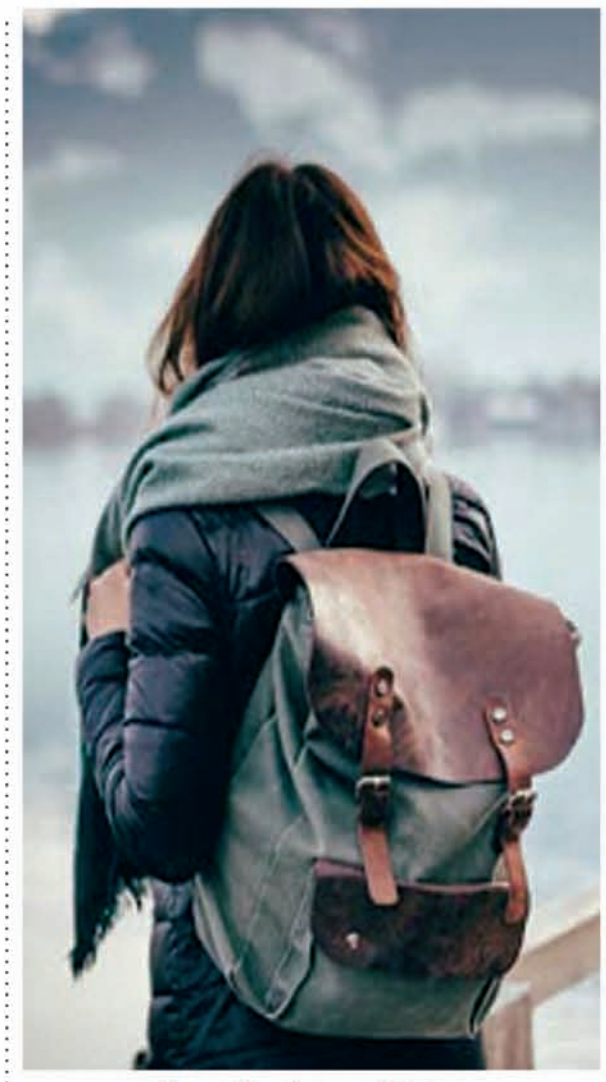

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्हद्धद्धद्ध ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले है, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

आईसीसी ने घोषित की टी-20 विश्व कप की इनामी राशि, भारतीय टीम को मिले 26,39,423 अमेरिकी डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के समापन के बाद खिलाड़ियों के लिए तय कुल 1.125 करोड़ अमेरिकी डॉलर की प्राइज मनी का अंतिम वितरण घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट की विजेता टीम भारतीय क्रिकेट टीम को सबसे बड़ी राशि 26,39,423 अमेरिकी डॉलर (करीब 26.39 लाख डॉलर) मिली है, जो सभी टीमों में सबसे अधिक है। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया और इसी के साथ प्राइज मनी सूची में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। उपविजेता न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 14,22,692 डॉलर मिले, जबकि तीसरे स्थान पर रही दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को 10,05,577 डॉलर की राशि मिली।

हर टीम को मिला बेस भुगतान

आईसीसी के अनुसार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हर टीम को 2,25,000 डॉलर का बेस भुगतान दिया गया। इसके अलावा टीमों को उनके प्रदर्शन, मैच जीतने और विभिन्न चरणों में आगे बढ़ने के आधार पर अतिरिक्त राशि दी गई।

भारत का दबदबा

इस बार टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन बेहद दमदार रहा। टीम ने ग्रुप चरण से लेकर नॉकआउट मुकाबलों तक लगातार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई और खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इसी शानदार प्रदर्शन का परिणाम है कि खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा प्राइज मनी मिली।

अन्य टीमों को मिली इतनी राशि

चौथे स्थान पर रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम को 9,74,423 डॉलर मिले। इसके बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 5,38,269 डॉलर, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 5,22,692 डॉलर, और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम को 4,91,538 डॉलर की राशि दी गई। इसके अलावा श्रीलंका क्रिकेट टीम, अफगानिस्तान क्रिकेट टीम, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम, संयुक्त राज्य अमेरिका क्रिकेट टीम सहित अन्य टीमों को भी उनके प्रदर्शन के अनुसार प्राइज मनी मिली। इस तरह टी-20 विश्व कप में भारत ने न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि प्राइज मनी के मामले में भी सबसे बड़ा इनाम अपने नाम किया।

खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी : आईसीसी

एजेंसी

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाली कुछ टीमों के खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों की घर वापसी में देरी हो रही है। आईसीसी ने कहा कि टूनार्मेंट में अपने अभियान समाप्त कर चुके सभी लोग जल्द से जल्द घर लौटना चाहते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। आईसीसी के अनुसार यह देरी खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट के कारण हो रही है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद हैं, मिसाइल चेतावनियां जारी की जा रही हैं और उड़ानों के मार्ग बदले जा रहे हैं। इसके अलावा कई कमर्शियल और चार्टर उड़ानों को अचानक रद्द या पुनर्निर्धारित करना पड़ा है। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि ये परिस्थितियां उसके नियंत्रण से बाहर हैं, जिससे

खिलाड़ियों की यात्रा व्यवस्था सामान्य से कहीं अधिक जटिल और समय लेने वाली हो गई है। आईसीसी ने बताया कि वह लगातार एयरलाइंस, चार्टर ऑपरेटर, एयरपोर्ट प्राधिकरण, ग्राउंड हैंडलर और विभिन्न देशों की सरकारी एजेंसियों के साथ संपर्क में है, ताकि सभी प्रभावित समूहों की सुरक्षित घर वापसी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के सदस्य आज रात से दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होना शुरू करेंगे और अगले 36 घंटों के भीतर सभी के प्रस्थान की उम्मीद है। वहीं वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के नौ सदस्य पहले ही कैरेबियन के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 सदस्य अगले 24 घंटों के भीतर भारत से उड़ान भरेंगे। आगे की प्रस्थान व्यवस्था की पुष्टि होने पर आईसीसी अतिरिक्त जानकारी साझा करेगा। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इन फैसलों के पीछे केवल सुरक्षा, व्यवहारिकता और खिलाड़ियों के कल्याण को ध्यान में रखा गया है। मीडिया के कुछ मंचों पर सामने आ रही अन्य अटकलों को परिषद ने पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया। परिषद ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के लिए की गई यात्रा व्यवस्था का पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम या किसी अन्य देश की व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि सभी मामलों में परिस्थितियां, यात्रा मार्ग और उड़ान विकल्प अलग-अलग रहे हैं। आईसीसी ने दोहराया कि इस पूरे समय उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई है। परिषद ने कहा कि जब तक यात्रा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाती, तब तक किसी को भी रवाना नहीं किया जाएगा। आईसीसी ने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, क्रिकेट बोर्ड और सहयोगी साझेदारों को इस कठिन परिस्थिति में धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद भी दिया।

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने चैम्पियन इलेवन को 30 रन से हराया

मुरादाबाद : रेलवे स्टेडियम में बुधवार को खेले गए इंटर क्लब क्रिकेट मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने चैम्पियन इलेवन को 30 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब के सुभाष को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 25 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए। टीम की ओर से सुभाष ने 51 और सचिन ने 48 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चैम्पियन इलेवन की टीम 24.2 ओवर में 170 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से अमित ने 39 और अचिन ने 38 रन की पारी खेली। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब के सुभाष ने 20 रन देकर चार विकेट लिए। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब के सुभाष को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

कबड्डी के चाणक्य रणधीर सिंह सेहरावत बने गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच

एजेंसी

अहमदाबाद : अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र से पहले अनुभवी कोच रणधीर सिंह सेहरावत को गुजरात जायंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कबड्डी के चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध सेहरावत लीग के सबसे अनुभवी कोचों में गिने जाते हैं। वह वर्ष 2014 में शुरू हुई प्रो कबड्डी लीग से ही इससे जुड़े रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीमों ने एक बार खिताब जीता है और छह बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सेहरावत के पास कबड्डी का लंबा अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेल कबड्डी टीम के कोच के रूप में पुरुष और महिला दोनों टीमों को कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब दिलाए हैं। खिलाड़ी के रूप में भी सेहरावत का करियर शानदार रहा है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम का

प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें एशियाई कबड्डी चैम्पियनशिप 1988, दक्षिण एशियाई खेल 1989 और एशियाई खेल 1990 शामिल हैं। 1990 के एशियाई खेलों में वह उपकप्तान के रूप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। अपनी नियुक्ति पर रणधीर सिंह सेहरावत ने कहा कि वह एक बार फिर प्रो कबड्डी लीग में वापसी कर बेहद खुश हैं और इस अवसर के लिए अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और वह टीम के साथ मिलकर खिताब जीतने के लक्ष्य की ओर काम करेंगे। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा कि रणधीर सिंह सेहरावत जैसे अनुभवी कोच का टीम से जुड़ना गुजरात जायंट्स के लिए बड़ी उपलब्धि है। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ टीम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। सेहरावत की नियुक्ति के साथ ही अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र के लिए गुजरात जायंट्स को एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के रूप में तैयार करने पर ध्यान दे रहा है।

इंडियन वेल्स में आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया, क्वार्टरफाइनल में प्रवेश

एजेंसी

इंडियन वेल्स : विश्व की नंबर एक बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम विजेताओं की टक्कर में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को जापान की नाओमी ओसाका को 6-2, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सबालेंका क्वार्टरफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और विक्टोरिया मबोको के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए 31 विनर और आठ ऐस लगाए। उन्होंने पहले सेट में दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ते हुए आसानी से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ओसाका ने लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन सबालेंका की मजबूत सर्विस को भेदने में

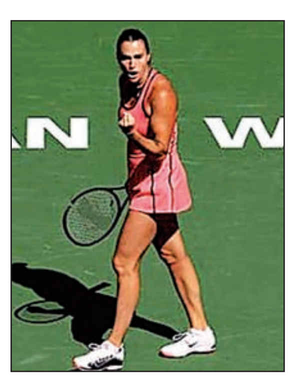

वह नाकाम रहीं। सबालेंका ने दूसरे सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए और 4-3 की बढ़त बनाने के लिए शानदार फोरहैंड विनर लगाए। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सिर्फ दूसरा मुकाबला था। इससे पहले 2018 में खेले गए मैच में ओसाका ने जीत हासिल की थी और उसी वर्ष उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने कोर्ट पर विविधता लाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे अहम मौकों पर ओसाका भ्रमित नजर आईं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 21 वर्षीय गिब्सन ने मैच में कुल 42 विनर लगाए और अपने करियर में पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी को हराया। पहले सेट में उन्होंने आखिरी क्षणों में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई। दूसरे सेट में पाओलिनी ने 3-0 की बढ़त के साथ वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में गिब्सन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 112वें स्थान पर काबिज गिब्सन ने मैच के बाद कहा कि वह इस जीत से बेहद

फीफा विश्व कप 2026 प्लेऑफ से पहले इराकी खिलाड़ियों को मिलना शुरू हुए वीजा

एजेंसी

मेक्सिको सिटी : फीफा विश्व कप 2026 के अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ मुकाबले से पहले इराक राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों को वीजा जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि 31 मार्च को मॉन्टेरी में होने वाले क्वालीफायर मुकाबले से पहले इराकी खिलाड़ियों के लिए वीजा जारी किए जा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार 8 मार्च को कुछ खिलाड़ियों की वीजा प्रक्रिया मेक्सिको दूतावास, सऊदी अरब में पूरी की गई थी, जबकि अन्य खिलाड़ियों और अधिकारियों की प्रक्रिया मंगलवार को मेक्सिको दूतावास,

कतर में पूरी की जानी है। हालांकि सरकार ने यह नहीं बताया कि अब तक कितने खिलाड़ियों को वीजा दिया गया है। दरअसल क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण इराकी टीम को यात्रा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के कई खिलाड़ी अभी तक एक स्थान पर एकत्र नहीं हो पाए हैं, जिससे उनकी तैयारियों पर असर पड़ा है। अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में इराक राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सामना सूरीनाम राष्ट्रीय फुटबॉल टीम और बोलीविया राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। इस मैच के विजेता को विश्व कप के ग्रुप चरण में जगह मिलेगी, जहां उसे फ्रांस राष्ट्रीय फुटबॉल टीम, नॉर्वे राष्ट्रीय फुटबॉल टीम और सेनेगल राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के साथ ग्रुप में रखा जाएगा।

इराक के मुख्य कोच ग्राहम अर्नोल्ड ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए फीफा से अंतरमहाद्वीपीय क्वालीफायर को स्थगित करने का अनुरोध भी किया है। उनका कहना है कि इराक का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के अधिकांश खिलाड़ी, जो घरेलू लीग में खेलते हैं, अभी तक एक साथ नहीं जुट पाए हैं। इस बीच मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह मेक्सिको में इराक दूतावास के संपर्क में है और इराकी राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों के दस्तावेज तैयार करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी संयुक्त रूप से मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून 2026 से शुरू होगा।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान के टी20 वर्ल्ड कप विजेता के बेटे का नेशनल कप में धमाकेदार डेब्यू

स्पोर्ट्स डेस्क : पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक के बेटे अली रज्जाक ने राष्ट्रीय टी20 कप में शानदार डेब्यू करते हुए अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। मुल्तान रीजन और लाहौर ब्लूज के बीच खेले गए मुकाबले में अली रज्जाक ने 26 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेलकर दर्शकों को प्रभावित किया। हालांकि उनकी टीम लक्ष्य के बेहद करीब पहुंचने के बावजूद मैच जीतने से चूक गई, लेकिन युवा बल्लेबाज की आक्रामक बल्लेबाजी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। अली रज्जाक को लाहौर ब्लूज की ओर से नेशनल टी20 कप में अपना पहला टी20 मैच खेलने का मौका मिला। इससे पहले वह घरेलू फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर चुके थे। उन्होंने अब तक नौ फर्स्ट-क्लास मैचों में एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञों की नजर पहले ही उन पर टिक चुकी थी। डोमेस्टिक क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद आखिरकार उन्हें टी20 प्रारूप में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लाहौर ब्लूज ने शानदार शुरूआत की। टीम ने शुरूआती पांच ओवरों में बिना विकेट खोए 64 रन बना लिए थे। इस दौरान उमर सिद्दीक खान ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में 41 रन बना दिए। हालांकि छठे ओवर में लगातार दो विकेट गिरने से टीम की पारी थोड़ी लड़खड़ा गई और मैच का रुख बदलता हुआ नजर आने लगा। अली रज्जाक जब बल्लेबाजी करने आए तो टीम का स्कोर जल्द ही 99/4 हो गया। उस समय मैच काफी मुश्किल स्थिति में था। रज्जाक ने शुरूआत में सावधानी से बल्लेबाजी की। उन्होंने अपनी पहली 10 गेंदों में सिर्फ छह रन बनाए और 18 गेंदों पर 17 रन के स्कोर पर खेल रहे थे। ऐसा लग रहा था कि लाहौर के लिए लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। मैच का सबसे रोमांचक पल 17वें ओवर में देखने को मिला। रज्जाक ने सिराज उद्दीन के ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए ताबड़तोड़ शॉट लगाए। उन्होंने ओवर की पहली गेंदों पर छक्का और चौका जड़ा, इसके बाद लगातार चौके लगाए और कुल मिलाकर 26 रन बटोर लिए। इस ओवर में दो वाइड भी शामिल थीं, जिससे कुल 28 रन बने। इस धमाकेदार बल्लेबाजी से मैच अचानक रोमांचक हो गया। हालांकि रज्जाक की यह आक्रामक पारी बहुत देर से आई। अपनी धीमी शुरूआत की भरपाई करने की कोशिश में वह अगले ही ओवर में आउट हो गए। उन्होंने 26 गेंदों में 45 रन बनाए, जिसमें कई शानदार शॉट शामिल थे। अंत में लाहौर ब्लूज लक्ष्य से सिर्फ तीन रन दूर रह गई और मैच बेहद रोमांचक अंदाज में हार गई।

राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में छाए मुरादाबाद के खिलाड़ी

मुरादाबाद : अयोध्या के डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल स्टेडियम में चल रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के साथ गए मुरादाबाद के शिक्षक डॉ. हरनंदन प्रसाद ने बताया कि प्राथमिक बालिका वर्ग की 50 मीटर दौड़ में सेजल (अलीगढ़) प्रथम, अंशिका यादव (वाराणसी) द्वितीय और सुहानिया (मेरठ) तृतीय रहीं। जूनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में सिराज अली (अयोध्या) प्रथम स्थान पर रहे। शिक्षक डॉ. हरनंदन प्रसाद ने आगे बताया कि 100 मीटर बालिका वर्ग में नैंसी यादव (वाराणसी) प्रथम, सगोपी (बरेली) द्वितीय और सेजल (अलीगढ़) तृतीय रहीं, जबकि 200 मीटर में नैंसी (वाराणसी) प्रथम, रोशनी (अलीगढ़) द्वितीय और अनीता (प्रयागराज) तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में रोशनी (अलीगढ़) प्रथम, अनीता (प्रयागराज) द्वितीय और करिश्मा (बरेली) तृतीय रहीं। कबड्डी में बस्ती मंडल विजेता और गोरखपुर उपविजेता रहा, जबकि खो-खो में अयोध्या मंडल विजेता और मिजार्पुर उपविजेता बना। प्राथमिक बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में विशाल (वाराणसी) प्रथम, दीपक (मिजार्पुर) द्वितीय और मयंक (आगरा) तृतीय रहे। 400 मीटर में कार्तिक (मुरादाबाद) प्रथम, संजय (लखनऊ) द्वितीय रहे। योग में आजमगढ़ प्रथम, लखनऊ द्वितीय और सहारनपुर तृतीय रहा। कबड्डी में अयोध्या मंडल विजेता और देवीपाटन उपविजेता रहा, खो-खो में मिजार्पुर विजेता और अयोध्या उपविजेता रहा। जूनियर बालिका वर्ग के 200 मीटर में अंशिका यादव (वाराणसी) प्रथम, पलक (मुरादाबाद) द्वितीय और अतिया (गोरखपुर) तृतीय रहीं। 400 मीटर में पलक (मुरादाबाद) प्रथम, रेशमा (मिजार्पुर) द्वितीय और सानिया (देवीपाटन) तृतीय रहीं।

इंडियन वेल्स : रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

नई दिल्ली : दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वाटर्रफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अछूता रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं।' इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरूआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वाटर्र फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरूआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए। जब सिनर दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गए तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से मैच खत्म कर देंगे, लेकिन 19 वर्षीय ब्राजीलियाई ने जोरदार वापसी की, इटालियन की सर्विस तोड़ दी और मजबूत अंकों के साथ एक और टाई-ब्रेक को मजबूर कर दिया, जिससे ब्राजीलियाई समर्थक स्टैंड में खड़े हो गए।

एक नजर

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 1.57 करोड़ मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

बेंगलुरु : कस्टम्स विभाग ने बेंगलुरु केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनलझ्र2 पर अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। बैंकॉक से आए एक यात्री के चेक-इन बैग से 1.57 करोड़ मूल्य का 4.5 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया है। कस्टम्स विभाग के अनुसार यह यात्री प्रतिबंधित मादक पदार्थ को सूटकेस के भीतर विशेष तरीके से छिपाकर लाया था। संदेह के आधार पर जब उसके बैगेज की जांच की गई, तो यह मादक पदार्थ बरामद हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आरोपित को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है। कस्टम्स अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए हवाई अड्डों पर निगरानी और कार्रवाई को और सख्त किया गया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 14 मार्च को बगरू थाने में करेंगे जनसुनवाई

जयपुर : आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय की भावना मजबूत करने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस आयुक्तालय के पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 14 मार्च (शनिवार) को पुलिस थाना बगरू में जनसुनवाई करेंगे। जनसुनवाई दोपहर 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस दौरान बगरू सर्किल के बगरू, सेज, भांकरोटा और बिंदायका थाना क्षेत्रों से जुड़े परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों के परिवादियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करना है। इस दौरान पुलिस अधिकारी मौके पर ही शिकायतों की सुनवाई कर आवश्यक निर्देश भी देंगे।

गैस को लेकर अफवाह से मची अफरा-तफरी, सुबह से लगी लंबी कतार

भागलपुर : ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी खबरों के कारण देशभर में गैस आपूर्ति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी बीच अफवाहों का असर अब भागलपुर में भी देखने को मिल रहा है। शहर के कई गैस एजेंसियों के बाहर बुधवार सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। लोग घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए अपना काम-काज छोड़कर अहले सुबह से ही एजेंसी पहुंच गए और घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कई जगहों पर उपभोक्ताओं को काफी देर तक इंतजार भी करना पड़ा। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी के बाहर खड़े दिखाई दिए। कतार में लगे लोगों का कहना है कि गैस की कमी की खबरें सुनकर वे पहले ही सिलेंडर लेने आ गए हैं, ताकि आगे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि गैस एजेंसियों का कहना है कि भागलपुर में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है। एजेंसी प्रबंधन के अनुसार अफवाहों के कारण अचानक भीड़ बढ़ गई है, जिससे वितरण में थोड़ी परेशानी हो रही है। इस मामले को लेकर एक गैस एजेंसी के प्रबंधक ने बताया कि लोग अफवाहों के कारण घबरा रहे हैं, जबकि ऐसी कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि जितनी जरूरत है, उतनी गैस उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिलेगा।

भविष्य सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें जल को केवल उपयोग की वस्तु के रूप में नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। राष्ट्रपति ने बुधवार को यहां आयोजित जल महोत्सव 2026 में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और

सामुदायिक जीवन से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गांवों में लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को पीने का पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का विषय नहीं था बल्कि समय, स्वास्थ्य और सम्मान से भी जुड़ा था। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की शुरूआत की, जिसके माध्यम से अब ग्रामीणों को अपने घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब किसी संसाधन की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ पूरा समाज मिलकर उठाता है, तब उसका संरक्षण अधिक प्रभावी और स्थायी होता है। जल प्रबंधन और संरक्षण में सामुदायिक स्वामित्व की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'जल अर्पण दिवस' के तहत जल आपूर्ति ढांचे को ग्राम पंचायतों को सौंपने से सामुदायिक स्वामित्व की भावना और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह जल परीक्षण, संचालन और रखरखाव जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इन समूहों की प्रतिबद्धता और समर्पण से महिलाओं और समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की क्षमता का उपयोग जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बहुआयामी और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन के साथ समन्वय कर ग्रे-वॉटर प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण के लिए केंद्रीय भूजल बोर्ड तथा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है।

माता पिता को खोने वाले सनातनी कर्मचारियों को मिले 13 दिन का सवैतनिक शोक अवकाश : डॉ दिनेश शर्मा

सरकारी-निजी कर्मचारियों के लिए 13 दिन के शोक अवकाश की मांग, राज्यसभा में उठी आवाज

एजेंसी

नई दिल्ली : राज्यसभा सांसद एवं यूपी के पूर्व उपमुख्यमंत्री यूपी डॉ दिनेश शर्मा ने माता पिता को खोने वाले सरकारी एवं निजी क्षेत्र के सनातनी कर्मचारियों के लिए 13 दिन के अनिवार्य सवैतनिक शोक अवकाश की मांग की है। उनका कहना है कि सनातन परम्परा की रक्षा के लिए ऐसा किया जाना आवश्यक है। इस अवकाश को आकस्मिक अवकाश और अर्जित अवकाश से अलग रखा जाए जिससे कि कोई भी भारतीय अपनी आजीविका और धर्म पालन के बीच में किसी एक का चुनाव करने को विवश नहीं हो। इस अवकाश का प्राविधान नहीं होने के कारण ही सनातनी परम्परा के कर्मचारी 13 दिन की अंतिम क्रिया को दो अथवा तीन दिन में ही करने को मजबूर हो रहे हैं। राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान इस विषय पर सांसद ने कहा कि भारत के लाखों सनातनी कर्मचारियों के जीवन में तब एक विकट संकट सामने आता है जब वे अपने माता पिता को खोने के बाद अपने धार्मिक कर्तव्य को पूरा करने अथवा नौकरी को बचाने में से किसी एक को चुनने के लिए बाध्य होते हैं। देश के श्रम कानून में सवैतनिक शोक अवकाश का प्राविधान नहीं होने के कारण यह स्थिति सामने आ रही है। दुनिया के तमाम विकसित देशों जैसे कनाडा ब्रिटेन फ्रांस आदि में अपने पारिवारिक सदस्यों को खोने की स्थिति में सवैतनिक शोक अवकाश के प्राविधान हैं। कनाडा में इसकी अवधि 10 दिन तो ब्रिटेन में दो सप्ताह की है। डा शर्मा ने कहा कि शास्त्रों में माता पिता की सेवा और उनकी मृत्यु के बाद कर्तव्यों को पितृ ऋण से मुक्ति का एक मात्र मार्ग बताया गया है। भारत का समाज एक धर्मनिष्ठ समाज है। गरुड पुराण के अनुसार पहले 10 दिन प्रेतत्व की अवस्था होती है और तेरहवी और शुद्धि हवन के बाद ही परिवार समाज में लौटने के योग्य होता है। अथर्ववेद के अनुसार पुत्र द्वारा माता पिता का अंतिम संस्कार करना अनिवार्य कर्तव्य है। हावर्ड की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शोक में डूबे कर्मचारी की उत्पादकता आधी ही रह जाती है। आज के प्रतिस्पर्धी एवं डिजिटल युग में बच्चे अपने माता पिता के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को दो अथवा तीन दिन में ही पूरा करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। यह स्थिति धार्मिक दृष्टि से विनाशकारी एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। कर्मचारी मन में ग्लानि और अपराधबोध लिए कार्यक्षेत्र में लौटने के लिए मजबूर हो रहे हैं। उनका कहना था कि मानव जीवन केवल सांसारिक संसाधनों के उपभोग के लिए नहीं है बल्कि ये कर्तव्य व धर्म के पालन के लिए भी है। घर के वरिष्ठ सदस्य की जिम्मेदारी होती है कि वह सामाजिक मूल्यो, संस्कृति एवं परम्पराओं को अगली पीढी को हस्तान्तरित करे। अभी हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय ने माता पिता के अंतिम। संस्कार को संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मौलिक अधिकार कहा है। जब एक कैदी को रस्मों के पालन के लिए पैरोल मिलती है तो फिर कर्मचारियों को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

आईआईटी खड़गपुर में प्रथम एसपीएआरसी राष्ट्रीय सम्मेलन

खड़गपुर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर ने स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन के राष्ट्रीय समन्वय के रूप में बुधवार को दो दिवसीय एसपीएआरसी राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन कोलकाता के राजारहाट स्थित आईआईटी खड़गपुर रिसर्च पार्क में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य वैश्विक शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को और सशक्त बनाना था। एसपीएआरसी कार्यक्रम से जुड़े भारतीय प्रधान अन्वेषको, अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान किया गया, जहां परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा और अनुभवों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम में देशभर के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों से लगभग 400 संकाय सदस्यों, शोधकताओं और छात्रों ने भाग लिया।

17वीं बार महादेव का किरदार निभाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की तैयारी में तरुण खन्ना

एजेंसी

मुंबई : एण्डटीवी के आगामी डिवाइन ड्रैमेडी 'हे भगवान- कितना बदल गया इंसान!' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है। इस शो में महादेव की भूमिका निभा रहे अभिनेता तरूण खन्ना एक अनोखी उपलब्धि की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने अब तक अलग-अलग धारावाहिकों में 17 बार भगवान शिव का किरदार निभाया है और इसी विशेष उपलब्धि के लिए वे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए, तरुण खन्ना, जो कि ह्यहे भगवान- कितना बदल गया इंसानह्य में महादेव का किरदार निभाते नजर आएँगे, ने कहा, "मेरे लिए महादेव का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक और जीवन बदल देने वाली यात्रा रही है। हर बार जब मैं इस दिव्य स्वरूप में आता हूं, तो मुझे ऐसा महसूस होता है, जैसे मैं किसी ऊजार्वान शक्ति से जुड़ रहा हूं, जो मुझे धैर्य, विनम्रता और आंतरिक शक्ति का पाठ सिखाती है। हर प्रस्तुति ने मुझे भगवान शिव के ज्ञान, करुणा और शक्ति के अलग-अलग पहलुओं को समझने का अवसर दिया है। साथ ही, इसने मुझे एक अभिनेता और एक इंसान के तौर पर भी लगातार प्रेरित किया है। 17 बार महादेव का रूप धारण करना मेरे ऊपर प्रभु का एक असाधारण आशीर्वाद है, जिसे मैं कभी हल्के में नहीं लेता। मैं सिर्फ मुझे मिले इन सुअवसरों के लिए ही नहीं, बल्कि दर्शकों के भरोसे, प्यार और अपनापन के लिए भी दिल से आभारी हूँ। उनकी सच्ची सराहना शूटिंग के हर मुश्किल पल को आसान और खास बना देती है।

डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर फोकस, नया इंडेक्स फंड लॉन्च

एजेंसी

मुंबई : आज के समय में निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता है कि बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच उनका पैसा सुरक्षित भी रहे और बढ़ता भी रहे। कई लोग इक्विटी में निवेश तो करना चाहते हैं, लेकिन सही कंपनियों का चयन, लगातार निगरानी और अनुशासन बनाए रखना आसान नहीं होता। ऐसे में, निवेशकों को एक ऐसे विकल्प की जरूरत होती है, जो नियम आधारित हो, मजबूत कंपनियों पर केंद्रित हो और लंबी अवधि में स्थिरता दे सके। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस अपने यूलिप प्लान के तहत लेकर आया है 'डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स फंड'। यह फंड उन कंपनियों में निवेश करता है, जिन्होंने लगातार डिविडेंड दिया है और जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत रही है। कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी मनीष कुमार ने कहा, "डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स फंड ग्राहकों को लगातार डिविडेंड देने वाली मजबूत कंपनियों में निवेश का अनुशासित और पारदर्शी तरीका प्रदान करता है। यह दीर्घकालिक धन सृजन में मददगार साबित हो सकता है।" यह फंड बीएसई 500 डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स को ट्रैक करता है, जिसमें पिछले 10 वर्षों से लगातार लाभांश देने वाली 50 कम्पनियाँ शामिल हैं। इंडेक्स की सालाना समीक्षा की जाती है। हालाँकि, यह इंडेक्स आधारित निवेश है और बाजार जोखिम लागू होते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत डिजिटल शिक्षा से मजबूत हो रही शिक्षा व्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली : शिक्षा और ज्ञान का प्रसार विद्यार्थियों के बौद्धिक और सामाजिक बुनियाद को मजबूत बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसके मध्य से विद्यार्थी तेजी से बदलती दुनिया में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हो पाते हैं। विविध शिक्षार्थियों के लिए संवेदनशील, समावेशी और भविषयोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपनी इस दृष्टि को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से स्पष्ट किया। NEP 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान और न्यायसंगत पहुँच सुनिश्चित करना तथा समग्र और बहुविषयक शिक्षा

- पीएम ई-विद्या के एक प्रमुख घटक दीक्षा पर मार्च 2026 तक 2.00 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं।
- भारत के स्वदेशी एम ओ ओ सी प्लेटफॉर्म स्वयं पर जनवरी 2026 तक 5.80 करोड़ से अधिक नामांकन दर्ज किए जा चुके हैं।
- स्वयं प्रभा के अंतर्गत 48 डीटीएच चैनल संचालित हो रहे हैं, जो 247 शैक्षिक सामग्री प्रसारित करते हैं और जिन्हें विभिन्न भारतीय भाषाओं में देखा जा सकता है।

को बढ़ावा देना है। एन ई पी आलोचनात्मक चिंतन और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शिक्षण और अधिगम के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग पर भी बल देती है। भारत में लगभग 24.8 करोड़ स्कूली बच्चे और 4.33 करोड़ उच्च शिक्षा में नामांकित विद्यार्थी हैं। हालांकि इनमें से अनेक विद्यार्थी दूरदराज क्षेत्रों में रहते हैं, जहाँ शैक्षणिक संस्थानों तक पहुँच सीमित है। इसके अलावा, अनेकों विद्यार्थियों के लिए घरेलू जिम्मेदारियों और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों जैसी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होना भी कठिन हो जाता है। यह चुनौतियों कई क्षेत्रों में प्रशिक्षित शिक्षकों की लगातार कमी के कारण और भी बढ़ जाती हैं, जिससे सीखने के परिणामों में असमानता देखने को मिलती है। इसके अतिरिक्त कोविड -19 महामारी ने पारंपरिक कक्षा आधारित शिक्षा में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ, जिससे लगभग 25 करोड़ स्कूली बच्चे प्रभावित हुए और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार समाधानों की त्वरित आवश्यकता अनुभव की गई। इसी संदर्भ में डिजिटल शिक्षा को लचीलेपन और समावेशन सुनिश्चित करने वाले एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा गया। जो विद्यार्थी कक्षाओं तक नहीं पहुँच सकते, कक्षाओं को ही उनके पास पहुंचाने की परिकल्पना की गई। इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने पी एम ई -विद्या पहल शुरू की, जो ऑनलाइन माध्यम से निरंतरता शिक्षण सुनिश्चित करने का एक व्यापक डिजिटल शिक्षा कार्यक्रम है। "एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा बुनियादी ढांचा" के सिद्धांत पर आधारित पी एम ई - विद्या के अंतर्गत कई प्लेटफॉर्म–जैसे दीक्षा, स्वयं, स्वयं प्रभा टीवी चैनल, रेडियो, पॉडकास्ट तथा सामुदायिक स्तर पर उपलब्ध डिजिटल संसाधनों–को एकीकृत किया गया है। इसके माध्यम से देशभर के शिक्षार्थियों तक समावेशी, सुलभ और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो दीर्घकालिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप है।

संक्षिप्त खबरें

एलपीजी संकट से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत होने से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने आआपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में एलपीजी की दैनिक उपलब्धता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों पर पड़ रहा है। भारत में एलपीजी की कुल खपत का करीब 60 फीसद हिस्सा आयात के जरिए पूरा किया जाता है और इस आयात का लगभग 90 फीसद हिस्सा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के रास्ते आता है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इस मार्ग से भारत को आने वाली आपूर्ति लगभग बंद हो गई है। इसके कारण एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने कहा कि देशभर में शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर, बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जाएगी। इससे देश के सभी हिस्सों में एलपीजी गैस की किल्लत हो गई है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को युद्ध शुरू होने के एक दिन पहले इजराइल जाने की क्या जरूरत थी ऐसा करके उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है।

मणिपुर के थौबल से भारी मात्रा में ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

इंफाल : मणिपुर में नशा के तस्करों के विरूद्ध पुलिस के चलाए गये अभियान के दौरान तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी ओर वाहनों की सुगम आवाजाही के लिए संवेदनशील इलाकों में नाका चेकिंग एवं तलाशी अभियान भी लगातार चलाए जा रहे हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा बुधवार को जारी सूचना के अनुसार सुरक्षा बलों ने थौबल थानांतर्गत थौबल जिला पुलिस मुख्यालय के पास से मोइजिंग गांव के तीन निवासियों को प्रतिबंधित ब्राउन शुगर के साथ गिरफ़्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मो. अमर शाह (30) उर्फ. अमर, मो. इन्नी (36) उर्फ.जलाल और मो. याकिन अहमद (26) के रूप में की गयी है। आरोपितों के पास पुलिस ने दो चार-पहिया वाहन, लगभग 5.7 किलो ब्राउन शुगर, चार मोबाइल फोन, एक पैन कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक आरसी कार्ड और एक आधार कार्ड बरामद किया गया है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बल ज़िलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र पर अपना दबदबा बनाए रखने के लिए लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटियों दोनों में बीते मंगलवार को कुल 115 नाके एवं चेक पॉइंट लगाए गए थे, हालांकि किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जा रहे 137 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और संवेदनशील रास्तों पर सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है, ताकि वाहनों की आवाजाही बिना किसी रोक-टोक और सुरक्षित तरीके से हो सके।

कांग्रेस के झूठे प्रचार का दें मुंहतोड़ जवाब : जयराम ठाकुर

मंडी : पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने बुधवार को थुनाग में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत थुनाग मंडल की दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भरते हुए संगठन की मजबूती, सिद्धांतों और विचारधारा पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि ये कार्यकर्ताओं को समाज के प्रति उनकी नैतिक और राजनैतिक जिम्मेदारियों को अधिक प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम हैं, जिससे संगठन की नींव और अधिक सुदृढ़ होती है। जयराम ठाकुर ने कार्यकर्ताओं के साथ जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विचार को समाज के अंतिम व्यक्ति तक ले जाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य होना चाहिए और इसके लिए केंद्र सरकार की ऐतिहासिक योजनाओं के बारे में जनता को जागरूक करना अनिवार्य है। राज्य की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने तंज कसा कि अब इस सरकार की विफलता की चर्चा करना भी गौण लगने लगा है क्योंकि प्रदेश के हर चौराहे और गली में लोग स्वयं इनकी कार्यप्रणाली और 'नालायकी' की बातें कर रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि जनता शासन से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय : दीक्षांत समारोह 20 मार्च को, राज्यपाल आएंगे

जोधपुर : डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में बीस मार्च को आयोजित होने वाले नौवें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में विभिन्न समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी समितियों द्वारा की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की गई। कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने बैठक में सभी समितियों से उनके जिम्मेदार कार्यों की अद्यतन जानकारी ली और समारोह को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समितियों के सदस्यों ने अब तक की तैयारियों और आगामी कार्यों के बारे में कुलगुरु को विस्तार से अवगत कराया। दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर राजाराम अग्रवाल ने बताया कि बीस मार्च को दोपहर तीन बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की उपस्थिति में विश्वविद्यालय का 9वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुल 1391 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को पांच स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**